बालाघाट
बुधवार 08 अक्टूबर 2025
कार्तिक कृष्ण 1/2 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 17
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	81,790.12
निफ्टी	25,077.65
सोना	1,20,770
चांदी	1,56,000
डॉलर	88.70

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच बिहार वोटर वेरिफिकेशन पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को निर्देश

एसआईआर के तहत हटाए गए 3.66 लाख मतदाताओं का ब्योरा दें

पटना।एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह बिहार की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची से हटाए गए 3.66 लाख मतदाताओं की जानकारी कोर्ट को दे। चुनाव आयोग ने शीर्ष कोर्ट को बताया कि अधिकतर नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं और जिनके नाम हटाए गए हैं, उनमें से अब तक किसी ने कोई शिकायत या अपील दर्ज नहीं करवाई है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग को गुरुवार यानी नौ अक्तूबर तक उपलब्ध जानकारी कोर्ट को सौंपनी होगी, क्योंकि उसी दिन इस मामले में अगली सुनवाई होगी। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि मसौदा सूची और 30 सितंबर को प्रकाशित की गई अंतिम सूची सबके पास है, इसलिए दोनों सूचियों की तुलना करके जरूरी जानकारी दी जा सकती है। न्यायमूर्ति बागची ने चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी से कहा कि कोर्ट के आदेशों से चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जनसामान्य की पहुंच बढ़ी है।

एसआईआर के खिलाफ वकील प्रशांत भूषण ने दलील दी कि आयोग ने मतदाता सूची को साफ करने के बजाय, समस्या को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा, इसमें पारदर्शिता का भी अभाव है। चुनाव आयोग ने दिशानिर्देशों के अनुसार जानकारी अपलोड नहीं की है। सुनवाई के दौरान 65 व्यक्तियों की एक लिस्ट पेश की और कहा कि वे हलफनामा दाखिल कर सकते हैं। वहीं, वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि आपके माननीयों ने उन्हें 65 लाख नामों की सूची देने के लिए मजबूर किया, लेकिन जिन 3.66 लाख लोगों का नाम हटाए गए हैं, उनमें से किसी को भी नोटिस नहीं मिला है। इसपर कोर्ट ने कहा कि हमने निर्देश दिया था कि सभी जिलों में नामों को बोर्ड पर लगाया जाएगा। जवाब में प्रशांत भूषण ने कहा कि ऐसा नहीं किया गया है। कोर्ट ने आयोग से पूछा कि क्या 3.66 लाख लोगों में से जिसे नोटिस नहीं मिला क्या वो शिकायत लेकर आगे आया है? इस चुनाव आयोग ने कहा कि नहीं, किसी ने कोई शिकायत नहीं की है। इसके बाद कोर्ट ने चुनाव आयोग को 3.66 लाख वोटर्स की जानकारी देने के निर्देश दिए। इसपर आयोग ने कहा कि फाइनल लिस्ट में ज्यादातर नए मतदाता जोड़े गए हैं। इनमें कुछ पुराने नाम भी शामिल हैं। कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि जो भी उपलब्ध जानकारी है, उसे गुरुवार शाम तक अदालत में पेश करे। यानि मामले की अगली सुनवाई अब 9 अक्टूबर को होगी।

नए मतदाताओं के हैं अधिकतर जोड़े गए नाम

उन्होंने कहा, हमने यह भी कहा था कि हटाए गए नामों की जानकारी अपने दफ्तरों में लगाएं। अब अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या बढ़ गई है, जिससे भ्रम की स्थिति बनी है कि जोड़े गए नाम पुराने हटाए गए लोगों के हैं या नए मतदाताओं के। इस पर वकील द्विवेदी ने जवाब दिया कि अधिकतर जोड़े गए नाम नए मतदाताओं के हैं। हालांकि, कुछ पुराने मतादाता भी हैं जिनके नाम मसौदा सूची के बाद जोड़े गए। उन्होंने कहा, अब तक किसी भी हटाए गए मतदाता ने कोई शिकायत या अपील दर्ज नहीं करवाई है। 30 सितंबर को चुनाव आयोग ने बिहार की अंतिम मतदाता सूची जारी की थी। आयोग ने बताया कि कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 47 लाख घटकर 7.42 करोड़ रह गई, जो पहले 7.89 करोड़ थी। यह विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद हुआ। हालांकि, मसौदा सूची (एक अगस्त को जारी) की तुलना में अंतिम आंकड़ा 17.87 लाख बढ़ा है। मसौदा सूची में 65 लाख मतदाताओं को हटाया गया था, जिनमें वे लोग शामिल थे जो मर चुके थे, दूसरी जगह पर चले गए थे (प्रवास) या जिनके नाम सूची में दो बार दर्ज थे (डुप्लीकेट)।

आयोग ने लिस्ट शेयर नहीं की

सुनवाई के दौरान भूषण ने कहा कि चुनाव आयोग के पास 3.66 लाख मतदाताओं की सूची है, जिनके नाम सूची से हटा दिए गए हैं। आयोग ने 20-21 लाख नए नाम जोड़े हैं, लेकिन इन आंकड़ों को साझा नहीं किया। यह जानकारी आयोग के पास एक क्लिक पर उपलब्ध हो सकता है, लेकिन इसे अभी तक साझा नहीं किया गया। चुनाव आयोग के वकील मनिंदर सिंह, ने कोर्ट को बताया कि जिन दो व्यक्तियों को कोर्ट में पेश किया गया था, उनसे बार-बार जानकारी मांगी गई थी, लेकिन उन्होंने कोई ठोस जानकारी नहीं दी। इस पर जस्टिस करोल ने टिप्पणी की कि हम इनमें से एक व्यक्ति को जानते हैं, लेकिन इसे कोर्ट में कहना ठीक नहीं होगा।

वोट चोरी का आरोप लगना बंद हो

वहीं, सीनियर एडवोकेट विजय हंसारिया ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चुनाव आयोग की छवि को सार्वजनिक मीडिया में बदनाम किया जा रहा है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि मतदान चोरी हो रहा है। यह सब बंद होना चाहिए। इस अदालत का मॉनिटरिंग का काम है, और यह बिना किसी समानांतर प्रक्रिया के होना चाहिए। हंसारिया ने यह भी अनुरोध किया कि एसआईआर प्रक्रिया को अन्य राज्यों में जल्द पूरा किया जाए। इस पर जस्टिस करोल ने कहा कि जहां पर एसआईआर शुरू हुआ है, वहां हम निगरानी कर रहे हैं। बाकी राज्यों के मामलों में यह चुनाव आयोग का अधिकार क्षेत्र है।

सूची में किनके नाम जोड़े गए, स्पष्ट करना जरूरी

कोर्ट ने यह भी कहा कि अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि देखने को मिल रही है, इसलिए किसके नाम जोड़े गए हैं (पुराने हटाए गए नाम हैं या नए मतदाता हैं) यह स्पष्ट किया जाना चाहिए ताकि भ्रम न हो। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, आप भी मानेंगे कि पारदर्शिता और पहुंच में सुधार हुआ है। ऐसा लग रहा है कि आपने मसौदा सूची में 65 लाख नाम हटाए। हमने कहा था कि जो मृतक हैं या कहीं और चले गए हैं, उन्हें हटाना ठीक है। लेकिन अगर किसी का नाम हटा रहे हैं तो नियम 21 और एसओपी का पालन करें।

हमने फाइनल लिस्ट के बाद एनालिसिस की है- भूषण

प्रशांत भूषण ने कोर्ट में कहा कि अंतिम सूची आने के बाद, हम कुछ विश्लेषण कर पाए हैं। हमने एसआईआर के लिए चुनाव आयोग के 2003 के दिशानिर्देश देखे हैं और 2016 के एक और दिशानिर्देश, जिसमें फर्जी मतदाताओं को हटाने के तरीके वगैरह बताए गए हैं। हमने अभी लिखित कॉपी सौंपी हैं। उस पर चर्चा करने से पहले, मैं चाहता हूं कि योगेंद्र यादव को 10 मिनट का समय दें ताकि वे एसआईआर के कारण महिलाओं, मुसलमानों आदि के अनुपातहीन बहिष्कार की वास्तविक पृष्ठभूमि बता सकें।

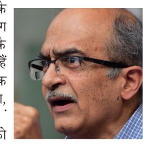

सोमवार को बजा चुनावी बिगुल...मंगलवार सुबह-सुबह नीतीश के पास पहुंचे संजय झा

सब कुछ लगभग तय हो चुका, एक-दो दिन में घोषणा

बिहार में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। आने वाले 6 को पहले चरण का और 11 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान होना है। 14 नवंबर को मतगणना होनी है। इसके पहले एनडीए में सीट शेयरिंग पर हलचल तेज हो गई। मंगलवार सुबह-सुबह जेडीयू नेता संजय झा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर मुलाकात के लिए पहुंचे। उन्होंने कहा कि सबकुछ लगभग तय हो चुका है। आने वाले एक-दो दिन में सीट शेयरिंग की घोषणा हो जाएगी। बता दें कि, सोमवार को केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बड़ी डिमांड रख दी। उन्होंने गठबंधन के सामने पंद्रह सीटों की मांग रखी है। केंद्रीय मंत्री मांझी ने कहा कि हम हमेशा सच्ची बात बोलते हैं इसके चलते हमें नुकसान भी उठाना पड़ता है। मैंने धर्मेंद्र प्रधान, विनोद तावड़े और सम्राट चौधरी के सामने मांग रखी है। उनकी तरफ से मुद्दे पर बात की गई। सीट के बारे में चर्चा नहीं हुई फिर भी हमने बिना चर्चा के अपनी बात रखी। हमें विधानसभा चुनाव में 15 सीट मिलें। पिछली बार सात लड़कर चार जीते थे। 60 प्रतिशत से ज्यादा जीते थे। साल 2020 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल जेडीयू ने कुल 243 विधानसभा सीटों में से 115 और बीजेपी ने 110 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। इस चुनाव में भी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की अहम भूमिका में थी। तब मांझी की हिंदुस्तानी अवामी मोर्चा (सेक्युलर) को सात सीटें मिली थी। बीजेपी के साथ गठबंधन में रही मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने 11 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे।

खास खबर

स्वदेशी व्हाट्सएप का ट्रैफिक 100 गुना बढा

नई दिल्ली।एजेंसी। भारत में आईटी के क्षेत्र में अब स्वदेशी पहल को पसंद किया जाने लगा है। व्हाट्सएप के विकल्प के रूप में जोहो मैसेजिंग एप अराटाई के डाउनलोड होने की संख्या पिछले तीन दिनों में काफी तेजी के साथ बढ़ गई है। रोजाना 3 लाख से अधिक ऐप को डाउनलोड किया जा रहा है। 3 महीने के अंदर ही इस ऐप का ट्रैफिक बढ़कर 100 गुना से ज्यादा हो गया है। व्हाट्सएप की तरह ही इस ऐप में रोजाना नए-नए लोग जुड़ रहे हैं। तमिल भाषा से इस एप का नाम आया है। इसका मतलब अनौपचारिक बातचीत से जुड़ा हुआ है।

कन्नड़ फिल्ममेकर हेमंत कुमार गिरफ्तार

बेंगलुरु।एजेंसी। बेंगलुरु पुलिस ने कन्नड़ फिल्ममेकर बीआई हेमंत कुमार को एक टीवी एक्ट्रेस की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार कर लिया है। एक्ट्रेस ने उनके खिलाफ यौन शोषण, धोखाधड़ी, धमकी देने और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। एक्ट्रेस का आरोप है कि साल 2022 में हेमंत कुमार ने उन्हें अपनी फिल्म रिजी में लीड रोल का ऑफर दिया था। इस संबंध में एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया गया, जिसमें एक्ट्रेस को दो लाख रुपए देने का वादा किया गया था। इसमें से 60,000 रुपए एडवांस में दिए गए थे। लेकिन हेमंत ने जानबूझकर फिल्म की शूटिंग में देरी की, उनपर छोटे कपड़े पहनने और अश्लील सीन करने का दबाव भी डाला गया।

सीनियर आईपीएस ने किया सुसाइड

चंडीगढ़।एजेंसी। हरियाणा के सीनियर आईपीएस ऑफिसर वाई पूरन कुमार ने सुसाइड कर लिया। उन्होंने चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित अपने आवास (कोठी नंबर 116) पर खुद को गोली मार ली। चंडीगढ़ पुलिस मौके पर पहुंच गई है। अभी यह सामने नहीं आया है कि उन्होंने सुसाइड क्यों किया है। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। वाई पूरन कुमार एडीजीपी रैंक के अधिकारी थे। 29 सितंबर को ही उनकी रोहतक की सुनारिया स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में पोस्टिंग हुई थी। वाई पूरन कुमार की पत्नी अमन पी. कुमार भी आईएस ऑफिसर हैं। वह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और अन्य अधिकारियों के साथ 5 अक्टूबर को जापान दौरे पर गई थीं। वह बुधवार शाम को भारत लौटेंगी।

शिल्पा शेट्टी से साढ़े 4 घंटे तक पूछताछ

मुंबई।एजेंसी। शिल्पा शेट्टी से 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में ईओडब्ल्यू की टीम ने पूछताछ की है। ईओडब्ल्यू की टीम करीब साढ़े 4 घंटे तक एक्ट्रेस से सवाल-जवाब करती रही। उनके अलावा शिल्पा के पति राज कुंद्रा का बयान भी दर्ज किया गया है।

कुछ ना कहना

काल बना कफ सिरप : सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला,

सीबीआई जांच की मांग, 5 राज्यों में कोल्ड्रिफ सिरप बैन, तमिलनाडु सरकार का दवा कंपनी को नोटिस

नई दिल्ली।एजेंसी। मध्य प्रदेश और राजस्थान में जहरीला कफ सिरप पीने से 23 बच्चों की मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई है। इसमें मामले की सीबीआई जांच कराने और देशभर में दवाओं की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की मांग की गई है। एडवोकेट विशाल तिवारी ने याचिका में मांग की है कि कोर्ट सरकार को राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति बनाने का निर्देश दे और जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ट जज की निगरानी में हो।

मध्य प्रदेश में कफ सिरप पीने से अब तक 19 बच्चों और राजस्थान में 4 बच्चों की मौत हो चुकी है। मामला सामने आने के बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान, केरल, तमिलनाडु और पंजाब ने इस सिरप की बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। वहीं, मामले में तमिलनाडु के ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने सिरप बनाने वाली कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस दवा को कांचीपुरम की कंपनी श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स बनाती है। सरकार ने पांच दिन के अंदर कंपनी से जवाब मांगा है।

ड्रग रिकॉल पॉलिसी बनाए केंद्र सरकार

कफ सिरप से बच्चों की मौतों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या सीबीआई के जरिए गठित एक्सपर्ट कमेटी से कराने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार को ड्रग रिकॉल पॉलिसी और टॉक्सिकोलॉजिकल सेफ्टी प्रोटोकॉल तैयार करने के निर्देश भी दिए जाएं। साथ ही अलग-अलग राज्यों में ऐसे मामलों में दर्ज सभी एफआईआर एक जगह ट्रांसफर करके पूर्व न्यायाधीश की निगरानी में सीबीआई से जांच कराई जाए। याचिका लगाने वाले वकील विशाल तिवारी ने कहा है कि आरोपी कंपनी द्वारा बनाई गई सभी दवाओं की बिक्री और डिस्ट्रीब्यूशन पर तुरंत रोक लगाई जाए। केंद्र सरकार और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन को देशभर में ऐसी दवाओं में डाय एथिलिन ग्लायकॉल और एथिलिन ग्लायकॉल की जांच कराने का आदेश दिया जाए। इन दोनों केमिकल की बिक्री और निगरानी के लिए सख्त नियम बनाए जाएं।

नागपुर में नौ बच्चे भर्ती

मध्य प्रदेश में दूषित कोल्ड्रिफ सिरप के कारण किडनी संक्रमण से ग्रस्त कुल 9 बच्चे नागपुर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें छिंदवाड़ा के 7 और बैतूल के 2 बच्चे शामिल हैं। सभी बच्चों का इलाज जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी बच्चों के उपचार का पूरा खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन करने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने नागपुर के अस्पतालों में बच्चों के इलाज की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कार्यपालिक दंडाधिकारी और डॉक्टरों की संयुक्त टीम तैनात की है।

रायबरेली में मॉब लिंचिंग को लेकर राहुल गांधी ने कहा

रायबरेली में इंसान नहीं, संविधान की हत्या

रायबरेली।एजेंसी। रायबरेली में मॉब लिंचिंग को लेकर राहुल गांधी ने कहा- दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम हत्या केवल एक इंसान की नहीं, बल्कि इंसानियत, संविधान और न्याय की हत्या है। देश में नफरत, हिंसा और भीड़ तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। राहुल ने मंगलवार को एक्स पर लिखा कि संविधान की जगह बुलडोजर ने ले ली है, इंसाफ की जगह डर ने, लेकिन यह देश संविधान से चलेगा, भीड़ की सनक से नहीं। भारत का भविष्य समानता और मानवता पर टिका है। मैं परिवार के साथ खड़ा हूं। उन्हें न्याय जरूर मिलेगा।

दरअसल, 2 अक्टूबर को हरिओम पासवान की हत्या हुई थी। शुरू में कहा गया था कि युवक ड्रोन चोर था। उसी दिन युवक को पीटने और उसकी लाश के वीडियो भी सामने आए थे। इसके बाद 4 अक्टूबर को एक और वीडियो सामने आया, जिसमें मार खाते हुए युवक राहुल गांधी का नाम लेता है। इस पर भीड़ में से एक शख्स कहता है, यहां सब 'बाबा' वाले हैं।

इस मामले में लापरवाही करने पर ऊंचाहार थाना अध्यक्ष संजय कुमार समेत 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रविवार रात राहुल ने परिवार से फोन पर बात की थी। कहा था- परेशान मत होइए, कांग्रेस परिवार आपके साथ है।

रायबरेली में जो हुआ, वह देश पर कलंक

इस मामले में राहुल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के साथ साझा लेटर भी लिखा है। जिसे दोनों नेताओं ने X पर शेयर किया। इसमें लिखा है, रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम और क्रूर हत्या की कांग्रेस पार्टी कड़ी से कड़ी निंदा करती है। हमारे देश में एक संविधान है, जो हर इंसान को समानता के भाव से पहचानता है। एक कानून है, जो हर नागरिक की सुरक्षा, उसके अधिकार और उसकी अभिव्यक्ति को समान दर्जा देता है। जो रायबरेली में हुआ, वह इस देश के संविधान के प्रति घोर अपराध है। दलित समुदाय के प्रति अपराध है। इस देश और समाज पर कलंक है।

दिल्ली से वाराणसी जा रहे विमान को खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण उतरने की अनुमति नहीं मिली

नई दिल्ली।एजेंसी। इंडिगो की दिल्ली से वाराणसी की उड़ान 6ई 2211 को खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण वाराणसी एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति नहीं मिली। विमान वाराणसी हवाई क्षेत्र में आधे घंटे तक हवा में चक्कर काटता रहा। ईंधन की कमी और मौसम में सुधार न होने के कारण, विमान को नजदीकी एयरपोर्ट लखनऊ के लिए डायवर्ट कर दिया गया। यात्री लखनऊ में लगभग दो घंटे तक विमान में ही बैठे रहे। मौसम सामान्य होने के बाद, विमान वापस वाराणसी एयरपोर्ट पर लौटा और सुरक्षित लैंडिंग की। उड़ान में देरी और डायवर्जन का मुख्य कारण सुबह 5 बजे उड़ान के समय वाराणसी में खराब मौसम और बहुत कम दृश्यता था। इंडिगो एयरलाइंस ने यात्रियों को सूचित किया कि उनकी सुरक्षा सर्वोपरि है, और मौसम में सुधार होने पर ही उड़ान जारी रखी गई। यात्रियों में चिंता का माहौल था, लेकिन उन्होंने एयरलाइन के कदमों को समझा और आभार व्यक्त किया। कुछ ने ऐसी घटनाओं के लिए बेहतर तैयारी की आवश्यकता पर जोर दिया। कोहरे का मौसम शुरू होने के कारण, यात्रियों को अगले कुछ महीनों तक सुबह की उड़ानों में इसी तरह के विलंब या डायवर्जन का सामना करना पड़ सकता है।

मोदी कैबिनेट ने 24,634 करोड़ रुपये के 4 बड़े रेलवे प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के 18 जिलों को होगा फायदा

नई दिल्ली।एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में भारतीय रेलवे की चार बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन प्रोजेक्ट्स पर कुल 24,634 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

कैबिनेट बैठक के बाद केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इन परियोजनाओं से देश के तीन राज्यों के 18 जिलों को सीधा लाभ मिलेगा और यह पर्यटन एवं औद्योगिक विकास को भी नई गति देगा।

इन चारों परियोजनाओं के पूरा होने के बाद रेलवे नेटवर्क में 894 किलोमीटर की नई लाइनों की बढ़ोतरी होगी। इन प्रोजेक्ट्स से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के कुल 18 जिलों के 3,633 गांवों को फायदा होगा, जिनकी कुल आबादी लगभग 85.84 लाख है। इनमें दो आकांक्षी जिले — विदिशा (म.प्र.) और राजनांदगांव (छ.ग.) भी शामिल हैं। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से स्थानीय उद्योगों, व्यापार और रोज़गार के अवसरों में वृद्धि होगी।

शामिल चार बड़ी परियोजनाएं

वर्धा - भुसावल (महाराष्ट्र)
तीसरी और चौथी लाइन - 314 किमी

गोंदिया - डोंगरगढ़ (महाराष्ट्र और छग)
चौथी लाइन - 84 किमी

वडोदरा - रतलाम (गुजरात, मध्य प्रदेश)
तीसरी और चौथी लाइन - 259 किमी

इटारसी - भोपाल - बीना (मध्य प्रदेश)
चौथी लाइन - 237 किमी

पर्यटन और पर्यावरण को भी लाभ

सरकार के अनुसार, इन परियोजनाओं से सांची स्तूप, भीमबेटका रॉक शेल्टर, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, हजारा फॉल्स और नावागांव नेशनल पार्क जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान हो जाएगी। इसके अलावा ये रूट कोयला, सीमेंट, कंटेनर, खाद्यान्न, फ्लाई ऐश और स्टील जैसी वस्तुओं की ढुलाई के लिए अहम साबित होंगे। परियोजनाएं शुरू होने के बाद हर साल लगभग 78 मिलियन टन (एमटीपीए) अतिरिक्त माल ढुलाई संभव होगी, जिससे लॉजिस्टिक लागत में कमी, 28 करोड़ लीटर तेल की बचत, और 139 करोड़ किलोग्राम सीओ2 उत्सर्जन में कमी आएगी — जो 6 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर पर्यावरणीय लाभ है।

आदिवासी समाज का घेरा डालो-डेरा डालो आंदोलन आज से

वनग्रामों के विस्थापन के खिलाफ जनसंघर्ष मोर्चा ने किया आव्हान, समस्त संघटनो ने दिया समर्थन, 8 और 9 अक्टूबर को होंगा आयोजन, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी के ग्रामीण जिला मुख्यालय में पहुंचकर होंगे जनसुनवाई में शामिल, 9 अक्टूबर को मांगो का ज्ञापन सौप होगा समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वनग्रामों को विस्थापित किए जाने सहित जल, जंगल, जमीन और प्रशासनिक मुद्दों को लेकर जन संघर्ष मोर्चा महाकौशल के बैनर तले आज से दो दिवसीय घेरा डालो- डेरा डालो आंदोलन की शुरुआत की जाएगी ।जिसमे समस्त आदिवासी समाज संगठन के आह्वान पर बालाघाट, मंडला और डिंडोरी के वन ग्रामो में रहने वाले ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में शामिल होंगे। इस दौरान जहां 8 अक्टूबर को अंबेडकर चौक में जनसुनवाई का आयोजन कर विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामीणों से उनकी समस्याएं जानकर उनकी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रख, उनके निराकरण की कोशिश की जाएगी, तो वही 9 अक्टूबर को इन तीनों ही जिले के आदिवासियों से आई समस्याओं, जल जंगल जमीन से जुड़े मुद्दे, मुआवजा और वन ग्रामों से आदिवासी समाज के लोगों के विस्थापन के विभिन्न मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपकर इस आंदोलन का समापन किया जाएगा। जिसकी तमाम जानकारी मंगलवार को नगर में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद अध्यक्ष दिनेश धुर्वे और जन संघर्ष मोर्चा महाकौशल के केंद्रीय कमेटी सदस्य राम नारायण कोररिया सहित अन्य पदाधिकारियो ने देते हुए,समस्त समाज संगठनों और सामाजिक बन्धुओ से इस आयोजन में शामिल होने की बात कही है।

पट्टा देने की बजाय जमीन से बदखली के आदेश को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे

आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद अध्यक्ष दिनेश धुर्वे और जन संघर्ष मोर्चा महाकौशल के केंद्रीय कमेटी सदस्य राम नारायण कोररिया ने बताया कि महाकौशल के बालाघाट, सिवनी, मंडला, डिंडोरी जबलपुर जिले में वन ग्रामों और परियोजनाओं से विस्थापन, प्राकृतिक संपदा की लूट, वन विभाग की तानाशाही और प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर जनसंघर्ष मोर्चा द्वारा 8 और 9 अक्टूबर को बालाघाट जिला मुख्यालय पर 2 दिवसीय जनसुनवाई आयोजित है ।दरअसल हमारे क्षेत्र में लघु और गौण खनिज संपदा, जंगल और जमीन प्रचुर मात्रा है। हमारी इन संसाधनों को लूटने की पूंजीपतियों खुली छूट दी जा रही है। इससे हमारा जीवन जीना कठिन और दुखदाई होता जा रहा है ।देश&प्रदेश में जहां मंत्री मंडल हमारे संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ नियम कायदे और नीतियां बना रहा है वहीं प्रशासन में बैठे अधिकारी कर्मचारी अपनी जिम्मेदारयां ठीक तरह से नहीं निभा रहा हैं ।उन्होंने बताया कि बैहर क्षेत्र के 55 वनखंडों को रिजर्व फॉरेस्ट में बनाने के हम सख्त खिलाफ है। काबिज जमीनों का पट्टा देने की बजाय जमीन से बदखली को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। शासन प्राकृतिक संपदा का पूंजीपतियों के हाथों अंधाधुंध दोहन कर रही है वहीं श्रमिकों का शोषण हो रहा है।

उन्होंने बताया कि जनसुनवाई में तमाम प्रकार के मुद्दों और अन्याय पीड़ित जनों की सुनवाई होगी ।यह आंदोलन किसी एक संगठन का नही बल्कि आदिवासी के सभी संगठनों का है ।मध्यप्रदेश आदिवासी एकता महासभा, चुटका परमाणु विरोधी संघर्ष समिति, मध्य प्रदेश किसान संगठन, मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद, बरगी बांध विस्थापित और प्रभावित संघ, पेसा सशक्तिकरण मिशन मध्यप्रदेश टीम बालाघाट, सर्व आदिवासी समाज संगठन बालाघाट सहित अन्य संगठनो द्वारा उक्त मुद्दे पर जन संघर्ष मोर्चा महाकौशल के बैनर तले यह आयोजन किया जाएगा।

पूंजीपतियों के हाथों में जंगल सौपने की हो रही तैयारी

पत्रकारवार्ता में बताया कि आज वन विभाग और राजस्व विभाग के आंकड़ों में भ्रांतियां हैं , जिसे दूर करने की आवश्यकता है। वनांचल क्षेत्र में तेजी से विस्थापन की प्रक्रिया हो रही है, सरकार पूंजीपतियों का साथ देते हुए ग्रामीणों को विस्थापीत कर रही है । संगठन ने प्रशासन से राजस्व और वन विभाग के अधिकारियों को भी जनसुनवाई में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है ।रिजर्व फारेस्ट के लिए बैहर क्षेत्र के 55 गांवों को विस्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। इस पर हमने आपत्ति जताई है। इससे आदिवासियों के अधिकार समाप्त हो जाएंगे। घोषणा प्रारूप में स्पष्ट है कि रिजर्व फारेस्ट होने के बाद दखल, प्रवेश का अधिकार खत्म हो जाएगा। प्रशासन कह रहा है कि ऐसा नहीं होगा, लेकिन प्रारूप को हम कैसे झुठला सकते हैं। वनाधिकार अधिनियम 2006 में आदिवासी ग्रामीणों को वन भूमि का पट्टा देने के बजाय सरकार उन्हें उनकी ही जमीन से बदखली का अभियान चलाना चाहती है। सरकार जमीन की लूट के लिए पूंजीपतियों को छूट दे रही है। प्राकृतिक संपदा का बुरी तरह दोहन हो रहा है। हमारी मांग है उक्त कानून का रद्द किया जाए, विस्थापन नीति के तहत आदिवासियों का विस्थापन ना किए, साथ ही उनकी समस्याओं मांगो, पूर्व के मुआवजे और पट्टो की प्रकिया पूरी कर, हमे न्याय दिलाया जाए।

अधिकारियों के दल ने किया मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण

श्रीसन फार्मा निर्मित कोल्ड्रीथ कफ सीरप एवं नेस्ट्रो-डीएस सस्पेंशन के स्टाक सीज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

छिंदवाड़ा जिले में कोल्ड्रीथ कफ सीरप के उपयोग से बच्चों की मौत होने के मामले में संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन ने सम्पूर्ण बालाघाट जिले में कोल्ड्रीथ कफ सीरप एवं नेस्ट्रो-डीएस सस्पेंशन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

अधिकारी एवं औषधि निरीक्षकों की टीम ने 06 अक्टूबर को मेडिकल स्टोर्स एवं थोक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर दवाओं के स्टाक का सत्यापन किया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप ने बताया कि बालाघाट जिले में उक्त औषधि के विक्रय हेतू अधिकृत डीलर राजेश मेडिकोज़ गौली मोहल्ला बालाघाट, महावीर मेडिकल एजेंसी वार्ड नं. 09, हॉस्पिटल रोड़ बालाघाट, ज्ञान मेडिकल एजेन्सीज़ इजवारी गंज बालाघाट एवं जायसवाल एजेन्सीज़ (मेडिकल) मेन रोड़ बालाघाट द्वारा दिनांक 02 अक्टूबर 2025 को अवगत कराया है कि, उक्त औषधियां विक्रय हेतु क्रय नहीं की गई है। इससे यह स्पष्ट है कि, बालाघाट जिले में उक्त दोनो औषधियों का उपयोग नहीं हुआ है। इसके अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं पदेन उप-संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन डॉ. परेश उपलप के नेतृत्व में तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवार एवं औषधि निरीक्षक जय प्रकाश कुमार द्वारा औषधि विक्रेता संस्थानों का निरीक्षण कर उक्त दोनो औषधि निर्माता कम्पनियों द्वारा निर्मित अन्य औषधि उत्पादों को भी सीज कर परीक्षण के लिये नमूना संग्रहित किया जा रहा है। दिनांक 06 अक्टूबर 2025 को जायसवाल एजेन्सीज़ (मेडिकल) मेन रोड़ बालाघाट एवं महावीर मेडिकल एजेंसी वार्ड नं. 09, हॉस्पिटल रोड़ बालाघाट का निरीक्षण करते हुये उक्त दोनो औषधि निर्माता कम्पनियों के समस्त उत्पादों को सीज कर दिया गया है। जांच दल द्वारा औषधि विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों के निरीक्षण की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर वर्षावास समारोह का किया गया समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों के बुध्द विहारो में आयोजित 3 माह के वर्षावास समारोह का विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर समापन किया गया ।इसी कड़ी में जिला स्तरीय त्रिरत्न बुद्ध विहार कोसमी में वर्षावास समारोह के दौरान विधिविधान के अनुसार विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न कराए गए ।जहां आज अश्विन पूर्णिमा के

उपलक्ष में परित्राण पाठ ,ध्यान साधना ,धम्म देशना, बुद्ध धम्म देशना, उदभोदन सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें भाग लेने उपासक उवासिकाओ सहित अन्य को पारितोषिक पुरस्कार प्रदान किए गए ।वही भिक्खु संघ का भोजन दान, परित्राण पाठ, धम्म प्रवचन ,वर्षावास समारोह, परिनिर्वाणस्थ पुज्ज भदन्त धम्म शिखर का पुण्यानुमोदन सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन कर समारोह व संघ दान कार्यक्रम का समापन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर परसवाड़ा विधायक मधु भगत सहित,जिला स्तरीय त्रिरत्न बुद्ध विहार कोसमी समिति के अन्य पदाधिकारी,उपासक ,उपासिकाए सहित सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

वैश्य महासम्मेलन बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर हुई चर्चा

किरनापुर तहसील अध्यक्ष नरेन्द्र व कटंगी अध्यक्ष संजय अग्रवाल नियुक्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिति में बालाघाट जिले के कोर ग्रुप की बैठक मंगलवार को शहर के एक निजी होटल में आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष द्वारा संगठन को मजबूत करने व आगामी कार्यक्रमों को लेकर मार्गदर्शन व दिशा निर्देश दिया गया। इस दौरान संगठन में दो परिवर्तन कर नये पदाधिकारियों की नियुक्ति भी की गई ।इसमें किरनापुर तहसील के अध्यक्ष नरेन्द्र अग्रवाल, कटंगी तहसील के अध्यक्ष संजय अग्रवाल को जिम्मेदारी दी गई। बैठक में वैश्य महासम्मेलन म.प्र जिला बालाघाट अध्यक्ष संदीप नेमा व प्रभारी सुभाष गुप्ता द्वारा संगठन के पदाधिकारियों से की है। ये बैठकों का सिलसिला माह अक्टूबर पूरा चलेगा। हमारे संगठन के प्रदेश के विभिन्न पदाधिकारी इन कोर ग्रुप की बैठक में आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा कर रहे है। तहसीलों के पुर्नगठन की स्थिति है क्योंकि म.प्र में 60 हजार आजीवन सदस्यों को कैलेण्डर देते है। इन कैलेण्डर में 435 तहसीलों के अध्यक्ष के नाम व पता होते है। जहां परिवर्तन करना होता है वहां किया जाता है। आज कटंगी व किरनापुर तहसील के अध्यक्ष नियुक्ति किये गये है। बैठक में पारिवारिक पिकनिक का कार्यक्रम तय हुआ है ,जो दिसम्बर माह में होगा व नवम्बर माह में जिले का कोर ग्रुप बालाघाट जिले के सभी तहसीलों में जाकर संगठन की संरचना को सुदृंढ करने कार्य करेगा। संगठन का उद्देश्य वैश्य समाज के सभी घटकों को एकजुट कर सामाजिक हित में कार्य करना है। इस दौरान संगठन के प्रदेश महामंत्री सत्यनारायण अग्रवाल ने कहा कि वैश्य महासम्मेलन की मंशा वैश्य घटक जितने भी है उन्हें एक माला में पिरोना और पूरे संगठन को साथ लेकर चलना। इसके अलावा उनके हितों की चिंता करना व वैश्य परिवारों के मन में विश्वास जगाना कि उनके हर अच्छे व बुरे समय में जिले से लेकर भोपाल तक समाज उनके साथ खड़ा है। इसी उद्देश्य को लेकर पूरे प्रदेश में वैश्य महासम्मेलन कार्य कर रहा है। उन्होंने वैश्य घटकों से एकजुटता के साथ कार्य कर समाज को मजबूती प्रदान करने का भी आव्हान किया है। बैठक में प्रमुख रूप से वैश्य महासम्मेलन म.प्र के प्रदेश महामंत्री सत्यनारायण अग्रवाल, जिलाध्यक्ष संदीप नेमा, सुभाष गुप्ता, तपेश असाटी, मोनिल जैन, गौरव माहेश्वरी, अक्षय कांकरिया, कृष्णकांत बावनथड़े, संजय अग्रवाल, दुर्गाप्रसाद हटवार, सूर्यकांत जैन, जितेन्द्र अग्रवाल, नरेन्द्र अग्रवाल, विशाल कोठारी, श्रीमती अर्चना गुप्ता, ममता पटेल, वर्षा जैन सहित अन्य मौजूद रहे।

गायखुरी दुर्गा उत्सव समिति ने हर्षोल्लास से मनाया शरद पूर्णिमा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

दुर्गा उत्सव संपन्न होने के बाद शरद पूर्णिमा का पर्व शहर मुख्यालय सहित जिले भर में धूमधाम से मनाया गया। इसी कड़ी में शहरीय क्षेत्र के सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति वार्ड नंबर 33 गायखुरी द्वारा दुर्गा चौक में शरद पूर्णिमा हर्षोल्लास के साथ आस्थापूर्वक मनाया गया। इस दौरान आदर्श जागरण ग्रुप का देवी जागरण कार्यक्रम रात्रि में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा व मां लक्ष्मी एवं सरस्वती

की पूजा अर्चना कर किया गया। इस दौरान देवी जागरण के कलाकारों द्वारा मातारानी की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा एक से बढकर एक मनोहारी झांकियां निकाली गई। कार्यक्रम को देखने बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और पूरे कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया गया। कार्यक्रम के दौरान मध्य रात्रि सभी उपस्थितजनों को अमृत खीर का वितरण किया गया। देवीजागरण ग्रुप के गायक कलाकार कोहीनूर पंडेल व सचिन पंडेल, राहुल एवं शालिनी व हिना द्वारा मातारानी व भोलेबाबा एवं हनुमान जी सहित अन्य भजनों की बेहतरीन प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के शुरूवात से अंत तक युवा व बच्चे सहित महिलाएं भी तालियां बजाकर नृत्य करते हुये गीतों का भरपूर आनंद लेकर कलाकारों का साथ देते रहे। इस दौरान सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारियों व सदस्य सहित वार्ड के प्रबुद्धजन व बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

दीपावली मिलन समारोह एंव अन्नकूट उत्सव कार्यक्रम को लेकर बनाई गई रूपरेखा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अन्नकूट उत्सव और दीपावली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा ।जिसमे आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूप रेखा बनाने के लिए मंगलवार को सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल की कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया ।नर्मदा नगर स्थित एक कैफे रेस्टोरेंट में आयोजित इस बैठक में दोनो ही विषयो पर उपस्थित महिला मंडल की पदाधिकारियो सदस्यों ने बारी बारी से अपने विचार रखे ।जिसमें यह निर्णय लिया गया दीपावली के बाद 22 तारीख को सिंधु भवन में दिपावली मिलन एवं अन्नकूट का भव्य कार्यक्रम सर्व राजस्थानी समाज की ओर से रखा जाएगा ।जिसमें भगवान श्री कृष्ण का मंदिर बनाकर झांकियां बनाई जाएगी ।वही रंगोली प्रतियोगिता का कार्यक्रम सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। इसके पश्चात अन्नकूट का भोग भगवान को लगाकर सर्व राजस्थानी समाज की ओर से 12 बजे से शाम 4 बजे तक भोजन का कार्यक्रम रहेगा ।यह बैठक में सर्व राजस्थानी समाज की जिला अध्यक्ष श्रीमती ज्योति शर्मा की अध्यक्षता में आहूत की गई, बैठक में संरक्षक मंडल की ओर से माणकचंद सोनी, श्री क. शर्मा, कैलाश राजपुरोहित, जुगल शर्मा, सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल अध्यक्ष ज्योति शर्मा, सचिव पूजा शर्मा, उपाध्यक्ष मनोरमा महेश्वरी ,मालती पुरोहित ,किरण शर्मा ,तृप्ति शर्मा ,राजपुरोहित समाज प्रभारी भावना राजपुरोहित, सोनी समाज प्रभारी सरिता वर्मा, खाती समाज प्रभारी मंजू शर्मा, सांस्कृतिक प्रभारी शिल्पा पुरोहित एवं रिया शर्मा, सह प्रवक्ता शारदा शर्मा, मिडिया प्रभारी श्वेता रूपेश शर्मा, सलाहकार समिति राधिका सोनी, सविता किशोर शर्मा, अंजली पालीवाल, नंदा सोनी, विनीता शर्मा, शोभा शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य, मोना शर्मा, चंचल शर्मा, कंचन शर्मा, पायल शर्मा रूपा माहेश्वरी सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मां लंजकाई मंदिर ट्रस्ट ने मनाया शरदोत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर के मां लंजकाई मंदिर ट्रस्ट समिति द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा पर्व धूमधाम से मनाया गया। मां लंजकाई मंदिर में स्थानीय भजन मंडली द्वारा भजन एवं जस की प्रस्तुति दी गई एवं रात्रि 12 बजे के पश्चात ट्रस्ट के सदस्य मनोज दुबे द्वारा आरती कर भोग लगाने के उपरांत खीर प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं ट्रस्ट के नये राम मंदिर में आदर्श महिला मंडल अध्यक्ष रेखा बिसेन की भजन मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। रात्रि 12:00 बजे के उपरांत आरती कर भोग लगाने के उपरांत खीर प्रसाद का वितरण किया

हट्टा मे आयोजित हुआ सद्गुरु कबीर आध्यात्मिक सत्संग महोत्सव

पद्मेश न्यूज। हट्टा। अखिल ब्रम्हांड नायक बंदीछोर सद्गुरु कबीर साहब की असीम क्रपा से ग्राम हट्टा मे शरद पूर्णिमा के पवन अवसर पर एक दिवसीय सात्विक यज्ञ चौका आरती एव आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन किया गया । परम पूज्य कबीरदर्शनाचार्या रामजीवन शास्त्री जी साहेब (आचार्यपीठ सागर) के पावन सानिध्य मे 05 अक्टूबर 2025 दिन रविवार सायं 5 बजे प.पू . आचार्य गुरुदेव साहेब जी एव संत मंडली का आगमन हुआ तथा 06 अक्टूबर 2025 दिन सोमवार को गुरु पूजा चौका आरती, प्रातः 9 बजे से स्वल्पाहार एव 11 बजे से सात्विक यज्ञ चौका आरती सत्संग तत्पश्चात भंडारा का आयोजन स्थानीय महाराज लॉन हनुमान चौक मे किया गया । जिसमे आयोजक के रूप मे सतीश गुप्ता , राजकुमार गुप्ता, रामकुमार गुप्ता , शंकर गुप्ता व संयोजक के रूप मे श्री मदन जी , राजेश जी, महेंद्र जी, सुरेन्द्र जी, रूपेन्द्र जी , नरेश जी, लक्ष्मीनारायण जी , पवन जी , गोकुल जी , राजेश गुप्ता व दशरथ सोनकुसरे जी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं लीलाबाई पति स्व. भीमचंद देशमुख जाति मरार ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. की निवासी हुं। मेरे पति स्व. भीमचंद देशमुख की मृत्यु दिनांक 01.03.2025 को हो चुकी है और इनकी मृत्यु के उपरांत पत्नि लीलाबाई, पुत्री अनिता चौधरी, पुत्र ईश्वरी देशमुख, अनिल देशमुख व सुनील देशमुख वारसान है एवं मुझे ग्राम पंचायत कार्यालय से वारसान प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे ग्राम पंचायत कार्यालय पांढरवानी ला. पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक
लीलाबाई पति स्व. भीमचंद देशमुख
निवासी - ग्राम पंचायत पांढरवानी
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)

WISH YOU A VERY
HAPPY BIRTHDAY
KIRTISHA BHEDE
-BEST WISHES-
PRAMOD BHEDE
& BHEDE FAMILY
BALAGHAT

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

कुमादेही में बिजली के लटकते तार ने ली एक की जान

नाराज परिजनों ने मचाया हंगामा किया चक्काजाम, प्रदर्शनकारियों ने विघुत विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप, विभागीय अधिकारियों पर कार्यवाही, और परिजनों को मुआवजा देने की करी मांग, परसवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम सरेखा कुमादेही का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

परसवाड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सरेखा कुमादेही में मंगलवार की शाम उस वक्त हंगामा मच गया।जहां शाम करीब 4 से 5 बजे के दरमियान लटकते विद्युत तार की चपेट में आने से एक युवक मौके पर ही मौत हो गई। जहां विघुत करंट से युवक की मौत होने पर परिजनों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर लामता –बैहर मार्ग स्थित विद्युत विभाग कार्यालय के समक्ष युवक का शव रख चक्काजाम कर दिया।जिन्होंने विघुत विभाग पर घोर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।उधर चक्कजाम की जानकारी मिलते ही परसवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जिन्होंने हंगामा मचा रहे ग्रामीणों को समझाईश देने की कोशिशें की, लेकिन ग्रामीण नहीं माने और शाम करीब 6 बजे से लेकर रात करीब 11 बजे तक चक्का जाम प्रदर्शन चलता रहा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उनपर एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही किए जाने, के साथ साथ मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग कि।जहां देर रात तक चले प्रदर्शन के बाद प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस कर्मियों , एसडीएम श्री गुप्ता, विधायक मधु भगत, पूर्व सांसद कंकर मुंजारे आदि की समझाईश और मुआवजा के मिले ठोस आश्वासन पर प्रदर्शनकारियों ने देर रात चक्कजाम आंदोलन समाप्त कर दिया।

लिंगा लिप्टस वन के समीप की बताई जा रही घटना

प्राप्त जानकारी के अनुसार परसवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरेखा (कुमादेही) निवासी 30 वर्षीय युवक मनोज पिता डीलन पटले की मौत मंगलवार को शाम 4 से 5 बजे लटकते हुए बिजली के तार की चपेट में आने से हो गई। घटना लिंगाङ्कलिपटीस वन के पास की बताई जा रही है। इस हादसे से पूरे गांव में शोक की लहर है। वहीं परिजनों व ग्रामीणों ने विद्युत विभाग पर घोर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए, हादसे का जिम्मेदार विघुत विभाग को ठहराया है।

पिकअप में भैस लेकर घर की तरफ आ रहा मनोज

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन के डाले में बैठकर कुमादेही निवासी मनोज पटले, घर जा रहा था। सायंकाल तकरीबन 4 से 5 बजे के बीच लिंगा गांव के पास, पिकअप वाहन चालक ने सड़क के गड्ढे से वाहन को साईड से ले जाने के लिए गाड़ी टर्न की ही थी कि वाहन के डाले में बैठा, युवक सड़क किनारे, बिजली तार के करेंट की चपेट में आ गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जैसे ही यह खबर, परिजन और गांववालों को मिली। वैसे ही सभी लोग, परसवाड़ा पहुंचे और बिजली कार्यालय के सामने प्रदर्शन शुरू कर चक्काजाम कर दिया।

गुस्साए ग्रामीणों के विघुत कार्यालय घेरा

उधर घटना की जानकारी मिलते ही गुस्साए परिजनों व ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर विद्युत विभाग के खिलाफ कड़ी नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव में लंबे समय से बिजली के तार नीचे झूल रहे हैं, इसकी शिकायत कई बार की गई थी लेकिन विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। अंततः लापरवाही ने एक परिवार का सहारा छीन लिया।

विधायक व पूर्व सांसद भी आंदोलन में हुए शामिल, आश्वासन पर खत्म किया प्रदर्शन

उधर घटना की जानकारी मिलने के बाद एसडीएम श्री गुप्ता, एसडीओपी, लामता, परसवाड़ा और बैहर की पुलिस टीम घटनास्थल पहुंची। जहां उन्होंने प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया लेकिन परिजनो और ग्रामीण नही माने और मृतक के परिजनों को तत्काल मुआवजा देने,और लापरवाही पर बिजली अधिकारी पर कार्यवाही की मांग पर अड़े रहे। परिजन और ग्रामीण, बिजली विभाग के अधिकारी को घटनास्थल बुलाने पर अड़े थे।उधर मृतक युवक के शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्रीय विधायक मधु भगत, पूर्व सांसद कंकर मुंजारे भी घटनास्थल पहुंचे, जिन्होंने प्रदर्शनकारियों की मांग को जायज ठहराते हुए ग्रामीणों के साथ धरना दिया।जहा देर रात मांग पूरी करने का भरोसा दिलाया गया, तब कही जाकर प्रदर्शनकारी माने और उन्होंने देर रात में चक्कजाम आंदोलन समाप्त कर दिया

जल्द कार्यवाही ना होने पर फिर चक्कजाम की चेतावनी

उधर प्रदर्शनकारियो ने विघुत विभाग घेरकर चक्कजाम करते हुए ,घटना को लेकर जमकर नारेबाजी की, जहा प्रदर्शनकारियों ने मृतक के परिजनों के उचित आर्थिक मुआवजा देने और संबंधित विभागीय अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्यवाही किए जाने मांग की है।उधर सूचना मिलते ही परसवाड़ा पुलिस व विधुत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाइश देकर जाम खुलवाया।फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है, जबकि स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो वे फिर से आंदोलन करेंगे।

छिंदवाड़ा कांड पर स्वास्थ्य मंत्री को बर्खास्त किया जाए-भगत

कफ सिरप से 16 बच्चों की मौत सरकारी लापरवाही से हुई हत्या है, सिर्फ डॉ को बलि का बकरा बनाकर मंत्री और सिस्टम की लापरवाही दबा रही सरकार

पद्मेश न्यूज। कटंगी।

प्रदेश में जहरीले कफ सिरप से अब तक हो चुकी 16 बच्चों की मौत पर पूर्व सांसद बोधसिंह भगत ने प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला को पद से बर्खास्त करने की मांग मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से की है। श्री भगत ने कहा कि जहरीले सिरप से छिंदवाड़ा के 14 एवं बैतूल के 2 मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत गई। ये सरकार एवं उनके स्वास्थ्य मंत्री की असंवेदनहीनता की पराकाष्ठा है और विभागीय सिस्टम की लापरवाही से हुई हत्या है। सरकार इस मामले में कफ सिरप लिखने वाले परासिया के डॉ प्रवीण सोनी के ऊपर एफआईआर और निलंबन की कार्यवाही कर बलि का बकरा बना रही है। जबकि इस मामले में विभागीय निगरानी और प्रशासनिक समन्वय का अभाव साफ साफ दिख रहा है। सरकार के स्वास्थ्य मंत्री कफ सिरप से पहली मौत के बाद भी जरा भी संवेदनशील नहीं रहे। वे सिरप में जहर के तथ्य को शुरू से ही नकारते रहे। तमिलनाडु सरकार ने सिरप से मौत की घटना पर तुरंत ही कोल्ड्रिफ सिरप का लैब परीक्षण करा लिया लेकिन मध्यप्रदेश की सरकार लाशों पर तमाशबीन बनी रही। बच्चों की जान जाती रही। सिरप से पहली मौत के 15 दिन बाद सरकार की नींद टूटी और 29-30 सितंबर को संदिग्ध कफ सिरप कोल्ड्रिफ और नेक्स्ट्रा डीएस के सैंपल भोपाल भेजे गए। जबकि डॉक्टरों ने पहले ही इन सिरप पर शक जताया था। अहम सवाल यह है कि रिपोर्ट आने के तीन दिन बाद सरकार ने इन जहरीले सिरप की प्रदेश में सप्लाई पर रोक लगाई है। इसमें सरकारी तंत्र कफ सिरप लिखने वाले डॉ के खिलाफ एक्शन लेकर जिस तरह से अपनी पीठ थपथपा रहा है, मुख्यमंत्री मृत बच्चों के परिजनों को 4-4 लाख का मुआवजा और अस्पतालों में भर्ती संदिग्ध बच्चों को निःशुल्क उपचार की बात करके सरकार को जिस तरह से संवेदनशील बताने की कोशिश कर रहे है, यह बेहद ही शर्मनाक है। सरकार को नैतिकता के आधार पर स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला को पद से बर्खास्त करना चाहिए और ड्रग कंट्रोलर डिपार्ट के आला अफसरों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए। इस घटना में जिन परिवारों के चिराग बुझ गए, कई मासूम जिंदगियां उनके परिजनों को जिंदगी भर का दर्द दे गई उनकी भावनाओं की सरकार को कोई कद्र नहीं है। पूर्व सांसद ने कहा कि ये भयानक त्रासदी है इसमें राजनीति से परे हमारी मांग है कि सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाए और जिम्मेदार स्वास्थ्य मंत्री और ड्रग डिपार्टमेंट के आधिकारियों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया जाए। ताकि पुनः सिस्टम में बैठा कोई भी मंत्री या अधिकारी इस तरह की लापरवाही को अंजाम ना दे। श्री भगत ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार इस घटना में मृत बच्चों के परिजनों को 50-50 लाख रुपए मुआवजा प्रदान करें।

जहरीले सिरप की सप्लाई चैन की हो जांच

पूर्व सांसद बोधसिंह भगत ने कहा कि मासूमों की मौत का कारण बने जहरीले कफ सिरप कोल्ड्रिफ और नेक्स्ट्रा डीएस की प्रदेश में हुई सप्लाई की एक एक कड़ी की गंभीरता से जांच की जाए। तमिलनाडु की जिस दवा निर्माता कंपनी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है उस कंपनी से दवा मध्यप्रदेश में किस मानक के आधार पर पहुंची। दवा की गुणवत्ता की जांच ड्रग कंट्रोलर ने किस मापदंड के तहत की और कैसे जहरीले सिरप को मध्यप्रदेश में सप्लाई के लिए हरी झंडी दी गई ये सभी बिंदु जांच में शामिल किए जाए। श्री भगत ने इसमें स्वास्थ्य विभाग, ड्रग कंट्रोलर और दवा निर्माता कंपनी के बीच कमीशनखोरी की भी आशंका व्यक्त करते हुए सभी पहलुओं की जांच की मांग की।

विद्युत करंट की चपेट में आने से युवक झुलसा

गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बीती देर रात विद्युत करंट की चपेट में आने से एक मजदूर युवक बुरी तरह से झुलस गया।जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है।मामला नगर के बैहर चौकी वार्ड नंबर 4 कन्हार टोला नहर के पास का बताया गया है। जहां देर रात विद्युत करंट की चपेट में आने से थाना गढ़ी ग्राम कुगांव निवासी 18 वर्षीय युवक मजदूर मोहन पिता मंगलु मेरावी का शरीर बुरी तरह से झुलस गया है। जिसे 108 एंबुलेंस के माध्यम से उपचार के लिए देर रात जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। इस हादसे में मोहन मेरावी भी की हालत काफी नाजुक

बताई गई है। वह कुछ बोल पाने में भी असमर्थ है। जिसका गंभीर अवस्था में उपचार जारी है।

एक दिन पूर्व पुनः मजदूरी करने बालाघाट आया था मोहन

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना गढ़ी के ग्राम कुगांव में रहने वाला मोहन मेरावी बालाघाट मानेगांव के समीप किसी ठेकेदार के अंडर में विद्युत पोल गाड़ने का काम करता है।जो अपने अन्य साथियों के साथ कुछ दिनों से आवलाझरी में किराय के कमरे में निवास करता है।और अन्य मजदूर साथियो के साथ मानेगांव में विद्युत पोल गाढ़ने का काम कर रहा था।बताया गया कि हाल ही में 1अक्टूबर को छुट्टी पर अपने घर कुगांव गया था।जहां से एक दिन पूर्व ही वापस काम के लिए बालाघाट लौटा था। बताया जा रहा है कि बाकी सभी मजदूर मानेगांव में काम करने गए थे। जहां मोहन मरावी को भी जाना था, लेकिन वह सोमवार को काम पर भी नहीं गया और ना ही वह आवलाझरी स्थित कमरे में पहुंचा।जो देर रात किसी काम के लिए कन्हार टोला गया हुआ था, जो नहर के पास विद्युत करंट की चपेट में आ गया।

कन्हारटोला क्यों गया इसकी किसी को नहीं है जानकारी

बताया गया की घटना के बाद से ही युवक की हालत नाजुक बनी हुई है, वह कुछ बोल पाने में भी असमर्थ है। मोहन मेंरावी के साथ काम करने वाले अन्य मजदूरों ने अनौपचारिक चर्चा में बताया कि मोहन मेरावी भी को घर से आवलाझरी कमरे में आना था लेकिन वहां नहीं आया, रात को वह नगर के वार्ड नंबर 4 कन्हार टोला में क्यों गया था इसकी जानकारी किसी को नहीं है। वह रात में आवलाझरी रूम पर नहीं था।बताया गया रात्रि करीब 12 बजे उसे बड़ी नहर के पास अचानक विद्युत करंट लग गया। उधर वार्ड नंबर 4 के आनंद चेहरी और उनके एक साथी भंडारे में खाना खाकर वापस घर लौट रहे थे तभी उन्हें बचाव- बचाव की आवाज आई और उन्होंने 108 एंबुलेंस की मदद से मोहन मेरावी को उपचार के लिए देर रात जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है।हालांकि मोहन मेंरावी को करंट कैसे लग गया और वहां कन्हार टोला क्यों गया था फिलहाल इसकी जानकारी को भी नहीं लग पाई है।

अवैध संबंध के संदेह में सहेली की निर्मम हत्या

परसवाड़ा के कुमनगाँव में महिला की संदिग्ध मौत का खुलासा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बीते दिनों परसवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत हुई महिला की संदिग्ध मौत का परसवाड़ा पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जिसमें पुलिस द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में बताया गया कि मृतिका महिला की ही सहेली सुर्खिया उर्फ सविता ने पति नंदकिशोर यादव के साथ मृतका के अवैध संबंध के शक में अपनी अन्य सहेली उर्मिला के साथ मिलकर लेखवती की हत्या कर दी थी, जिसका पुलिस द्वारा कुछ ही दिनों में खुलासा कर दिया गया है ।

आयोजीत वार्ता में बैहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्शकांत शुक्ला द्वारा बीते दिनों परसवाड़ा क्षेत्र के ग्राम कुमनगाँव में हुई महिला की हत्या का खुलासा करने स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया । बैहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने बताया कि 3 अक्टूबर को थाना परसवाड़ा को सूचना मिली थी, कि ग्राम कुमनगाँव क्षेत्र कि परसाड़ी मुरूम गड्ढा के पास एक महिला का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा हुआ है। मृतका की पहचान लेखवती यादव, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम कुमनगाँव के रूप में हुई । सूचना पर थाना परसवाड़ा पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची । घटनास्थल संदिग्ध पाये जाने पर घटनास्थल का निरीक्षण एफएसएल यूनिट एवं डॉग स्क्वॉड टीम द्वारा करा गया और आवश्यक साक्ष्य संकलित कर, अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध थाना परसवाड़ा में अपराध क्र. 142/2025 धारा 103 (1) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। जिसमे पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये अज्ञात आरोपी द्वारा की गई हत्या का शीघ्र खुलासा कर आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर, के मार्गदर्शन एवं एसडीओ (पी.) परसवाड़ा अरविन्द कुमार शाह के नेतृत्व मे अनुभाग के थाना परसवाड़ा, लामता एवं चांगोटोला की टीम द्वारा गठित की गई। गठित टीमों द्वारा सघन विवेचना कर हत्या का खुलासा करते हुये आरोपी को गिरफ्तार करने में उ सफलता प्राप्त की गयी ।

इस प्रकार हुआ खुलासा

घटना स्थल का गहन निरीक्षण किया गया और मृतका के अंतिम समय में उपस्थिति एवं परिस्थितियों का बार-बार अध्ययन कर मृतका से संबंधित सभी संभावित व्यक्तियों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया । इसके साथ ही 100 से अधिक मोबाइल नंबरों का तकनीकी विश्लेषण किया गया। गाँव में गोपनीय स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी का भी अध्ययन कर तत्पश्चात हत्या का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गई है। जिसमे विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और गवाहों से पूछताछ के आधार पर सुखिया उर्फ सविता यादव एवं भूरी उर्फ उर्मिला मेरावी पर संदेह होने पर पुलिस अभिरक्षा में लेकर कड़ी पूछताछ की गई। पूछताछ पर सुखिया उर्फ सविता यादव ने बताया कि मृतिका (लेखवती यादव) के पति नंदकिशोर के साथ अवैध संबंध थे। सुखिया ने अपनी सहेली भूरी उर्फ उर्मिला मेरावी के साथ मिलकर लेखवती को सबक सिखाने की योजना बनाई और दशहरा के दिन 02 अक्तूबर की शाम लगभग 07-00 बजे लेखवती (मृतिका) को मंदिर जाने के बहाने मुरुम गड्ढा के पास बुलाकर दोनों ने लेखवती का साड़ी के पल्लू से गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को झाड़ियों में, लेंडिया के पेड़ के नीचे फेंक दिया तथा हत्या के सबूत मिटाने के लिए मृतिका के मोबाईल और सिम को अलग- अलग कर सिम अलग जगह एवं मोबाईल को अलग जगह फेंक दिया। भूरी उर्फ उर्मिला ने अपने परिचित रविशंकर सोनवाने निवासी ग्राम बीजाटोला की सहायता से मोबाईल को पत्थर से तोड़कर कुरेण्डा रोड़ तरफ पुल के पास फेंक दिया। आरोपिया सुखिया उर्फ सविता यादव ने सिम को दाँत से चबाकर नष्ट कर आंगनबाड़ी केंद्र के पास झाडियों में फेंक दिया।

आरोपियों ने पुलिस को पहले किया गुमराह

पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा गुमराह करने का नाकाम प्रयास किया गया: पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को गुमराह करने का बार-बार प्रयास किया। आरोपियों ने मोबाइल और सिम को फेंकने के लिए बार-बार अलग-अलग कहानियाँ बताई। अंततः उन्होंने मोबाइल को नाले में फेंकने की बात स्वीकार की, जहाँ पानी का बहाव बहुत तेज होने के कारण साक्ष्य को संकलन में काफी कठिनाई हुई। इसके बावजूद, एसडीआरएफ एवं थाने की टीम और तकनीकी रूप से सक्षम मेटल डिटेक्टर की सहायता से मोबाइल को ढूँढने में सफलता प्राप्त हुई।

इन धारा के तहत हुई कार्यवाही

पुलिस ने सुखिया उर्फ सविता पति नंदकिशोर यादव उम्र 23 वर्ष निवासी कुमनगांव, परसवाड़ा, भूरी उर्फ उर्मिला पिता अशोक मेरावी उम्र 18 वर्ष निवासी कुमनगांव, परसवाड़ा , रविशंकर पिता नूरेलाल सोनवाने उम्र 26 वर्ष निवासी बीजाटोला, परसवाड़ा पर धारा 103 (1) भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्यवाही की और तीनो आरोपियों के मोबाईल , मृतिका के मोबाईल के टुकड़े, मृतिका के मोबाईल की क्षतिग्रस्त सिम ,महिला आरोपियों के कपड़े, आरोपी की मोटर सायकिल ,मृतिका का मोबाईल तोड़ने मे इस्तेमाल किया गया पत्थर जप्त किया हैं । उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी परसवाड़ा निरीक्षक मदन इवने, थाना प्रभारी लामता , निरीक्षक नितिन पटले, थाना प्रभारी चांगोटोला उपनिरीक्षक शशांक राणा, उपनिरीक्षक फूलकली तिलगाम, सउनि धरमचंद बघेले, सउनि. रतन कुंजाम, प्र.आर. कृष्णकांत उपाध्याय, आरक्षक नितिन बिसेन, नितिन जोशी, सुरेश पंद्रे, जितेंद्र पटले, रामगोपाल घोषी, राहुल पारासर, सोनसिंह मरकाम, अजय मरकाम, अमरदीप सिंह, राघवेंद्र तोमर, हरिओम कश्यप, राहुल गुर्जर, महिला आरक्षक शशि उइके, मनीषा पंचेश्वर, सभी की सराहनीय भूमिका रही। सायबर सेल बालाघाट से आरक्षक बलिराम यादव, प्रदीप पुट्टे, अजय नामदेव की भूमिका रही।

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार महिला घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

ग्रामीण थाना अंतर्गत हट्टा रोड पर स्थित ग्राम लिंगा में सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार एक महिला घायल हो गई। घायल महिला श्रीमती उषा पति किशोर कावरे 40 वर्ष ग्राम गोदरी थाना हट्टा निवासी है। जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। आप जानकारी के अनुसार ग्राम गोदरी निवासी उषा कावरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करती हैं जिनके परिवार में अलावा तीन बच्चे हैं। बताया गया है कि उषा कावरे की बड़ी बेटी अंजलि कावरे की तबीयत खराब होने पर 7 मार्च को उषा कावरे अपने पति किशोर कावरे के साथ बेटी अंजली को मोटरसाइकिल में बालाघाट इलाज करने के लिए लाए थे और इलाज करवाने के बाद बेटी अंजली को लेकर मोटरसाइकिल में बालाघाट से अपने गांव गोदरी जा रहे थे। शाम 6 बजे करीब बालाघाट से हट्टा की ओर जाते समय ग्राम लिंगा के शराब दुकान के पास अचानक एक मोटरसाइकिल ने किशोर कावरे की मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। जिससे किशोर कावरे उनकी पत्नी उषा बाई कावरे और बेटी अंजलि मोटरसाइकिल सहित गिर गए । इस दुर्घटना में उषा कावरे घायल हो गई वहीं उनकी बेटी अंजलि को मामूली चोंटे आई जिन्हें 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। दुर्घटना में अत्यधिक चोट लगने से घायल उषा कावरे को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई घायल युवक जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बैहर समीप परसवाड़ा रोड पर स्थित नरसिंह टोला में दो मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई। इस सड़क दुर्घटना में सर में चोट लगने से घायल मोटरसाइकिल सवार युवक संदीप पिता मंगल सिंह चौहान 27 वर्ष बरगी जबलपुर निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संदीप चौहान चार-पांच साल से आबकारी बैहर में अपनी मौसी गीता बैस के यहा रहकर कपड़े बेचने का धंधा करता है। सोमवार की शाम संदीप चौहान मोटरसाइकिल से आबकारी टोला से परसवाड़ा रोड़ रौंदा टोला जा रहा था।तभी नरसिंह टोला के पास सामने से आ रही एक मोटरसाइकिल संदीप चौहान की मोटरसाइकिल से टकरा गई। जिससे संदीप चौहान सिर में चोट लगने से घायल हो गया। जिसे बैहर के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

सल्फास की गोली खाने से महिला की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कीटनाशक सल्फास टेबलेट का सेवन करने से बेहोश एक महिला की जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो गई।मृतिका ममता पति निलेश तीतरमारे 30 वर्ष ग्राम भोरगढ़ थाना खैरलांजी निवासी है। इस महिला द्वारा घरेलू विवाद के चलते कीटनाशक दवाई सेवन करने की संभावना व्यक्त की जा रही है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस महिला का जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ममता का मायका ग्राम पिपरिया थाना लालबर्रा का है। 18 अप्रैल 2017 को ममता की शादी निलेश तीतरमारे ग्राम भोरगढ़ निवासी के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई थी। जिनकी एक 8 साल की बेटी है। ममता सिलाई सेंटर और ब्यूटी पार्लर चलाती थी। जिसका पति निलेश तीतरमारे ठेकेदारी करता है। बताया गया है कि पिछले कुछ दिनों से घरेलू विवाद चल रहा था।इस विवाद के चलते 7 अक्टूबर को भी ममता के साथ कुछ घरेलू बातों को लेकर विवाद हुआ। शाम 5 बजे करीब मानसिक तनाव में आकर ममता ने घर में रखी सल्फास की टेबलेट का सेवन कर ली। जिस परिवार वालों ने खैरलांजी के अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद ममता को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। ममता को जब जिला अस्पताल लाया गया डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिए।ममता की जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। जिला अस्पताल पुलिस ने रात्रि होने से ममता का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिये है। जिसके शव का पोस्टमार्टम 8 अक्टूबर को किया जाएगा।

टेंगनीटोला में वन्यप्राणी तेंदुए के दस्तक से ग्रामीणों में दहशत

आधा दर्जन से अधिक मवेशियों का किया शिकार, कृषि कार्य हुआ प्रभावित

पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ने एवं मुआवजा दिये जाने की वन विभाग से की मांग

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 13 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेंगनीखुर्द के अंतर्गत आने वाली ग्राम टेंगनीटोला में वन्यप्राणी तेंदुआ विगत दिवस से दिखाई दे रहा है। साथ ही एक सप्ताह के अंदर आधा दर्जन से अधिक मवेशियों का शिकार भी कर चुका है और सोमवार की रात में एक मकान में घुस गया था, लेकिन ग्रामीणों की आहट मिलने पर वह भाग गया नही तो मवेशी या इंसानों पर हमला कर उनका शिकार कर बड़े हादसे को अंजाम दे सकता था।इस तरह से तेंदुए के आतंक से टेंगनीटोला (सालेभर्री) के ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है। वहीं वन विभाग से टेंगनीटोला सहित खेत व जंगल क्षेत्र में गस्त बढ़ाकर पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की मांग की जा रही है परन्तु वन विभाग के द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।वहीं तेंदुए के बार-बार गांव के समीप दस्तक देने और मवेशियों का शिकार करने की घटना के बाद से ग्रामीणजन खासा परेशान है और शाम के बाद घर से बाहर निकलने से डर रहे है। वहीं ग्रामीणजन वन विभाग से वन्यप्राणी तेंदुआ को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग कर रहे है। लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नही दे रहा है जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वन विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग से पिंजरा लगाकर वन्यप्राणी तेंदुए को पकड़कर घने जंगल में सुरक्षित छोड़ने एवं मुआवजा दिलवाने की मांग की है।

बड़े हादसे को तेंदुआ दे सकता है अंजाम

आपकों बता दे कि म.प्र. राज्य विकास निगम लिमिटेड लामता परियोजना मंडल वन परिक्षेत्र लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले वन क्षेत्र ग्राम पंचायत टेंगनीखुर्द के टेंगनीटोला के समीप विगत दिवस से तेंदुआ दिखाई देने की जानकारी मिल रही है और तेंदुए ने एक सप्ताह के अंदर आधा दर्जन से अधिक मवेशियों का शिकार भी कर चुका है।जिससे टेंगनीटोला, टेंगनीखुर्द के ग्रामीणजनों में दहशत बनी हुई है और यह स्थिति विगत दिवस से बनी हुई है। जिसकी जानकारी वन विभाग को ग्राम सरपंच एवं ग्रामीणजनों के द्वारा दे दी गई है परन्तु अब तक वन विभाग के द्वारा तेंदुए को पकड़ने के लिए कोई सार्थक प्रयास नही किया गया है जिससे ग्रामीणजनों में वन विभाग के प्रति आक्रोश बढ़ते जा रहा है। वहीं सोमवार की रात में टेंगनीटोला के बीच चौक में निवासरत लेखराम टेंभरे के मकान में वन्यप्राणी तेंदुआ घुस गया था, लेकिन समय रहते परिजनों की नजर उस पर पड़ गई और हल्लाकर खदेड़ दिया गया नही तो तेंदुआ मवेशी या किसी व्यक्ति का शिकार कर सकता था। वहीं लोगों की आहट मिलने पर वन्यप्राणी तेंदुआ गांव से लगे घने जंगल एवं झाड़ियों की ओर भाग जाता है उसके बाद एकांत समय पर बाहर निकलकर मवेशियों का शिकार कर रहा है। इस दौरान अगर कोई व्यक्ति उसके संपर्क में आता है तो उस पर हमला कर शिकार कर सकता है। इस तरह से वन विभाग की लापरवाही के चलते तेंदुआ किसी भी समय बड़े हादसे को अंजाम दे सकता है। वहीं म.प्र. राज्य विकास निगम लिमिटेड लामता परियोजना मंडल वन परिक्षेत्र लालबर्रा के रेंजर विजय कुमरे से दूरभाष पर टेंगनीटोला (टेंगनीखुर्द) में तेंदुए के हमले से मवेशियों की मौत हो जाने एवं तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने व पीड़ित मवेशी मालिकों को मुआवजा दिलवाये जाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

ग्राम में है दहशत का माहौल - लेखराम

ग्रामिण लेखराम टेंभरे ने बताया कि सोमवार की रात में वन्यप्राणी तेंदुआ मकान के पास आ गया था, जिसके बाद परिजनों व पड़ोसियों को जानकारी दिया और ग्रामीणजन आये तो उनकी आहट सुनकर वह भाग गया नही तो मवेशी या फिर परिवार के लोगों पर हमला कर सकता था।

साथ ही यह भी बताया कि अब तक 8 से 10 मवेशियों का तेंदुए ने शिकार कर चुका है और रात्रि के समय गांव के अंदर आ जाता है जिससे ग्रामीणजन दहशत में है।

जानकारी देने के बाद भी वन विभाग नही करता गश्त - धनेन्द्र

सरपंच प्रतिनिधि धनेन्द्र राणा ने बताया कि तेंदुए ने अब तक 8 मवेशियों का शिकार कर चुका है और गत दिवस रात्रि के समय एक ग्रामीण के घर में घुस गया था, लेकिन लोगों की आवाज सुनने पर वह भाग गया। इस तरह से तेंदुए के दस्तक से टेंगनीटोला के ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है और उक्त संबंध में वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत करवा चुके है। लेकिन उनके द्वारा गस्त एवं तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा नही लगाया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। श्री राणा ने बताया कि जल्द तेंदुए को पकड़कर घने जंगल में नही छोड़ा गया तो वह किसी भी समय बड़े हादसे को अंजाम दे सकता है, जिसका जिम्मेदार वन विभाग होगा।

वन विभाग नही दिखा रहा गंभीरता - भलावी

वन समिति सभापति धनेन्द्र भलावी ने बताया कि टेंगनीटोला (टेंगनीखुर्द) ग्राम जंगल से लगा हुआ है और विगत दिवस से तेंदुए के आतंक से ग्रामीणजन परेशान है। लेकिन वन विभाग इस मामले को गंभीरता से नही ले रहा है यानि गंभीरता से तेंदुए को पकड़ने का प्रयास नही किया गया है जिसके कारण यह स्थिति बनी है। श्री भलावी ने बताया कि ग्रामीण भी जागरूकता का परिचय देते हुए समय पर घटना की जानकारी दे ताकि समय पर कार्यवाही हो सके एवं वन विभाग के आईएफएस को मामले से अवगत करवाया दिया गया है। जिनके द्वारा हमें आश्वास्त किया गया है कि गस्त बढ़ाकर तेंदुए को घने जंगल में खदेड़ा जायेगा और पीड़ित मवेशी मालिकों को मुआवजा दिया जायेगा।

क्षेत्र के 16 पंचायतों में पानी टंकी का होगा निर्माण - अनुभा

पुजारीटोला (पाथरी) एवं कोसमी (रटेगांव) में विधायक ने किया भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के अथक प्रयास एवं लगातार मेहनत से विकासखंड लालबर्रा की लगभग 16 ग्राम पंचायत में पानी टंकी निर्माण कार्यों की स्वीकृति मिली है और पानी टंकी का निर्माण होने से उक्त पंचायतों में पानी की समस्या दुर हो जायेगी। मंगलवार को ग्राम पंचायत रटेगांव के ग्राम कोसमी, पाथरी पंचायत के ग्राम पुजारीटोला में पानी टंकी निर्माण कार्य का विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कहा कि आपके सुख में, दुख में, तकलीफ में, हर समय-हम आपके साथ हैं और विधानसभा चुनाव के जनसंपर्क के समय आपके द्वारा मुझे अवगत करवाया था कि पुजारीटोला, कोसमी (रटेगांव) में पेयजल की समस्या बनी हुई है। इसी बात को गंभीरता से ध्यान में रखते हुए विधानसभा सत्र के दौरान आज से करीब 8 माह पूर्व कैबिनेट मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्रीमती संपतिया उईके से उनकी शासकीय आवास पर सौजन्य भेंट कर जहां-जहां पेयजल की समस्याएं बनी हुई थी, उनका प्रस्ताव दिया था। उसी की कड़ी में मान. मंत्री जी ने प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए आपके विधानसभा क्षेत्र में जहां-जहां पेयजल की असुविधा आ रही है जिसका जल्द सर्वे करवाकर निर्माण कार्य करवाये जाने आश्वास्त की थी। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि पीएचई विभाग की मंत्री जी ने पानी टंकी की स्वीकृत प्रदान की है जिसके लिए उनका आभार व्यक्त करती हूं और हर वर्ग का विकास करना मेरी पहली प्राथमिकता है एवं लालबर्रा विकासखंड के 16 पंचायतों में पानी टंकी का निर्माण होगा। इस अवसर पर रटेगांव सरपंच श्रीमती वंदना बिसेन, पाथरी सरपंच श्रीमती धनवंता पटले, जिला महिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वाघाडे, विधायक प्रतिनिधि सोमेंद्रसिंह पटले, बालकृष्ण बिसेन, पूर्व सरपंच श्रीमती सिगरता टेकाम ,उपसरपंच चैनसिंह कुर्सम, ईश्वरीजीत बड़गे, पंच किशोर पटले, दुर्गाप्रसाद मात्ते, संतोष पटेल, रखीराम मानेश्वर, विजय राउत, दौलत मडावी, आसाराम मात्ते, बलराम उईके, महेंद्र मेश्राम, नितेश पारधी, रविंद मेश्राम सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कबड्डी प्रतियोगिता में कटंगझरी विजेता, सिवनी बनी उपविजेता

नेवरगांव ला. में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का समारोहपूर्वक हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. में शरद पुर्णिमा के अवसर पर नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति एवं फायर क्लब नेवरगांव (ला.) के तत्वाधान में 6 अक्टूबर से जारी दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का 7 अक्टूबर को समारोहपूर्वक समापन किया गया। इस दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में बालाघाट सहित अन्य जिले एवं हरियाणा रा%य के खिलाड़ी पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किये। साथ ही इस कबड्डी प्रतियोगित में दो दर्जन से अधिक टीमों ने भाग लिया है। 7 अक्टूबर को दोपहर में फाइनल कबड्डी प्रतियोगिता कटंगझरी एवं सिवनी के मध्य खेला गया, जिसमें कटंगझरी टीम के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फाइनल कबड्डी प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया। जिसके बाद अतिथियों के हस्ते कटंगझरी टीम को प्रथम पुरस्कार 11001 रूपये, सिवनी की टीम को द्वितीय पुरस्कार 7001 रूपये, वारासिवनी की टीम को तृतीय पुरस्कार 3501 रूपये, शिल्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है। वहीं सिवनी की टीम में हरियाणा रा%य एवं सिवनी के खिलाड़ी मिलकर टीम बनाकर खेले है और यह कबड्डी प्रतियोगिता प्रो-कबड्डी के नियमानुसार संपन्न करवाई गई है। वहीं उपस्थित अतिथियों ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए विजेता एवं उपविजेता टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल में एक टीम को हार का सामना करना पड़ता है लेकिन हारी हुई टीम को निराश होने की आवश्यकता नही है, वे प्रयास करे कि उनसे कहा गलती हुई है।उसमें सुधार कर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने टीम का नाम जिला, संभाग एवं प्रदेश स्तर पर रौशन करें। साथ ही यह भी कहा कि खेल खेलने से शरीर का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है इसलिए सभी को कुछ न कुछ खेल खेलते रहना चाहिए और इस तरह के आयोजन होने से ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाओं को बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है। वहीं आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि शरद पूर्णिमा के अवसर पर दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें बालाघाट, सिवनी सहित हरियाणा राज्य के खिलाड़ी पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किये है। जिसमें कटंगझरी की टीम विजेता एवं सिवनी की टीम उपविजेता रही है और सिवनी की टीम के साथ मिलकर हरियाणा राज्य से पहुंचे खिलाड़ियों ने अपने खेल का जौहर दिखाये है। साथ ही यह भी बताया कि आगामी समय में भव्य कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं क्षेत्रीयजन उपस्थित रहे।

आज माँ सरस्वती महोत्सव में कूपन ड्रा एवं आर्केष्ट्रा

हवन-पूजन एवं अंतर्राज्यीय म्यूजिकल ग्रुप डांस और जागरण का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में माँ सरस्वती महोत्सव समिति के तत्वाधान में गत 27 सितंबर को विद्या की देवी माँ वीणा वादिनी की प्रतिमा विराजित कर माँ सरस्वती महोत्सव भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।6 अक्टूबर को हवन-पूजन का आयोजन किया गया, यह कार्यक्रम पं. विमश्र मिश्रा द्वारा यजमान श्रीमती स्वेता-चेतन जैन की उपस्थिति में संपन्न करवाया है। आयोजित हवन-पूजन कार्यक्रम में श्रध्दालु एवं समिति के पदाधिकारियों के द्वारा हवन कुण्ड में आहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये तत्पश्चात रात में आरती के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही माँ सरस्वती महोत्सव के अवसर पर 5 अक्टूबर को अंतर्राज्यीय म्यूजिकल ग्रुप डांस प्रतियोगिता आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन के प्रमुख आतिथ्य, समिति संरक्षक कैलाश अग्रवाल, भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर म्यूजिकल ग्रुप के डांसरों के द्वारा डांस की प्रस्तुतियां दी गई। वहीं 6 अक्टूबर को हवन-पूजन कार्यक्रम संपन्न होने के बाद रात 10 बजे से नागपुर का सांई नवदुर्गा जागरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इन दोनों दिन उपस्थित अतिथियों ने माँ सरस्वती प्रांगण में पहुंचकर विद्या की देवी माँ वीणा वादिनी की पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित किये। साथ महोत्सव समिति के पदाधिकारियों से मुलाकात कर आयोजन के संबंध में चर्चा कर इस भव्य कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शुभकामनाएं दी। वहीं माँ सरस्वती महोत्सव के अवसर पर 5 अक्टूबर को अंतर्राज्यीय म्यूजिकल ग्रुप डांस प्रतियोगिता में डांसरों के द्वारा अपनी प्रस्तुती दी एवं देवी जागरण कार्यक्रम में गायिका के द्वारा भक्तिगीतों का गायन किया गया जिससे पूरा परिसर भक्तिगीतो से गुंजमान्य उठा। साथ ही महोत्सव के अंतिम दिन 8 अक्टूबर को कूपन ड्रा एवं आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया। वहीं इस 13 दिवसीय माँ सरस्वती महोत्सव के अवसर पर रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है और यह महोत्सव एक मेला का रूप ले लिया है जहां दुर-दराज से आने वाले श्रध्दालुजन महोत्सव परिसर में लगाये गये स्टाल, दुकानों से सामग्री की खरीदी भी कर रहे है। तो वहीं आकाश झुले का भी लुप्त उठा रहे है।8 अक्टूबर को कूपन ड्रा खोला जायेगा एवं 9 अक्टूबर को माँ सरस्वती की प्रतिमा विसर्जन के साथ महोत्सव का समापन किया जायेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने कहा कि लालबर्रा का माँ सरस्वती महोत्सव धार्मिक कार्यक्रम बन चुका है और मातारानी की कृपा सभी पर बनी रहती है। खास कर आयोजन समिति पर, हजारों की संख्या में क्षेत्रीयजन मातारानी का आशीर्वाद लेने पहुंचते है जिसमें हमारा पुलिस, राजस्व, सहित अन्य प्रशासनिक तंत्र का पुरा सहयोग रहता है। साथ ही आम जनमानस भी इस कार्यक्रम को अपना आयोजन समझकर सहयोग करते है। यही कारण है कि यह कार्यक्रम इतना सफल हो रहा है। माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 33 वें वर्ष में माँ सरस्वती महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है एवं 8 अक्टूबर को कूपन ड्रा खोला जायेगा व आर्केस्ट्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है एवं 9 अक्टूबर को प्रतिमा विसर्जन के साथ ही 13 दिवसीय महोत्सव का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने की है।

बेहरई में पोषण प्रदर्शनी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 में मंगलवार को पोषण प्रदर्शनी कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम सरपंच श्रीमती शारदा दिलीप टेंभरे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ।आयोजित पोषण माह प्रदर्शनी कार्यक्रम में मोटे अनाज, सब्जी, पौष्टिक पदार्थ के फायदे के बारे में उपस्थित महिलाओं को बताया गया। चर्चा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता यशोमती काटेकर ने बताया कि पोषण माह प्रदर्शनी कार्यक्रम में मोटे अनाज, सब्जी, पौष्टिक खाद्यान्न पदार्थ के बारे में जानकारी दी गई है।जिसका मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, किशोरी बालिकाओं, स्तनपान करने वाली माताओं को सही पोषण के बारे में बताना एवं शिक्षित करना है। ताकि वे सही जीवनशैली अपना सके, अच्छे ख़ान-पान की आदतों को अपनाकर स्वस्थ और सुखी जीवन अपना सके। इस अवसर पर यशोमती काटेकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, माया पटले कृषि सखी, अनिल कोसरे रोजगार सहायक, प्रफूल मेश्राम ग्राम रक्षक, आंगनवाड़ी सहायिका, ग्राम की महिलाएं, किशोरी बालिकाएं सहित नौनिहाल बच्चें उपस्थित रहे।

चंदन नदी में नहाने गया 8 वर्षीय अर्श लापता

वारासिवनी के वार्ड १२ के बालक की तलाश में जुटी एसडीआरएफ की टीम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
नगर के वार्ड नंबर १२ के किनारे बहने वाली चंदन नदी में नहाने गया ८ वर्षीय बालक अचानक लापता हो गया। नदी में डूबने की संभावना पर उसके साथी मित्रों के द्वारा चिल्लाने पर वार्ड वासियों को सूचना लगते ही सभी के द्वारा मौके पर पहुंचकर वार्ड के गोताखोरों को नदी में उतारकर घटना की जानकारी पुलिस प्रशासन को दी गई। मौके पर पुलिस के द्वारा जांच की गई परंतु कहीं भी कुछ प्राप्त नहीं हुआ। जिसके बाद बालाघाट एसडीआरएफ के द्वारा मौके पर जांच प्रारंभ कर दी गई है। यह घटना की सुचना पूरे नगर में आग की तरह फैल गई मौके पर लोगों का हुजूम लग गया। समाचार लिखे जाने तक लापता हुए युवक की कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो पाई है। हालांकि कपड़ों के आधार पर परिजनों के द्वारा उनका पुत्र होने की बात कही जा रही है, मामले में पुलिस के द्वारा भी जांच प्रारंभ कर दी गई है।

अर्श खैरो अपने तीन दोस्तो के साथ घर से खेलने निकला था

वारासिवनी नगर चंदन नदी किनारे बसा हुआ है वर्तमान में चंदन नदी में नगर के दो घाट चंदन घाट एवं कबीर घाट बने हुए हैं। नदी में डेम और बारिश का पानी उतरने के कारण नदी का जल स्तर ज्यादा है और तेज बहाव के साथ नदी बह रही है। ऐसे में ७ अक्टूबर को वार्ड नंबर ११ और १२ के करीब चार बालक चंदन घाट और कबीर घाट के बीच में नहाने के लिए गए हुए थे। जहां पर चारों युवकों के द्वारा स्नान किया जा रहा था तभी अचानक ऐसा कुछ हुआ कि मौके से तीन युवक कपड़े पहनकर और एक युवक के कपड़े हाथों में लेकर चंदन घाट पर पहुंचे। जहां कपड़ा धुल रही महिला से उन्होंने पूछा कि कोई लड़का यहां पर आया क्या जिन्हें मना करने पर वह महिला के पास अपने एक साथी के कपड़े फेंक कर बचाओ बचाओ कहते हुए शीतला माता मंदिर की ओर दौड़कर भागने लगे। इसके थोड़ी देर बाद कपड़े धुलने वाली महिला वापस शीतला माता मंदिर जाने लगी उसके द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष के मकान में रुख कर घटना की जानकारी दी गई। जिस पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे ने वार्ड वासियों को जमा कर मौका स्थल पर पहुंचकर ढीमर और मरार समाज के गोताखोर को बुलाकर पतासाजी करते हुए घटना की जानकारी थाना प्रभारी हेमंत नायक को दी। इसके बाद यह घटना की जानकारी पूरे नगर में फैल गई और वार्ड नंबर ११ एवं १२ सहित नगर के विभिन्न स्थानों से लोग मौके पर पहुंचे जहां भीड़ लग गई। ऐसे में थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ पहुंचे और उनके द्वारा जांच प्रारंभ कर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देकर एसडीआरएफ बालाघाट को बुलाया गया। जिसके द्वारा नदी में तलाश की जा रही है,इस दौरान तीन युवकों के द्वारा फेके गए कपड़े को नदी में डूबने वाले युवक के मानते हुए कपड़े की शिनाख्त करवाई गई। जिसमें वार्ड नंबर ११ बेरबन मोहल्ला निवासी नदीम खैरो के द्वारा उक्त कपड़े उसके ८ वर्षीय बेटे अर्श खैरो का होना बताया गया ऐसे में उक्त लापता व्यक्ति की तलाश प्रारंभ है।

नदी में डूबने वाला मेरा बेटा है -नदीम खैरो

नदीम खैरो ने बताया कि नदी में डूबने वाला मेरा बेटा है यह १० बजे से घर से गायब था कुछ लड़कों के साथ यह खेलने निकला था। इसके साथ के तीन लड़कों ने भागते हुए डूबने की सूचना कही दी थी जिस पर मोहल्ले के किसी व्यक्ति ने सुना होगा तो उसने मुझे जानकारी दी। तो मैं यहां आकर देखा भीड़ लगी हुई थी कपड़े देखा तो पता चला कि मेरा बेटा है यह सूचना करीब ढाई बजे मुझे पता चली थी। सुबह १० बजे मेरा बेटा घर से निकला हुआ था जिसे ढूंढने का प्रयास किया परंतु वह कहीं नहीं मिला इसके साथ तीन चार लड़के थे बताते हैं।

कपड़े धोने आई महिला ने बताया कि कोई नदी में बहा है-दांदरे

मनोज दांदरे ने बताया कि यह दुखद घटना है मैं और मेरे पूर्वजों का यहां निवास रहा है परंतु यह पहली बार कोई घटना हुई है। हम घर पर थे वार्ड की महिला नदी में कपड़े धोने आई थी चार युवक यहां पर नदी में नहाने गए होंगे। उसमें तीन लड़के सकुशल कपड़े धो रही महिला के पास आए और पूछे कि कोई लड़का आया और कपड़ा फेंक कर वहां से भाग गए। महिला जब वापस घर जाने लगी तो उसने मुझे बताई तो हम वार्ड के कुछ लोगों के साथ यहां पर आकर थाना प्रभारी को भी बताएं। मोहल्ले में भी बताएं पालक के माध्यम से शिनाख्त भी कपड़े की करवायें। हमने घटना स्थल पर ढीमर और मरार समाज के गोताखोर को बुलाकर पता भी किया गया है परंतु कोई पता नहीं चला है। तीन लड़के हमारे सामने भागे तो हमने सोचा भागते हैं महिला ने बताई तब हमें पता चला। वार्ड नंबर ११ के पार्षद को भी हमने बताया उन्होंने व्हाट्सएप ग्रुप में मैसेज डाला लोग आने लगे तब उसके माता पिता ने कपडे की शिनाख्त किया हो सकता है कि कपड़ा बदल गया हो तो उन्हें हमने घर भी भेजा था कि एक बार देख कर आओ। सभी नाबालिक है ७ से ८ वर्ष की उम्र है नदी में पर बारिश और डैम का पानी आने के कारण पानी बहाव तेज है हमने कलश विसर्जन नदी की जगह नहर पर किया था क्योंकि बच्चे भी रहते हैं। यह मुस्लिम समाज का लड़का बता रहे हैं ऐसे स्थान पर प्रशासन लगातार सुरक्षा बनाए रखना है । नगर पालिका पुलिस के लोग कार्यक्रम के दौरान लगे रहते हैं। परंतु यह एक घटना है जो हमारे जीवन में पहली बार सुनने मिल रही है

वाल्मिकी समाज ने धूमधाम से मनाई वाल्मिकी जयंती

भजन संध्या एवं विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
नगर के वार्ड नं. ९ में स्थित संत शिरोमणि महर्षि वाल्मिकी मंदिर में संत शिरोमणि महर्षि वाल्मिकी समाज के तत्वावधान में महर्षि वाल्मिकी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। यह कार्यक्रम समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सुबह से वाल्मिकी समाज के स्वजातीय बंधुओं के द्वारा मंदिर पहुंच कर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। जिसके बाद दोपहर २ बजे से हवन पूजन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया जिसमें पंडित के द्वारा विधि विधान से समस्त पूजा संपन्न करवाई गई। तत्पश्चात हवन एवं महाआरती कर स्वजातीय बंधुओ के द्वारा मंदिर में भजन कीर्तन किया गया। इस वाल्मिकी जयंती के अवसर पर शाम में वाल्मिकी भगवान की विशेष पूजा अर्चन कर विविध विशाल भण्डारा का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराकर प्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ अर्जित किया। तो वहीं शाम में भजन संध्या कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें देवेंद्र गनवीर ग्रुप के द्वारा भगवान राम मां जगदंबा सहित अन्य देवी देवताओं के शानदार और मनमोहक भजनों की प्रस्तुती दी गई। जहां पर बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम का आनंद लिया और भजनों में मंत्र मुक्त होकर नृत्य भी करते रहे। समाज सदस्यों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी वाल्मिकी समाज के द्वारा महर्षि वाल्मिकी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जिसमें सुबह पूजा अर्चना करने के बाद दोपहर में हवन पूजन का आयोजन किया गया और रात्रि में पूजा कर भंडारे का वितरण कर भजन संध्या आयोजित की गई। संत शिरोमणि महर्षि वाल्मीकि समाज के सर्वोच्च आदर्श, पूज्यनीय गुरु और एक महान पथ प्रदर्शक हैं। महर्षि वाल्मीकि का जीवन ही वाल्मीकि समाज के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। उन्होंने समाज के हर वर्ग को यह सिखाते हैं कि समान जाति या स्थिति से नहीं बल्कि कर्म और आचरण से मिलता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में वाल्मीकि समाज सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

आज बॉलीवुड अभिनेता चंकी पांडे, गायक साह भट्ट, दीक्षा टूर और शुभांकर का भव्य कार्यक्रम

नवदुर्गा उत्सव समिति का लक्की कूपन ड्रा आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब वारासिवनी के द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी ८ अक्टूबर को लक्की कूपन ड्रा खोला जायेगा। जिसमें भव्य बॉलीवुड नाइट का आयोजन किया गया हैं ,जहाँ हिंदी सिनेमा के अभिनेता चंकी पांडे उपस्थित होकर दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। वहीं बॉलीवुड के गायक अपने सुरों का जादू फैलायेंगे। नवदुर्गा उत्सव समिति का यह २२ वॉ वर्ष है जिसे ऐतिहासिक बनाने का कार्य समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें यह कार्यक्रम पूर्व वर्ष से अति भव्य रूप में आयोजित किया गया है।

नवरात्रि में गरबे की रही धुम

नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब के द्वारा प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी विशाल नवरात्र पर्व का आयोजन किया गया। जिसमें कोलकाता के कलाकारों के द्वारा इस वर्ष राजस्थान थीम के आधार पर भव्य पंडाल का निर्माण किया गया। तो वहीं भरवेली के कलाकार के द्वारा निर्माण की गई मां भगवती की मनमोहक प्रतिमा विराजित की गई। वहीं नवरात्र के दौरान २३ सितंबर से १ अक्टूबर तक पूरे ९ दिनों तक लाइव गरबा आयोजित किया गया। जिसमें डीजे ऋषभ डीजे सेक सहित मुंबई के कलाकारों के द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी गई। जिसमें नगर वासियों के द्वारा बड़ी संख्या में उपस्थित होकर गरबे का आनंद लिया गया। इस वर्ष पिछले वर्ष के अनुसार लोगों की उपस्थिति को गरबे में देखते हुए पहले से बड़ा ग्राउंड का निर्माण किया गया जो इस मर्तबा भी छोटा ही प्रतीत होता रहा।

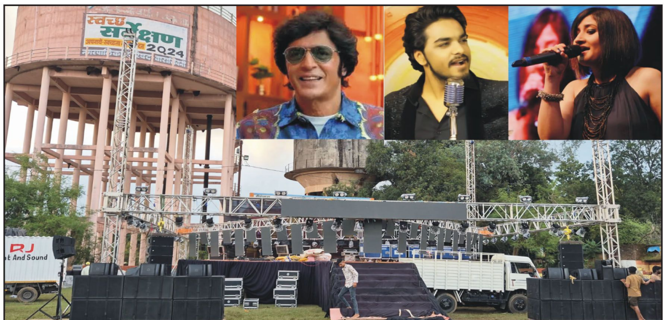

इस प्रकार से यह पूरा आयोजन जिले सहित आसपास के जिलों में चर्चा का विषय रहा। ऐसे में महाकौशल और महाराष्ट्र के कई क्षेत्र के लोग ने आयोजन में शामिल होकर भव्य कार्यक्रम के प्रत्यक्षदर्शी बने।

किस पर बरसेगी माता रानी की कृपा

नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब के द्वारा लगातार २२ वर्षों से लक्की कूपन ड्रॉ आयोजित किया जा रहा है। जिसमें निरंतर इनमो की श्रृंखला आकर्षक रूप से रखी जाती है। इसी के तहत इस वर्ष प्रथम इनाम स्पोर्ट बाइक ,द्वितीय इनाम डेस्टिनी स्कूटर एवं साथ ही फ्रिज टीवी सहित अन्य संतावना इनाम रखे गए हैं। यह लक्की ड्रा उक्त बॉलीवुड नाइट कार्यक्रम में ओपन किया जाएगा। जिसमें बच्चों के हाथों से नंबर निकाल कर भाग्यशाली विजेता की घोषणा की जाएगी। साथ ही बॉलीवुड नाइट में आए कलाकारों के द्वारा प्रस्तुती भी दी जाती रहेगी।

नवदुर्गा उत्सव समिति का लक्की कुपन ड्रा आज, बॉलीवुड अभिनेता चंकी पांडे का वारासिवनी आगमन आज-संजयसिंह कछवाहा

अध्यक्ष संजय सिंह कच्छवाह ने बताया कि नवदुर्गा उत्सव समिति का यह २२ वां वर्ष है सभी ने देखा कि नवरात्र पर्व ऐतिहासिक रहा। पूरे जिले में और आसपास के जिले में नवरात्र की धूम रही। कोलकाता के कलाकारों ने पंडाल बनाया ९ दिन तक गरबा चला उसमें मुंबई और बाहर के आए कलाकारों के द्वारा अपनी प्रस्तुतियां दी गई। अब आगे हमारा सबसे बड़ा कार्यक्रम लक्की कूपन ड्रॉ खोलने का है क्योंकि हमारे यहां लक्की ड्रा कूपन स्कीम रखी जाती है। जिसमें ड्रा निकाला जाएगा इसमें पहला इनाम स्पोर्ट बाइक और अन्य की इनाम भी है। ८ अक्टूबर को यह सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया है जिसमें बॉलीवुड अभिनेता और बड़े कलाकार चंकी पांडे का आगमन वारासिवनी में हो रहा है। वहीं फिल्म वार २ के सभी गीतों के गायक साज भट्ट और उनके साथ दो वर्ष पहले इंडियन आइडल की विनर दीक्षा टूर इस कार्यक्रम में शामिल होकर अपनी प्रस्तुती देगी। साथ ही प्रोफेशनल गायक शुभांकर के द्वारा भी अपनी प्रस्तुती दी जाएगी । इस प्रकार यह पूरा ऐतिहासिक कार्यक्रम जिले को देखने के लिए मिलेगा। लोगों से अपील है कि वह कार्यक्रम में शामिल होकर आनंद लें।

जवाहर नवोदय विद्यालय में हिन्दी पखवाड़े का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
हिन्दी हमारी पहचान है हमारी आन बान और शान है। इसी प्रेरक भाव के साथ पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा समारोह १४ से २८ सितंबर २०२५ तक उल्लास उमंग और रचनात्मकता के वातावरण में मनाया गया। यह आयोजन नवोदय विद्यालय समिति मुख्यालय नोएडा एवं क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के दिशा निर्देशानुसार किया गया। जिसमें कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग के छात्र छात्राओं के साथ साथ शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी बढ़.चढ़कर भाग लिया।

समारोह की शुरुआत प्रभारी प्राचार्य रणबीर सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के संदेश का वाचन किया। और अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि हिन्दी वह सेतु है जो हमारे विविध भारत को एकता के सूत्र में पिरोती है। इसे राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने हेतु हम सभी को सामूहिक प्रयास करना होगा। शिक्षक बी आर पटेल ने अगले १४ दिनों तक चलने वाली प्रतियोगिताओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रात:कालीन सभा में कक्षा सातवीं की पानीरी गरड़े और कक्षा ग्यारहवीं की शुभांगी मरकाम ने हिन्दी की महत्ता विषय पर अपने विचार रखे। वहीं ऑपरेशन सिंदूर विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में वक्ताओं ने अपने ओजस्वी शब्दों से आतंकवाद के विरुद्ध भारत की एकता और साहस का संदेश दिया। हेनान पटले और किम कावड़े ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया । वहीं हर्षिका राहंगडाले द्वितीय और वैभव बघेले तृतीय स्थान पर रहे। अयाज अंसारी ने मंच संचालन एवं आत्मविश्वास बढ़ाने के उपयोगी सुझाव दिए। कनिष्ठ वर्ग में हार्दिक मांधाता ने प्रथम स्थान पाकर अपनी एकाग्रता का परिचय दिया। धैर्य धुर्वे द्वितीय ,चंचल पंद्राम एवं राशी बागड़े संयुक्त रूप से तृतीय रहे।

वरिष्ठ वर्ग में हितैषी हिवारे ने प्रथम, रिया पारधी ने द्वितीय,मयूरी धुर्वे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं तीसरे दिन मलयालम भाषा के शब्दों के हिन्दी अर्थ लिखने की इस विशेष प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी भाषाई समझ का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिसमें चंचल पंद्राम व गुंजन मातरे ने प्रथम, प्रतीक्षा पारधी और सेम्यु परते ने द्वितीय तथा प्रतिभा पंचेश्वर व दिव्या रमगढ़िया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिन्दी पखवाड़े के चौथे दिन पुस्तकालयाध्यक्ष अयाज अंसारी के कुशल निर्देशन में ज्ञानवर्धक पत्र पत्रिकाओं व पुस्तकों की प्रदर्शनी आयोजित की गई। जिसमें विद्यार्थियों ने साहित्य की नई दुनिया को नज़दीक से महसूस किया। जिसमें कनिष्ठ वर्ग में उज्ज्वल पटले प्रथम, कृतिका मड़ावी और तनिश धुर्वे द्वितीय तथा अशमी हटवार व क्रिश भेंडारकर तृतीय स्थान पर रहे।

वरिष्ठ वर्ग में भव्यांश नगपुरे ने प्रथम, श्रेया दरवड़े और प्रिंसी मसकरे ने द्वितीय, जबकि समृद्धि मेश्राम ,यश हीरापुरे एवं रौनक पाँचे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त सेम्यु परते और अस्मि लांजेवार की सुलेखकला ने सबका मन मोह लिया। मौसमी नगपुरे ने द्वितीय तथा आरती चौधरी और गौरांगी चौहान तृतीय रहे। हिन्दी टंकण प्रतियोगिता में टेक्नोलॉजी और भाषा के संगम को दर्शाते हुए कृष्णा कोरे और शिवम पटेल प्रथम, संकेत धुर्वे द्वितीय, तथा रौनक सिंह उइके तृतीय स्थान पर रहे। कहानियों और विचारों की उड़ान चित्र आधारित कहानी लेखन प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग की श्रेणी भागड़कर और कृति पाँचे ने अपनी कल्पनाशीलता से सबका मन जीता। जिसमें गुंजन माहुले द्वितीय और कांक्षी रावते तृतीय स्थान पर रहीं।

पत्र लेखन क्रियाकलाप में केरल के नवोदय विद्यालय पत्तनंतिट्टा से आए विद्यार्थियों ने अपने अनुभव हिन्दी में पत्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किए जो एक सांस्कृतिक सेतु के रूप में यादगार रहा। राजभाषा प्रश्नोत्तरी शिक्षक वर्ग ज्ञान और तर्क का शानदार संगम देखने को मिला। जिसमें प्रथम अविनाश सिंह ,द्वितीय ओम एम खोंड एवं डॉ बिभीषण सिंह तृतीय स्थान पर रहे। नारा लेखन प्रतियोगिता में देशभक्ति और स्वच्छ भारत जैसे विषयों पर विद्यार्थियों ने प्रेरक स्लोगन प्रस्तुत किए। जिसमें प्रथम देविका भुआर्य, राजेन्द्र सिंह मरकाम द्वितीय,आँचल पंद्रे, करिश्मा कुशरे, तृतीय स्थान पर रहे। हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में टीम भावना से ओत प्रोत इस प्रतियोगिता में अरावली सदन प्रथम, नीलगिरि एवं शिवालिक सदन द्वितीय तथा उदयगिरि सदन तृतीय स्थान पर रहे।

संपादकीय

अक्सर किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों ?

किसी बीमारी में दवा जीवनदायिनी हो सकती है। ऐसे में मरीज की जान बचाने के लिए उसके परिजन दवा का बंदोबस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। मगर जब कोई दवा ही मौत का कारण बन जाए, तो इसे लापरवाही या जान से खिलवाड़ नहीं तो और क्या कहा जाएगा! मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी ऐसा ही हुआ है, जहां खांसी की दवा से कई बच्चों की मौत के मामले सामने आए हैं। शासन-प्रशासन की ओर से इन मामलों की गहन जांच कराने का आश्वासन दिया गया है। इसके अलावा, एक चिकित्सक को गिरफ्तार और कुछ अन्य अधिकारियों को निलंबित किया गया है। साथ ही इस दवा की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और संबंधित कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सवाल यह है कि ऐसी कार्रवाई के लिए अक्सर किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों किया जाता है? दवाओं की गुणवत्ता जांच नियमित तौर पर क्यों नहीं की जाती और जो दवाएं बच्चों के लिए प्रतिबंधित हैं, वे बाजार में बिना रोक-टोक कैसे बिक रही हैं?

खबरों के मुताबिक, मध्य प्रदेश सरकार ने तमिलनाडु सरकार को पत्र लिखकर वहां स्थित संबंधित दवा निर्माता कंपनी के खिलाफ जांच करने का आग्रह किया था। इसके बाद तमिलनाडु के औषधि नियंत्रक विभाग ने अपनी जांच में इस दवा के निर्माण में मिलावट होने की पुष्टि की थी।

यह कोई पहली बार नहीं है कि देश में किसी दवा की वजह से कई जानें चली गईं। इससे पूर्व भी इस तरह के मामले सामने आते रहे हैं। विडंबना यह है कि न तो सरकार एवं प्रशासन और न ही स्वास्थ्य संस्थानों एवं वहां कार्यरत अधिकारियों के स्तर पर ऐसी घटनाओं से कोई सबक लिया जाता है। मध्य प्रदेश में जिस चिकित्सक को गिरफ्तार किया गया है, उस पर आरोप है कि वह सरकारी सेवा में होने के बावजूद एक निजी क्लिनिक में भी अपनी सेवाएं दे रहा था और बच्चों के लिए इस दवा के इस्तेमाल का परामर्श देता था। सवाल है कि आरोपी चिकित्सक के सरकारी सेवा के साथ निजी क्लीनिक में काम करने पर स्वास्थ्य विभाग ने अब तक कोई संज्ञान क्यों नहीं लिया? दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है किस दवा के विभिन्न आयु वर्ग के मरीज पर क्या प्रभाव पड़ सकते हैं, इसकी जानकारी क्या चिकित्सकों को नहीं दी जाती है? या फिर चिकित्सक और दवा कंपनियों के बीच सांठगांठ से इस तरह का गोरखधंधा फल-फूल रहा है? सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

खबरों के मुताबिक, मध्य प्रदेश सरकार ने तमिलनाडु सरकार को पत्र लिखकर वहां स्थित संबंधित दवा निर्माता कंपनी के खिलाफ जांच करने का आग्रह किया था। इसके बाद तमिलनाडु के औषधि नियंत्रक विभाग ने अपनी जांच में इस दवा के निर्माण में मिलावट होने की पुष्टि की थी। जांच रपट में कहा गया कि इसमें 48.6 फीसद 'डायथिलीन ग्लाइकाल' पाया गया, जो जहरीला रसायन है और सेहत के लिए घातक साबित हो सकता है। सवाल है कि इस तरह की खतरनाक दवा को बाजार में बिक्री की अनुमति कैसे दे दी गई? क्या किसी दवा के बाजार में आने से पहले किया जाने वाला नमूना परीक्षण ही काफी है? अगर बाद में उस दवा के निर्माण में गुणवत्ता मानकों को दरकिनार किया जाता है और उसके सेवन से किसी की जान चली जाती है, तो उसके लिए जिम्मेदार कौन होगा? कायदे से बाजार में उपलब्ध दवाओं की गुणवत्ता को लेकर समय-समय पर जांच होनी चाहिए और गड़बड़ी मिलने पर जवाबदेही तय कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि लोगों की जान से खिलवाड़ न हो। इस बात के लिए भी जागरूकता अभियान चलाए जाने की जरूरत है कि कोई बीमारी होने पर आम लोग चिकित्सकों की सलाह से ही दवा लें। साथ ही गरीब और वंचित तबकों की भी अच्छी चिकित्सा प्रणाली तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना सरकार का प्राथमिक दायित्व है।

तब का बिहार! अब का बिहार !!

बिहार में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज़ हैं। पार्टियों के बीच साधे जा रहे सीटों के समीकरण के बीच भारतीय निर्वाचन आयोग ने एसआईआर यानी गहन मतदाता पुनरीक्षण के आंकड़े भी जारी कर दिए हैं। इसके मुताबिक़, बिहार में अब 7.42 करोड़ मतदाता हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले चुनाव आयोग ने एसआईआर शुरू किया। इसकी टाइमिंग को लेकर विपक्षी दलों ने कई सवाल उठाए जबकि चुनाव आयोग ने इसे वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने की प्रक्रिया करार दिया। अब ऐसा माना जा रहा है कि निर्वाचन आयोग जल्द ही चुनाव के तारीखों की घोषणा करेगा और इसके साथ ही राज्य में आचार संहिता लग जाएगी।

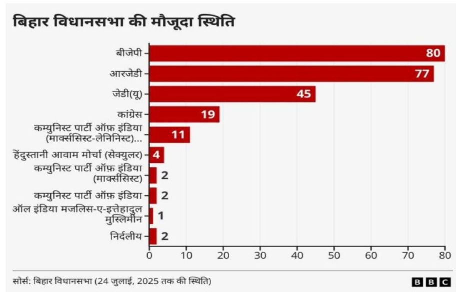

बिहार में चुनाव कब होंगे?

बिहार विधानसभा का वर्तमान कार्यकाल 22 नवंबर 2025 को ख़त्म हो रहा है। ऐसे में राज्य में चुनाव नवंबर तक होने हैं। पिछला विधानसभा चुनाव (2020) कोरोना महामारी के साये में तीन चरणों में 28 अक्तूबर से 7 नवंबर के बीच हुआ था। भारत में कोरोना महामारी के दौरान का ये पहला बड़ा चुनाव था और कई तरह के दिशानिर्देश इसको लेकर जारी किए गए थे।

2020 के बाद की राजनीति में क्या हुआ?

राज्य में 2020 के चुनाव के बाद एनडीए की सरकार बनी, लेकिन अगस्त 2022 में बीजेपी से रिश्ता तोड़ते हुए नीतीश कुमार ने महागठबंधन का दामन थाम लिया। बीजेपी और जेडीयू के रिश्ते इतने तल्ख हो गए थे कि नीतीश कुमार ने ये बयान तक दिया कि वो मरना पसंद करेंगे लेकिन बीजेपी के साथ कभी नहीं जाएंगे। वहीं, दूसरी तरफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा कि नीतीश कुमार के लिए एनडीए के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो गए हैं। लेकिन जैसा कि राजनीति में कुछ भी अंतिम सत्य नहीं होता है, उसी क्रम में चीजें एक बार फिर बदल गईं। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन तैयार करने की कोशिश में जुटे चेहरों में नीतीश कुमार अहम नेता माने जा रहे थे। लेकिन जनवरी, 2024 में वो एक बार फिर एनडीए में शामिल हो गए और आरजेडी से अपनी राहें अलग कर लीं। साल 2015 का विधानसभा चुनाव जेडीयू और राष्ट्रीय जनता दल ने मिलकर लड़ा था और बहुमत हासिल कर सरकार बनाई थी। तब ये गठजोड़ 2017 में टूट गया था।

बिहार विधानसभा की स्थिति क्या है?

बिहार में विधानसभा की कुल 243 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए किसी दल या गठबंधन के पास 122 सीटें होना जरूरी है। बिहार में फिलहाल जेडीयू और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के घटक दलों वाली एनडीए सरकार है और आरजेडी के तेजस्वी यादव बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। बिहार विधानसभा में अभी बीजेपी के 80 विधायक हैं, आरजेडी के 77, जेडी (यू) के 45 और कांग्रेस के 19 विधायक हैं। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया (मार्क्ससिस्ट-लेनिनिस्ट) (लिबरेशन) के 11, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के 4, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया (मार्क्सवादी) के 2, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया के 2, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के 1 और 2 निर्दलीय विधायक हैं।

कौन-कौन से गठबंधन मैदान में हैं?

राज्य में इस बार भी अहम मुक़ाबला एनडीए बनाम महागठबंधन के बीच माना जा रहा है। एनडीए में जेडीयू, बीजेपी, एलजेपी (आर), जीतनराम मांझी की हम (सेक्युलर) और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा जैसे दल हैं। वहीं महागठबंधन में आरजेडी, कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, सीपीआई (माले), विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी), जेएमएम और राष्ट्रीय एलजेपी शामिल हैं। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम इन दोनों गठबंधन में से किसी का भी हिस्सा नहीं है। 2020 के चुनाव में उनकी पार्टी पांच सीटों पर

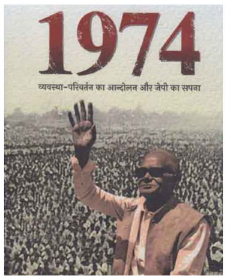

चुनाव जीतने में सफल रही थी, लेकिन बाद में उनकी पार्टी के चार विधायक आरजेडी में शामिल हो गए थे।

सीट बंटवारा और नए खिलाड़ी कौन हैं?

अभी तक न तो एनडीए ने और न ही महागठबंधन ने सीट बंटवारे के आंकड़े जारी किए हैं। दोनों प्रमुख गठबंधनों में सीट शेयरिंग पर पेच फंसता दिख रहा है। सीट बंटवारे को लेकर कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। दोनों गठबंधनों में शामिल छोटे दल %सम्मानजनक सीटों% के लिए अपना दावा पेश कर रहे हैं। नीतीश कुमार की खराब सेहत की ख़बरों, जेडीयू में उत्तराधिकारी पर अटकलों और प्रशांत किशोर की एंट्री और रह-रह कर चिराग पासवान के चुनाव लड़ने की ख़बरों से चुनाव और दिलचस्प होता जा रहा है। नीतीश कुमार से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने वाले प्रशांत किशोर से बीबीसी ने एक इंटरव्यू में जब ये सवाल किया था कि उनको कितनी सीटों पर जीत का भरोसा है तो उनका कहना था कि या तो उनकी पार्टी अर्श पर होगी या फर्श पर। उनकी पार्टी सभी 243 सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारेगी और वो बेरोजगारी, पलायन और शिक्षा के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा बिहार में एक और नई पार्टी का उदय हुआ है। तीन महीने पहले आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को उनकी एक फ़ेसबुक पोस्ट के बाद पार्टी से निकाल दिया था। अब उन्होंने अपनी एक नई पार्टी बना ली और इसका नाम रखा है जनशक्ति जनता दल।

चुनाव के मुख्य मुद्दे क्या हैं?

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए यह कहकर मैदान में उतर रही है कि उसने राज्य का हर तरह से विकास किया है और युवाओं को रोजगार देने के साथ-साथ लड़कियों-महिलाओं के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। वहीं, महागठबंधन रोजगार, पेपर लीक समेत एसआईआर को लेकर एनडीए को घेर रही है और युवाओं से सरकारी नौकरियां तथा रोजगार सृजन समेत कई वादे कर रही है। राज्य में तेजस्वी यादव के साथ 'वोट अधिकार यात्रा' करते हुए राहुल गांधी ने लगातार एसआईआर और 'वोट चोरी' का मुद्दा उठाया। हालांकि, बीजेपी और जेडीयू इसे विपक्षी दलों की हताशा वाली राजनीति बता रही है और उनका आरोप है कि अगर महागठबंधन की सरकार बनी तो राज्य का विकास रुक जाएगा।

अब तक कितने विधानसभा चुनाव हो चुके हैं?

1952 से बिहार में विधानसभा चुनाव की शुरुआत हुई थी। इसके बाद से 2020 तक बिहार में 17 बार विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। साल 2005 की फरवरी में हुए चुनाव में सरकार नहीं बन पाने के कारण अक्तूबर में फिर से चुनाव आयोजित करने पड़े थे।

आज़ादी के बाद पहले चुनाव में क्या हुआ था?

आज़ादी के बाद पहली बार हुए 1951 के चुनाव में कई पार्टियों ने भाग लिया, लेकिन कांग्रेस ही उस समय सबसे बड़ी पार्टी थी। इन चुनाव में कांग्रेस को 322 में से 239 सीटें मिली थीं। 1957 के चुनाव में भी कांग्रेस ही सबसे बड़ी पार्टी बनी। उसे 312 में से 210 सीटें मिली थीं। 1962 के चुनाव में कांग्रेस को 318 में से 185 सीटों के साथ बहुमत हासिल हुआ था। उसके बाद स्वतंत्र पार्टी को सबसे ज़्यादा 50 सीटें मिली थीं।

-साभार bbc.com/hindi

आज का प्रेरक प्रसंग

भारत की पावन भूमि पर कई संत-महात्मा अवतरित हुए हैं, जिन्होंने धर्म से विमुख सामान्य मनुष्य में अध्यात्म की चेतना जागृत कर उसका नाता ईश्वरीय मार्ग से जोड़ा है। ऐसे ही एक अलौकिक अवतार गुरु नानकदेव जी हैं। कहा जाता है कि गुरु नानकदेवजी का आगमन ऐसे युग में हुआ जो इस देश के इतिहास के सबसे अंधेरे युगों में था। उनका जन्म 1469 में लाहौर से 30 मील दूर दक्षिण-पश्चिम में तलवंडी रायभोय नामक स्थान पर हुआ जो अब पाकिस्तान में है। बाद में गुरुजी के सम्मान में इस स्थान का नाम ननकाना साहिब रखा गया। श्री गुरु नानकदेव संत, कवि और समाज सुधारक थे।

धर्म काफी समय से थोथी रस्मों और रीति-रिवाजों का नाम बनकर रह गया था। उत्तरी भारत के लिए यह कुशासन और अफरा-तफरी का समय था। सामाजिक जीवन में भारी भ्रष्टाचार था और धार्मिक क्षेत्र में द्वेष और कशमकश का दौर था। न केवल हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच में ही, बल्कि दोनों बड़े धर्मों के भिन्न-भिन्न संप्रदायों के बीच भी।

इन कारणों से भिन्न-भिन्न संप्रदायों में और भी कट्टरता और बैर-विरोध की भावना पैदा हो चुकी थी। उस वक्त समाज की हालत बहुत बदतर थी। ब्राह्मणवाद ने अपना एकाधिकार बना रखा था। उसका परिणाम यह था कि गैर-ब्राह्मण को वेद शास्त्राध्यापन से हतोत्साहित किया जाता था। निम्न जाति के लोगों को इन्हें पढ़ना बिलकुल वर्जित था। इस ऊँच-नीच का गुरु नानकदेव पर बहुत असर पड़ा। वे कहते हैं कि ईश्वर की निगाह में सब समान हैं।

ऊंच-नीच का विरोध करते हुए गुरु नानकदेव अपनी मुखवाणी %जपुजी साहिब% में कहते हैं कि %नानक उत्तम-नीच न कोई% जिसका भावार्थ है कि ईश्वर की निगाह में छोटा-बड़ा कोई नहीं फिर भी अगर कोई व्यक्ति अपने आपको उस प्रभु की निगाह में छोटा समझे तो ईश्वर उस व्यक्ति के हर समय साथ है। यह तभी हो सकता है जब व्यक्ति ईश्वर के नाम द्वारा अपना अहंकार दूर कर लेता है। तब व्यक्ति ईश्वर की निगाह में सबसे बड़ा है और उसके समान कोई नहीं।

नानक देव की वाणी में :-

नीचा अंदर नीच जात, नीची हूं अति नीच।
नानक तिन के संगी साथ, वडियां सिऊ कियां रीस॥

समाज में समानता का नारा देने के लिए नानक देव ने कहा कि ईश्वर हमारा पिता है और हम सब उसके बच्चे हैं और पिता की निगाह में छोटा-बड़ा कोई नहीं होता। वही हमें पैदा करता है और हमारे पेट भरने के लिए खाना भेजता है।

नानक जंत उपाइके, संभालै सभनाह।
जिन करते करना कीआ, चिंताभिकरणी ताहर॥

जब हम 'एक पिता एकस के हम वारिक' बन जाते हैं तो पिता की निगाह में जात-पात का सवाल ही नहीं पैदा होता।

अंकुश लगाना : 2025 का फिजियोलॉजी या चिकित्साशास्त्र का नोबेल पुरस्कार

शरीर विज्ञान (फिजियोलॉजी) या चिकित्साशास्त्र (मेडिसिन) के 2025 के नोबेल पुरस्कार ने उन खोजों को मान्यता दी है, जिन्होंने स्वप्रतिरक्षी (ऑटोइम्यून) विनियमन से जुड़ी वैज्ञानिक समझ को बदल दिया है। आज, शोधकर्ता इन विकारों के आनुवंशिक, आणविक और पर्यावरणीय निर्धारकों का पता लगा रहे हैं, जिससे शीघ्र निदान और लक्षित उपायों का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। इस प्रगति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मैरी ब्रुन्को, फ्रेड रैम्सडेल और शिमोन सकागुची के शोध का नतीजा है, जिन्होंने नियामक टी-कोशिकाओं (ट्रेग्स) और प्रतिलेखन कारक स्न्हङ्गक्क्ष की भूमिका को स्थापित किया। 1990 के दशक में, प्रतिरक्षा विज्ञानियों ने परिपक्वता के दौरान स्व-प्रतिक्रियाशील टी-कोशिकाओं के विलोपन को पहले ही परिभाषित कर दिया था, फिर भी यह प्रक्रिया स्वस्थ व्यक्तियों में स्व-प्रतिक्रियाशील टी-कोशिकाओं के बने रहने की व्याख्या नहीं कर सकी। सकागुची ने अनुमान लगाया कि परिधि में एक अतिरिक्त तंत्र अवश्य काम करता होगा। साल 1995 में, उनकी टीम ने ष्ठ४ ? टी-कोशिकाओं के एक ऐसे उपसमूह की पहचान की जिन्हें चूहों के शरीर से निकालने पर अनेक स्वप्रतिरक्षी विकार पैदा हुए, जबकि उन कोशिकाओं को शरीर में दोबारा स्थापित करने से रोग की रोकथाम हुई। इसके बाद, सेलटेक चिरोसाइंस में कार्यरत ब्रुन्को और रैम्सडेल ने पाया कि नर स्कर्फी चूहों में गंभीर बहु-अंग स्वप्रतिरक्षा विकसित हो गई और जन्म के कुछ हफ्ते के भीतर ही उनकी मौत हो गई। वे उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) को एक्स गुणसूत्र तक सीमित करने में सफल रहे तथा डीएनए में एक ऐसे सम्मिलन की पहचान की, जिसने पहले से अज्ञात जीन को काट दिया था। उन्होंने इसका नाम स्न्हङ्गक्क्ष रखा और पाया कि इसके नष्ट होने से प्रतिरक्षा प्रणाली नष्ट हो जाती है। जल्द ही, नैदानिक सहयोग से घातक स्वप्रतिरक्षी विकार वाले लड़कों में स्न्हङ्गक्क्ष में उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) की जानकारी मिली। इन निष्कर्षों ने मिलकर इस बात को स्थापित किया कि आत्म-सहिष्णुता ट्रेग्स के विभेदन और रखरखाव को नियंत्रित करने वाले आणविक बदलाव पर निर्भर करती है।

आजकल, स्वप्रतिरक्षी रोगों में, प्रायोगिक उपचार का मकसद ट्रेग्स का विस्तार या स्थिरीकरण करना होता है। शुरुआती नैदानिक परीक्षणों से पता चला है कि इस कोशिका आबादी को सुदृढ़ करने से व्यापक प्रतिरक्षा दमन के बिना हानिकारक प्रतिरक्षा सक्रियण को कम किया जा सकता है। प्रत्यारोपण के दौरान, प्रत्यारोपित ऊतकों को स्वीकार करने (ग्राफ्ट एक्सेप्टेंस) की प्रक्रिया में सुधार के लिए इंजीनियर्ड ट्रेग्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। कैंसर के मामले में, शोधकर्ता स्वप्रतिरक्षा को सक्रिय किए बिना प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए ट्यूमर से संबंधित ट्रेग्स की चयनात्मक कमी या पुन:प्रोग्रामिंग की संभावनाओं का पता लगा रहे हैं। चिकित्सा से परे, पुरस्कार विजेताओं के शोध कार्य द्वारा लाए गए वैचारिक बदलाव ने प्रतिरक्षा प्रणाली को एक चालू/बंद तंत्र से हटकर सक्रियण और संयम के एक गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में पुनर्परिभाषित किया है। ब्रुन्को और रैम्सडेल ने अपना शोध कार्य उद्योग जगत के भीतर ही किया, जिससे यह भी पता चलता है कि किस प्रकार निजी क्षेत्र के अनुसंधान से महत्वपूर्ण खोजें हो सकती हैं। लेकिन अब भी, कुछ प्रतिरक्षाविज्ञानी इस क्षेत्र की वृद्धिशील प्रकृति को कम आंकने के प्रति आगाह करते हैं। एकल आणविक मार्ग के बजाय नियंत्रण की अतिव्यापी परतों सहित व्यापक परिदृश्य के सबूत के बतौर, शोधकर्ताओं को अपने ज्ञान को सुरक्षित एवं मापनीय उपचारों में तब्दील करने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। कोशिका-आधारित उपचारों की उच्च लागत ने भी उनकी सुलभता संबंधी असमानताओं को बढ़ा दिया है, जिससे नैतिक और नीतिगत चुनौतियां पैदा हुई हैं।

कौशल का पाठ और देश के युवा

शिक्षा का मुख्य आधार पाठ्यक्रम होता है। सरकारें हर कुछ अंतराल पर पाठ्यक्रम के विषय में बदलाव करती हैं, तो इससे कई बार असमंजस की स्थिति बन जाती है। नई शिक्षा नीति 2020 में हमने संकल्प लिया था कि वर्ष 2025 तक स्कूल और उच्चतर शिक्षा प्रणाली के माध्यम से कम से कम पचास फीसद विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा का अनुभव प्रदान कर देंगे। यह भी तय किया गया था कि इसके लिए लक्ष्य और समय सीमा के साथ एक स्पष्ट कार्ययोजना भी विकसित कर लेंगे। मगर ऐसा लगता है कि पाठ्यक्रम की राजनीति में हमारा कौशल कहीं खो गया। हम पिछले पांच वर्षों में इस पर चर्चा के बजाय इस तरह पाठ्यक्रम निर्माण के उधेड़बुन में उलझ गए कि किस विषय को हटाना है, कौन-सा विषय जोड़ना है और किस विषय से भविष्य का मतदाता तैयार होगा।

जब कौशल की बात की जाती है या किसी व्यावसायिक शिक्षा की बात होती है, तो हमारे पाठ्यक्रम निर्माता यह कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं कि इस तरह की कोई मांग कहीं से आती नहीं। जबकि वे इस बात का कोई जवाब नहीं दे पाते कि पाठ्यक्रम में जो विषय निर्धारित किए जाते हैं, उसकी मांग या आवाज कहां से आई है? व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम होने के पीछे प्रमुख कारण और तथ्य यह है कि हम मुख्य रूप से कक्षा आठ से ऊपर के विद्यार्थियों के कौशल की बात ही नहीं कर पाते। व्यावसायिक शिक्षा न मिल पाने के कारण अधिकतर विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति अरुचि रहती है, जिससे बीच में पढ़ाई छोड़ने की नौबत भी आती है। हमारे पाठ्यक्रम और प्रवेश के मानदंड भी व्यावसायिक शिक्षा की योग्यता वाले विद्यार्थियों के लिए अवसरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दृष्टि से

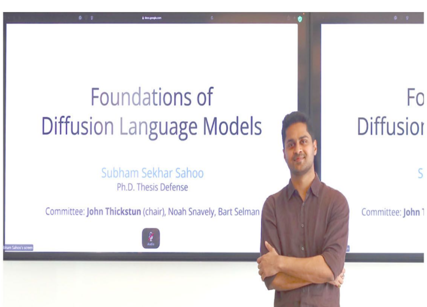

तैयार नहीं किए जाते। यही कारण है कि देश के अन्य लोगों के सापेक्ष %मुख्य धारा की शिक्षा% या अकादमिक शिक्षा से विद्यार्थी वंचित रह जाते हैं। व्यावसायिक शिक्षा के विषयों से संबंधित विद्यार्थियों के लिए हमारी शिक्षा नीति में सीधे सीधे कौशल के दृष्टिकोण से आगे बढ़ने के रास्ते पूरी तरह बंद हैं।

बारहवीं पंचवर्षीय योजना 2012 से 2017 के अनुमान के अनुसार, उन्नीस से चौबीस आयुवर्ग में आने वाले भारतीय कार्यबल के अत्यंत कम, मात्र पांच फीसद लोगों ने औपचारिक व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त की थी, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका में बावन फीसद, जर्मनी में पचहत्तर फीसद और दक्षिण कोरिया में तो छियानबे फीसद ने व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त की। भारत में व्यावसायिक शिक्षा के प्रसार में तेजी लाने की आवश्यकता को पूरी स्पष्टता से रेखांकित किया जाना चाहिए। सरकार और शिक्षाविदों

इस मर्तबा जब कौशल की बात की जाती है या किसी व्यावसायिक शिक्षा की बात होती है तो हमारे पाठ्यक्रम निर्माता यह कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं कि इस तरह की कोई मांग कहीं से आती नहीं। जबकि वे इस बात का कोई जवाब नहीं दे पाते कि पाठ्यक्रम में जो विषय निर्धारित किए जाते हैं, उसकी मांग या आवाज कहां से आई है?

को पाठ्यक्रम की राजनीति छोड़कर व्यावसायिक शिक्षा को पीछे धकेलने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करने की जरूरत है।

कौशल को पाठ्यक्रम में शामिल करने से पहले और व्यावसायिक कौशल बढ़ाने के लिए हमें एक जैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए। स्थानीय परिवेश और मांग के अनुसार व्यावसायिक शिक्षा दी जानी चाहिए। हम पाठ्यक्रम एक जैसा पढ़ा सकते हैं, लेकिन कौशल विकसित करने के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम स्थानीय जरूरत, मांग और बाजार के अनुसार ही निर्धारित करना होगा। अन्यथा यह वैसा ही होगा, जैसा पाठ्यक्रम में राजनीति होती है। बाजार को समांतर रखते हुए हमें विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा देने पर विचार करना होगा।

आने वाली भावी पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृति से परिचित होना ही चाहिए, लेकिन भारतीय इतिहास की उतनी ही जानकारी हमारे विद्यार्थियों को होनी चाहिए, जो सच-सच लिखा गया है। इतिहास बदलने और परंपराओं को परोसने का काम सरकारों को पाठ्यक्रम की राजनीति से दूर रखना होगा। सवाल है कि अगर बेरोजगारी बढ़ती है तो इससे हम कैसा ज्ञान और कैसी संस्कृति सिखाना चाहते हैं। यह जरूरी है कि बढ़ती आबादी और बढ़ती बेरोजगारी को रोकने के लिए आने वाली पीढ़ी को व्यावसायिक कौशल के माध्यम से हुनरमंद बनाया जाए। आजादी के बाद 'हर हाथ को काम मिले, हर व्यक्ति को रोटी मिले', जैसे नारे हमने दिए थे, उसे विद्यार्थियों तक हम पहुंचा नहीं सके। इसलिए यह जरूरी है कि हमारा पाठ्यक्रम व्यावसायिक शिक्षा से ओतप्रोत हो, ताकि माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी अपनी रुचि का व्यवसाय प्रारंभकर सके। विद्यार्थी परिवार पर बोझ न बने, बल्कि परिवार, समाज और देश के आर्थिक विकास में सहयोगी बन सके। यह सब माध्यमिक शिक्षा से उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के दौरान ही संभव है।

शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान और नवाचार की शिक्षा देना भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। पूरे इतिहास में दुनिया के श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के साक्ष्य और अध्ययन से पता चलता है कि सर्वोत्तम शिक्षण तथा सीखने की प्रक्रिया जहां अनुसंधान और ज्ञान सर्जन की मजबूत संस्कृति रही है, वही विश्वविद्यालय श्रेष्ठ साबित हुए हैं। नई शिक्षा नीति में विभिन्न विषयों में अनुसंधान और भारतीय ज्ञान सर्जन की परंपरा को पाठ्यक्रम में शामिल करने और दुनिया की अर्थव्यवस्था में अनुसंधान तथा नवाचार का नेतृत्व करने के लिए हमें उसकी गुणवत्ता को भी देखना होगा। उच्चतर शिक्षण के तहत गुणात्मक शोध की मानसिकता को मजबूत करने की जरूरत होनी चाहिए। हमारा कौशल वैज्ञानिक और चिंतनशील अनुसंधान को मान्यता देने और उच्च अनुसंधान को स्थापित करने से ही संभावनाएं विकसित करेगा, न कि पाठ्यक्रम में राजनीति से।

राजेंद्र जोशी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।एजेंसी। पूछपरख के चलते मंगलवार को अनाज मंडी में तुअर अच्छे मालों में बढ़त पर रहे। चना पूर्वस्तर पर कमजोर रहा। खाद्य तेलों में बाजार टिके रहे। तिलहन बाजार कमजोर बने रहे। किराना जिंसों में शक्कर सुर्ख हुई। सूखे मेवो में भी बाजार चमक पर रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में पूछपरख के चलते अच्छे मालों में बाजार तेजी के रहे। चना पूर्वस्तर पर मजबूत रहा। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। किराना जिंसों में आवकों के अभाव में बाजार तेजी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4260-4310, खोपरा गोला 325-375, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 235-240, ऊंझा हल्का 245-255, मीडियम 245-255, बेस्ट 265-285, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारि?क 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-775, गरबल 720-725, मटरदाना 795-810, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 3250-3300, विरूद्ध नगर 3150-3200, मीडियम 3350-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-980, काजू (320) 870-890, काजू एस. डब्ल्यू 840-845, काजू एस.एस. डब्ल्यू 820-825, टुकड़ी 790-870, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3750-3800, (160) 4400-4500, (200) 4900-5000, (250) 5300-5400

तेल- सींगदाना 1330-1350, मुम्बई 1360, राजकोट तेलिया 2080-2100, सोया साल्वेंट 1180-1185, सोया रिफाइंड 1240-1250, कपास्या 1240, धूलिया 1245, कड़ी 1250,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1315-1325, मुम्बई पाम 1320, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विटल)

तिलहन- सरसो 6900-7000, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 4200-4250, नया सोयाबीन 3700-4000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5200-5300, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल - चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 34.0 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।एजेंसी। मंगलवार को भी विश्व धातु बाजार की चमक से स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 153200, चॉंदी (99) 153000, टंच 152000, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 123000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 88.76 पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही करोबारी दिन अमेरिकी मुद्रा में मजबूती और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितताओं के बीच ही रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसे टूटकर 88.75 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण भी स्थानीय मुद्रा दबाव में है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.72 पर थोड़ा मजबूत खुला लेकिन जल्द ही यह एक पैसे टूटकर 88.75 प्रति डॉलर पर आ गया। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.74 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने ने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 97.86 पर आ गया।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है। आपको बेवजह के कामों में पड़ने से बचना होगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आज आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपके मन में यदि किसी काम को लेकर टेंशन चल रही थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी। आज आप अपने पिछले कामों को भी निपटाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए आलस्य को त्यागकर कामों में आगे बढ़ना होगा। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलने से आप घबरा सकते हैं, जिसमें आपके सहयोगी आपका पूरा साथ देंगे। आपको किसी से कोई बात सोच समझकर बोलनी होगी। आपकी किसी बात को लेकर आज परिवार में वाद-विवाद खड़ा हो सकता है। आप अपने घर की रंगाई-पुताई का कार्यक्रम शुरू कर सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। जीवनसाथी से आपकी कहासुनी चल रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर होगी। आपको किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती हैं। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका खर्च बढ़ेगा, लेकिन आपको ज्यादा परेशान होने की आवश्यकता नहीं है।

कर्क- आज आपका दान-धर्म के कार्यों में काफी रुचि रहेगी। परोपकार के कार्यों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए भी आप आगे आएंगे। आप संतान को कहीं घूमाने-फिराने लेकर जा सकते हैं। आपका कोई पुराना लेनदेन यदि आपको समस्या दे रहा था, तो वह भी दूर होगा। आप अपने कामों को लेकर धैर्य व संयम बनाए रखें। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आज आपकी कार्यक्षेत्र में किसी से कहासुनी होने की संभावना है। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को भी पूरा करना होगा और पिताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकते हैं। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन अपने घर कर सकते हैं। आप अपने आसपास रह रहे लोगों से भी थोड़ा सावधानी बरते क्योंकि वह आपको कोई नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए एक के बाद एक खुशखबरी लेकर आएगा। आप अपने बिजनेस के कामों में कोई बदलाव करेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। आपके बॉस से रिश्तों में भी कड़वाहट चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने घर की साज सज्जा की भी कुछ सामान की खरीदारी कर सकते हैं। आपका डूबा हुआ धन आपको मिलने की संभावना है। आपको भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लेने से बचना होगा, क्योंकि किसी कठोर निर्णय को लेने से कुछ लोग आपसे नाराज हो सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए सावधानी और सतर्कता पर रखने के लिए रहेगा। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा, इसलिए किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचें और आपको अपने आसपास रह रहे लोगों से भी सावधान रहना होगा। यदि कहीं घूमने फिरने जाएं, तो उसमें अपने कीमती सामानों की सुरक्षा अवश्य करें।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए तरक्की के मार्ग में आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको अपनी परिवार में बड़े सदस्यों की भावनाओं का सम्मान करना होगा, इसलिए आप उनसे कोई ऐसी बात ना बोले, जो उन्हें बुरी लगे। परिवार में बंटवारे को लेकर कोई कहासुनी हो सकती है। आप अपनी किसी समस्या को लेकर परेशान रहेंगे। संतान को पढ़ाई-लिखाई को लेकर आप कहीं बाहर भेज सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कोई निर्णय लेने के लिए रहेगा। आप छोटे बच्चों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपको यदि काम को लेकर कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आप अपने खर्चों को लेकर थोड़ा समझदारी दिखाएं। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। शेयर मार्केट में भी आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आपके कामों से आपको एक नई पहचान मिलेगी। आप अपने धन का इन्वेस्टमेंट किसी के कहने में आकर ना करें। पार्टनरशिप में यदि आपने किसी काम की शुरुआत की थी, तो उससे भी आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आपके मित्रों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपको किसी राजनीति से संबंधित कार्यक्रम में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। आपकी छवि निखरेगी। आपको कोई सम्मान की भी प्राप्ति हो सकती है। आप अपनी माताजी से किए हुए वादे को भी पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। संतान आपकी नौकरी से संबंधित किसी समस्या को लेकर बातचीत कर सकती है। आपको अपने बिजनेस में कुछ उतार-चढ़ाव महसूस होंगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आप अपने पारिवारिक मामलों को भी मिल बैठकर दूर करेंगे। आप किसी के लिए अपने मन में ईर्ष्या की भावना ना रखें। आप कहीं घूमने-फिरने जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। आपकी शौक-मौज की चीजों में वृद्धि होगी। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होंगे।

शब्दजाल - 8043

ह	म	मा	प	र	वा	ना	न	ह	क	र
हा	म	सू	ह	त	ल	जी	स	ल	मी	ज
ग	वी	रा	द	अं	था	त	र	ज	ल	टी.
द	र	दा	ज	ल	क	स्तु	ओ	र	सु	अ
र	आ	न	ष	ल	म	मी	छ	झे	नो	न
प	मी	प	स	जि	स्वा	क	प	ह	स	क
के	ह	बु	की	टी	म	मी	टे	न	सु	ही
न	पू	सु	पा	खा	पं.	सौ	ल	ब	र	स
मों	रे	क	सू	ह	ती	ने	ने	व	जी	त
वा	दा	म	ब	फा	दी	र	ह	ल	क	थ
म	ह	न	प	द	य	ह	है	ज	ल	वा

शब्दजाल में अमिषा पटेल की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

गदर, हमराज, परवाना, सुनो ससुरजी, आप की खातीर, यह है जलवा, वादा, अनकही, तथास्तु, जमीर,

शब्दजाल - 8042 का हल

अ	कु	र	सु	ह	म	तु	म	ला	नी	ओ
न	छ	क	ज	इं	डो	ने	ह	कि	म	म
बं	ना	आ	व	म	न	इ	क	भी	प	ज
टी	क	ल	मा	ज	ल	स	रा	अ	इ	य
औ	हो	स	र	का	र	क	र	ल	त्ते	ज
र	जे	कि	र	क	द	का	म	वी	रि	ग
ब	मा	दे	श	व	था	स	त	दा	क	दी
ब	दे	श	रा	न	प	य	र	न	व	श
ली	दि	ल	र	ले	दा	र	जा	क	वी	दे
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	र
ते	रा	जा	दु	च	ल	ग	या	ना	र	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6987

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6986

बं	ध	न	■	क्ष	त्रि	य	■	ज	ख्मी
दि	■	सी	मा	■	दे	श	प्रे	मी	■
श	बा	ब	■	दे	व	■	म	न	■
■	बु	■	जो	श	■	बा	गी	■	खु
दौ	ल	त	■	प्रो	ही	■	त	ला	शी
ड़	■	ला	■	ही	■	पा	■	ट	■
■	रे	श	नी	■	आ	प	के	सा	थ
जं	ग	■	य	की	न	■	■	ब	■
ग	■	■	त	■	बा	द	ल	■	जी
ल	की	र	■	डॉ	न	■	की	म	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

8 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.38 बजे से
चंद्र	मेष में	वृश्चिक	08.53 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.09 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.14 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.01 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	16.33 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.04 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.44 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.42 बजे से
		कर्क	23.56 बजे से
		सिंह	02.12 बजे से
		कन्या	04.24 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2025 वर्ष का 281 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वितीया 02.23 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 22.45 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 01.33 बजे रात्र को समाप्त।
करण तैतिल 16.09 बजे तदनन्तर गर 02.23 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 16.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 05° 54'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872491
जूलियन दिन 2460956.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1447
महीना रबी उस्सानी **तारीख** 15

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अध्ययन का तरीका

महर्षि रैक्य ने अपने पुत्र यवकीर्ति को ज्ञान की गरिमा का महत्व समझाया। वह इस वचन से पूर्ण आश्वस्त भी हो गया कि सद्ज्ञान से बढ़कर और कुछ भी नहीं है। फिर भी उसके मन में यह भ्रम बना रहा कि मनोयोगपूर्वक अध्ययन से ही ज्ञान की उपलब्धि संभव है। वह चाहता था कि इसका कोई सरल मार्ग मिल जाए। उसने सोचा कि तप करने से जब बहुत सिद्धियां मिल सकती हैं, तो साधना द्वारा ही उसे क्यों न प्राप्त कर लिया जाए। लंबे समय तक पढ़ते रहने का झंझट क्यों उठाया जाए। वह तपस्या करने लगा। पिता ने उसे समझाया कि ज्ञानार्जन भी तप ही है, लेकिन पिता का वचन पुत्र की समझ में नहीं आया। यवकीर्ति स्नान के लिए नदी के जिस घाट पर जाया करता था, उस पर एक वृद्ध ब्राह्मण भी आने लगे। वह मुट्ठी भर-भर कर पानी में रेत डालते रहे। यवकीर्ति ने कई दिनों तक तो ध्यान नहीं दिया, पर आखिरकार उससे रहा न गया और उसने ऐसा करने का कारण पूछ ही लिया। वृद्ध ने कहा, 'नदी पार जाने में समय लगता है, इसलिए सोचा, क्यों न नदी में रेत डालकर पार जाने के लिए बांध बना लूं।' यवकीर्ति हंसने लगा। उसने कहा, 'भगवन, हर काम का एक तरीका होता है। उसकी निश्चित प्रक्रिया होती है। आप पार जाने के लिए दूसरे संभव तरीके अपनाएं और इस बाल क्रीड़ा को छोड़ दें।' इस पर ब्राह्मण ने कहा, 'ठीक कहा आपने। इसी तरह ज्ञान प्राप्त करने की भी निश्चित प्रक्रिया होती है।' यवकीर्ति को बात समझ में आ गई।

सूडोकु नवताल- 7296

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7295 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 8511

बाएँ से दाएँ

1. घ्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत,मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा,मदद-3
8. आश्रय,शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म,भाग्य-3
11. दासत्व,गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा,लालसा-3
15. दुगना,दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी,साजन-3
21. कैनाल,उपनदी-3
23. जीवन सत्व,प्राण-2
24. प्रहार,आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. अभिमान-2
2. मारना,वध करना-2
3. नृत्य,कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात,अनाम-3
7. नदी,दरिया-3
8. जांच,परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश,विध्वंस-3
14. अंजन,नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक,संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड,शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण,जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -8510 का हल

ह	क	■	सा	ग	र	■	म	जा
द	म	न	■	म	वा	ली	■	म
■	र	म	ल	■	ना	प	ना	■
स	■	क	ह	र	■	ना	का	म
ली	न	■	जा	त	क	■	रा	जा
का	र	क	■	न	ह	र	■	क
■	म	म	ता	■	वा	च	न	■
ना	■	ल	क	वा	■	ना	य	क
व	र	■	त	र	फ	■	न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को मामुली तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर बीएसई सेंसेक्स 136.63 अंक बढ़कर 81,926.75 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30.65 अंक ऊपर आकर 25,108.30 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी उछाल आया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 274.30 अंक बढ़कर 58,289.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 55.35 अंक उछलकर 17,983.40 पर पहुंच गया। रियल्टी शेयरों से बाजार उछला। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 1.09 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। निफ्टी ऑटो 0.28 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.24 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.24 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.28 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.37 फीसदी उपर आकर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक 0.41 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.53 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.28 फीसदी और निफ्टी मीडिया 0.48 फीसदी टूटकर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, और मारुति सुजुकी सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, इन्फोसिस, एसबीआई, एचयूएल, कोटक महिंद्रा, बीईएल, टाइटन और टीसीएस के शेयर सबसे अधिक गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 93 अंक की बढ़त लेकर 81,883.95 पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 37.90 अंक की बढ़त के साथ 25,115.55 पर खुला। वहीं एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई लगातार दूसरे ट्रेडिंग सेशन में रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा, जिसे वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों में तेजी ने समर्थन दिया निक्केई 0.81 फीसदी ऊपर था, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.67 फीसदी नीत नीचे रहा। वहीं, चीन के मेनलैंड इंडेक्स सीएसआई 300 में 0.45 फीसदी की बढ़त देखी गई और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.7 फीसदी ऊपर रहा। वहीं वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स भी मिलेजुले रुख के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.36 फीसदी चढ़कर और नैस्डैक 0.71 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। जबकि डॉव जोन्स 0.14 फीसदी गिरकर बंद हुआ।

कई शहरों में पेट्रोल-डीजल हुआ सस्ता, कहीं बढ़े भाव

नई दिल्ली ।एजेंसी। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार को घरेलू बाजार में खुदरा रेट भी जारी कर दिए हैं। सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार को कई शहरों में तेल की कीमतों में कटौती की है तो कुछ शहरों में दाम बढ़ा दिए हैं। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 6 पैसे बढ़त के साथ 94.77 रुपये लीटर हो गया तो डीजल भी 8 पैसे उछलकर 87.89 रुपये लीटर बिक रहा है। गाजियाबाद में पेट्रोल 5 पैसे सस्ता होकर 94.70 रुपये लीटर हो गया है तो डीजल भी 5 पैसे सस्ता हो गया है और 87.81 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 30 पैसे सस्ता हुआ और 105.23 रुपये लीटर हो गया, जबकि डीजल की कीमतें 28 पैसे गिरकर 91.49 रुपये लीटर हो गई है। कच?चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में गिरावट आई है. ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 65.55 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी गिरावट के साथ 61.77 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

जीएसटी रिफंड प्रक्रिया होगी स्वचालित, सरकार कर रही विचार- सीबीआईसी सदस्य

नई दिल्ली ।एजेंसी। सरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की रिफंड प्रक्रिया को आयकर प्रणाली की तर्ज पर स्वचालित करने पर विचार कर रही है। यह सुधार जीएसटी 3.0 के तहत प्रस्तावित है, जिससे करदाताओं को तेज़ और पारदर्शी सेवाएं मिल सकें। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के एक सदस्य (जीएसटी) ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा कि सरकार इस दिशा में सकारात्मक सोच रखती है, लेकिन फिलहाल कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि इससे पहले उचित परामर्श और सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार पहले ही जीएसटी 2.0 के तहत 1 अक्टूबर 2025 से उल्टे शुल्क ढांचे में 90 फीसदी रिफंड की अनंतिम मंजूरी की व्यवस्था कर चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार निर्यात और उल्टे शुल्क मामलों के अलावा त्रुटिपूर्ण कर भुगतान, गलत वर्गीकरण और जांच या अपील के दौरान जमा राशि के लिए भी रिफंड दावे होते हैं। फिलहाल इन दावों में दस्तावेज़ों की दोहराव मांग और सत्यापन में देरी जैसी समस्याएं आती हैं। सरकार ऐसे मामलों की भी जांच कर रही है जिनमें भविष्य में विवाद उत्पन्न हो सकते हैं, जैसे अनुसूची-1 लेनदेन। स्वचालित रिफंड प्रक्रिया से न केवल करदाताओं को राहत मिलेगी, बल्कि व्यवस्था में पारदर्शिता और विश्वास भी बढ़ेगा।

वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के तहत मैराथन दौड़ का हुआ भव्य आयोजन

बालिका वर्ग में पायल लिल्हारे एवं बालक वर्ग में देवेंद्र गोदूले रहे प्रथम

पद्मेश न्यूज। लांजी।

वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी द्वारा वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह (1 से 7 अक्टूबर) के अवसर पर जन जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी के तहत 7 अक्टूबर को प्रात: 7 बजे सालेटेकरी मार्ग पर उत्कृष्ट विद्यालय के सामने मैराथन दौड़-2025 का आयोजन किया गया। यह मैराथन दौड़ बालक और बालिका वर्ग में आयोजित की गई, जिसमें 135 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस आयोजन का उद्देश्य वन्य जीव संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता लाना और युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करना था।

मैराथन का शुभारंभ उपवनमंडलाधिकारी राकेश अड़कने और वन परिक्षेत्राधिकारी सपन ताम्रकार ने हरी झंडी दिखाकर किया। दौड़ उत्कृष्ट विद्यालय के सामने से शुरू होकर सालोटोकरी रोड, कटंगनाला तक 5 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए वापस उत्कृष्ट विद्यालय के सामने समाप्त हुई। इस दौरान प्रतिभागियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ दौड़ में भाग लिया।

मैराथन दौड़ बालिका वर्ग में पायल लिल्हारे (बालाघाट) ने प्रथम स्थान, शशिकला भटेरे (सिर्री) ने द्वितीय स्थान और रिया नागफासे (सिवनीखुर्द) ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं, बालक वर्ग में देवेंद्र गोदूले (लांजी) ने पहला, दीपांशु नागोशे (बालाघाट) ने दूसरा और राकेश क्षीरसागर (कटंगी) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी गई।

पुरस्कार वितरण समारोह क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करहि के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष बिसोनी देवेश एड़े और वन सभापति महेश चौधरी भी उपस्थित थे। विजेताओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के साथ क्रमश: 3000, 2000 और 1000 रुपये के नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण के दौरान उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला।

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करहि ने अपने संबोधन में कहा, वन्य जीव संरक्षण सप्ताह के तहत वन विभाग द्वारा आयोजित यह मैराथन प्रतियोगिता अत्यंत सराहनीय है। इस आयोजन में पूरे जिले के बच्चों ने हिस्सा लिया, जो न केवल जागरूकता बढ़ाने में सहायक है, बल्कि बच्चों की प्रतिभा को निखारने का भी एक शानदार मंच है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे आयोजनों से क्षेत्र की उत्कृष्ट प्रतिभाएं सामने आती हैं। श्री करहि ने अवंतिबाई स्टेडियम को और विशाल व बेहतर बनाने का आश्वासन दिया, साथ ही विधानसभा क्षेत्र में भविष्य में कई खेल मैदानों के निर्माण की योजना की जानकारी दी।

इस मैराथन के सफल आयोजन में पुलिस स्टाफ और स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ भी सक्रिय रूप से मौजूद रहा। वन विभाग के परिक्षेत्र सहायक श्यामलाल चिचले, रवींद्र कुमार सोनवाने, पवन पटले, अमोल सिंह धुर्वे, संजय विश्वकर्मा, करीम खान, वनरक्षक विशाल आसटकर, भरतलाल नेवारे, अमरदीप गजभिये, अमरनाथ नंदा, अभिषेक सोनी, राजेंद्रनाथ बड़गुज्जर, कुलदीप मंडले, कन्हैयालाल गायकवाड़, विवेक बंसोड़, नेमेंद्र मलघाटी, काशीराम हनोते, संजय दुरूगकर, विभूति नाथ झा, गुलशन कुमार विजयवार, रत्नकला भलावी, संगीता कोकोड़े, प्रियंका रामटेके, नकुल वड़करे, सुखदेव मरकाम, नरेंद्र बड़गैया सहित वन विभाग के सुरक्षा श्रमिक और नगर के आमजन भी उपस्थित रहे।

नगर में धूमधाम से मनाया गया शरदोत्सव

जगह-जगह हुआ प्रसादी का वितरण

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर व क्षेत्र में अमृत महोत्सव शरद पूर्णिमा पर्व 6 अक्टूबर को रात्रि में आस्था व श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर नगर के घरों, चौक चौराहों व मंदिरों में भजन-पूजन व संगीत के विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। शरद पूर्णिमा के अवसर पर लोगों द्वारा खुले आसमान के नीचे खीर पकाकर देर रात्रि तक रखी गई एवं रात्रि 12 बजे के उपरांत भगवान की पूजा अर्चना कर एवं भगवान को भोग लगाकर प्रसादी का वितरण किया गया। नगर के बालाघाट रोड़ हाऊबाग में हाऊबाग के महाराजा गणेश उत्सव समिति द्वारा, पुराने गुजरी चौक में सिंह वाहिनी दुर्गा उत्सव समिति द्वारा एवं सालेटेकरी मार्ग पर सादर मित्र मंडल द्वारा खीर बनाकर प्रसादी का वितरण किया गया। इसी तरह मां लंजकाई मंदिर, नया राम मंदिर, मनेरी फाटक, पुराना राम मंदिर, शीतला माता मंदिर सहित सुन्दरटोला, पूर्वाटोला, दखनीटोला सहित आदि जगहों पर शरद पूर्णिमा हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर नगर के प्रमुख देवी मंदिरों में भजन-जस गायन कर देर रात्रि तक जागरण किया गया। मंदिरों एवं सार्वजनिक स्थलों में खीर बनाकर प्रसादी के रूप में वितरण किया गया। इसके अलावा घरों एवं चौराहों में भी खीर बनाकर वितरण किया गया। इस तरह लोगों ने रात्रि में जागरण कर 12 बजे के उपरांत अमृत रूपी खीर का आनंद लिया।

लापता मंगल बुढानसा का 5 दिन बाद पेड़ पर लटका मिला शव

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिरेगांव निवासी मंगल पिता फुन्नूलाल बुढानसा उम्र लगभग 48 वर्ष जो कि विगत 2 अक्टूबर से लापता था जिसकी मोटर सायकल 4 अक्टूबर को कान्द्रीघाट के जंगल मार्ग पर बटालियन कैंप के समीप पाई गई थी तभी से मंगल बुढानसा की सतत तलाश व पतासाजी की जा रही थी, जिनका शव 7 अक्टूबर को बहेला एवं लांजी पुलिस के द्वारा कान्द्रीघाट दुर्गा मंदिर से करीब 1 किमी की दुरी पर पेड़ पर लटकी पाई गई। बतादे कि मंगल बुढानसा अपने ग्राम सिरेगांव से दशहरा पर्व मनाकर अपने धर पंहुचा था तथा मंगल की बेटी दुर्गा पण्डाल से वापस नही आने के चलते मंगल अपनी बेटी को लेने दुर्गा पण्डाल गया हुआ था जो कि घर वापस नही आया। 2 अक्टूबर से लगातार लांजी पुलिस सहित परिजनों के द्वारा मेंगल की खोजबीन की जा रही थी लेकिन कुछ भी पता नही चल पाया था।

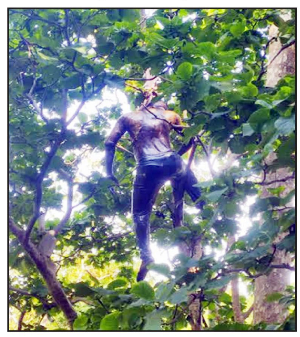

इसी बीच 4 अक्टूबर को मंगल बुढानसा की मोटर सायकल लांजी खैरागढ़ मार्ग पर कान्द्रीघाट के समीप बटालियन कैंप के पास चालू हालात में मिली थी। पता करने पर ज्ञात हुआ की यह मोटर सायकल मंगल बुढानसा की है लेकिन मंगल कोई पता नही चल पाया था जो कि 7 अक्टूबर को जब मंगल के परिजन और लांजी तथा बहेला पुलिस के जवान पतासाजी कर रहे थे तथा मोटर सायकल के मिले स्थान के अनुसार आस पास जब पतासाजी की गई तो कान्द्रीघाट दुर्गा मंदिर से करीब 1 से देढ किमी के स्थित घने जंगलो में एक बंडे से वृक्ष में मंगल बुढानसा का अपनी ही शर्ट का उपयोग कर उसका फंदा बनाकर फांसी पर झूलता हुआ नजर आया जिसकी सूचना पुलिस के द्वारा अपने अधिकारियों को दी गई तथा कानूनी कार्यवाही पूर्ण कर मंर्ग पंचनामा बनाकर शव को वृक्ष से नीचे उतारा गया तथा शव को सिविल अस्पताल लांजी लाया गया। देर शाम हो जाने के कारण शव का पीएम आज 8 अक्टूबर को किया जायेगा।

बतादे कि मंगल बुढानसा विगत 2 अक्टूबर से अपने गांव सिरेगांव से लापता था जिसका शव 7 अक्टूबर को एक घने जंगल में बरामद हुआ है। जिसको लेकर परिजनों ने संदेह या आशंका व्यक्त की है कि यह आत्महत्या नही है हत्या की गई है। यदि किसी को आत्महत्या करना होता तो वह अपने गांव के घर के आस पास कर लेता मंगल इतने दुर भाडरा क्षेत्र के जंगलो में क्यों गया जो कि घने जंगलो के लिये जाना जाता है। यह पूरा प्रकरण एक संदेह उत्पन्न करता है जिसको लेकर परिजनो ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच कि मांग कि है कि मंगल बुढानसा से संबधित सभी तथ्यो की सुक्ष्मता से जांच की जाये।

मोहझरी में हुआ 3 दिवसीय बोल कबड्डी खेल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

अवारीटोला कारंजा रही विजेता व उपविजेता मोहझरी

पद्मेश न्यूज। लांजी।

जनपद पंचायत क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत मोहझरी में 3 दिवसीय बोल कबड्डी खेल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका समापन शरद पूर्णिमा 6 अक्टूबर जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे के मुख्यातिथ्य में किया गया। बोल कबड्डी खेल कबड्डी प्रतियोगिता मे क्षेत्र की 16 टीमों ने हिस्सा लिया। सभी प्रतियोगिता अन्तर्राष्टीय नियमों के तहत खेले गये। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जनपद उपााध्यक्ष अजय अवसरे, रेवाजी करहाटकरे, ललित कामड़े, महेन्दअवसरे प्राचार्य, गणेश कावड़े, प्रकाश रावते, रोशन नखाते, उमेश अवसरे, विजय नखाते, लेखराज नखाते, पूरणलाल अवसरे, ठगेन्द्र नाकतोड़े अरूण रावते, जुगल भूते, गिरीश नाकतोड़े, तुकडिया डोहरे, अमृत लाल ठाकरे, गोरेलाल नखाते, जमादार अवसरे, रोहित अवसरे, मंजू देशमुख, सुरज नखाते, तिलक नखाते, जयचंद नखाते सहित गणमान्य ग्रामीण गण एवं खिलाडियों उपस्थिती में प्रतियोगिता का समापन किया गया। जिसमें विजेता टीम अवारीटोला कारंजा, उपविजेता मोहझरी टीम रही जिन्हे समिति किओर से प्रथम पुरस्कार 9999 रूपये द्वितीय पुरस्कार 5555 रूपये विजेता एवं उपविजेता टीम को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न पुरस्कारो के तहत टॉप बेकर्स भानेगांव की ओर से विजेता टीम आवारीटोला को ट्रॉफी प्रदान की, उपविजेता को रवि फ्लेक्स भानेगांव की ओर से ट्रॉफी से सम्मानित किया। भूते ऑप्टिकल भानेगांव की ओर से बेस्ट रेडर और बेस्ट डिफेन्डर को चश्मे प्रदान किये गये। बेस्ट खिलाड़ियो को वन्द्र भारत पब्लिक स्कूल मोहझरी की ओर ट्रॉफी प्रदान की गई।

खेल हमारी सस्कृति का अभिन्न अंग है- अवसरे

बोल कबड्डी खेल कबड्डी प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि की आसंदी से जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे के द्वारा खिलड़ियो जनता को संबोधित करते हुये कहा कि खेल हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। कबड्डी जैसे पारंपरिक खेल ना केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढावा देते है बल्कि सामाजिक एकता व अनुशासन की भावना भी जागृत करते है। विजया दशमी से शरद पूर्णिमा तक चले इस आयोजन ने युवाओ में जोश भर दिया है। सभी खिलाड़ियो का उत्साह देखकर गर्व होता है। ग्रामीण जनो अपील है कि ऐसे आयोजन को हमेशा प्रोत्साहित करते रहे ताकि हमारे ग्राम खेल के माध्यम स्वस्थ और मजूबत बने रहे तथा हमारे ग्रामो से अनेको प्रतिभायें निकलकर क्षेत्र का और अपना नाम रोशन करे ताकि हमारा गांव भी खेल जुडा व जाना जाये। श्री अवसरे ने युवाओ को नशे से दुर रहने का आव्हान करते हुये कहा कि यदि आप नशे के आदि हो जाओगे तो आप अपनी जिंदगी में कुछ नही कर सकते इसलिये नशे को दुर रखे और खेल को अपने करीब। अंत में आपने आयोजन में बडी संख्या मे पंहुचे खिलाडी और युवाओ को बधाई प्रेषित करे हुये उज्जवल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में आयोजन समिति से संतोष नाकतोडे, केके रावते, गजेन्द्र अवसरे, अखिलेश नाकतोड़े, हेमन्त उरकुडे, शुभम नखाते, हेमन्त नखाते, बल्लव उरक़डे, विशाल रावते, दुर्गेश अवसरे, देवा रावते, रितेश मिसारे, गौरव नखाते, शुभम अवसरे, पवन पारधी, नरेश बागड़े, महेश भागड्कर, कैलाश मिसारे, राजा अवसे, महेन्द्र भुते, कुंवरलाल नाकतोड़े, सोनी राम खरखाटे, देवराम मिसारे के द्वारा इस सफल आयोजन सभी अतिथियो, ग्रामीण जन तथा खिलाड़ियो एवं टीमो का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया गया। तथा आगामी दौर में इस तरह के आयोजन के लिये संकल्पित हुये।

शीतला माता मंदिर में मनायी गई शरद पूर्णिमा

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर व क्षेत्र में अमृत महोत्सव शरद पूर्णिमा पर्व 6 अक्टूबर को रात्रि में आस्था पूर्वक मनाया गया। नगर के मां शीतला माता मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। रात्रि में मंदिर के सामने सिंघाड़ा एवं मेवा मिष्ठान मिलाकर खीर बनाई गई एवं देर रात्रि तक खुले आसमान के नीचे रखी गई। इस दौरान मां शीतला भजन मंडली द्वारा शरदोत्सव के भजन गीत गाकर रात्रि करीब 12.30 बजे आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष अनिल पप्पू पशीने, नंदकिशोर कामरी, राजेश कामरी, राजेंद्र कामरी, सुरेन्द्र बड़घैया, मेहतर कुचलाहे, कौडुलाल कुचलाहे, चैत बड़मे, विजय मोहारे, शिवम कामरी वार्ड वासियों का सहयोग रहा।

हाऊबाग के महाराजा श्री गणेश उत्सव समिति ने धूमधाम से मनाया शरदोत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर के हाऊबाग बालाघाट रोड पर स्थित हाऊबाग के महाराजा श्री गणेश उत्सव समिति द्वारा शरदोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 6 अक्टूबर को आयोजित हुआ, जो आश्विन मास की पूर्णिमा तिथि पर संपन्न शरद पूर्णिमा के अवसर पर था। शरद पूर्णिमा को हिंदू धर्म में विशेष महत्व प्राप्त है, क्योंकि इस दिन चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से पूर्ण होकर अमृत की वर्षा करता है। इसे कोजागरी पूजा के नाम से भी जाना जाता है, जहां मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। पंचांग के अनुसार, इस वर्ष शरद पूर्णिमा की पूर्णिमा तिथि 6 अक्टूबर को दोपहर 12 बजकर 24 मिनट से प्रारंभ होकर 7 अक्टूबर को सुबह 9 बजकर 18 मिनट तक रही, जिसके कारण मुख्य पर्व 6 अक्टूबर को मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत रात्रि 8 बजे से हुई, जिसमें गायत्री महिला मंडल अमेड़ा पा की महिलाओं सावित्री बड़घैया, रामकली बाई बडघैया, सरिता बड़घैया, जयशीला कोसरे, सीमा ठाकरे तथा लिलेश्वरी उइके ने भक्ति भरे जस एवं भजनों की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही ढोलक वादन जियालाल रक्से, हारमोनियम पर गणेश खेरो और गोला लक्ष्मण कोसरे द्वारा जस गीतों का भावपूर्ण प्रदर्शन किया गया। ये प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं को गहराई से प्रभावित करने वाली रहीं, जो माता रानी और शरद पूर्णिमा के महत्व को दर्शाती हुईं। कार्यक्रम रात्रि 12.30 बजे आरती के साथ समाप्त हुआ, उसके बाद खीर प्रसादी का वितरण किया गया। खीर प्रसाद शरद पूर्णिमा का प्रमुख हिस्सा है, जो चंद्रमा की अमृत जैसी किरणों में रखी जाती है ताकि सुख-समृद्धि प्राप्त हो।

हाऊबाग के महाराजा श्री गणेश उत्सव समिति के सदस्यों ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रमुख सदस्यों में कौशिक सातपुते, वैभव सोलंकी, सुरेन्द्र बड़घैया, दिनेश रामटेककर, आलोक चौरसिया, विकास तिड़के, वैभव ठाकरे, रोहित विश्वकर्मा, लवकुश कलपुरे, महेंद्र बड़घैया, नरेन्द्र बड़घैया, नरेन्द्र सातपुते तथा टी एल कटरे शामिल थे। इसके अलावा, वार्ड की बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष भी उपस्थित रहे, जिन्होंने

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने अधिकारियों को पढ़ाया सुशासन का पाठ, दी नसीहत -

'गांव में रात बिताएं, लोगों से संवाद करें'

मध्यप्रदेश के सभी 55 जिलों के कलेक्टर, एसपी समेत 250 से अधिक शामिल हुए

भोपाल (एजेंसी। कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में मंगलवार को आयोजित दो दिनी कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को सुशासन का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि अधिकारी ड्राइविंग सीट पर न आएं बल्कि आसपास रहकर व्यवस्थाओं का संचालन करें। लगातार दौरे करें, किसी गांव में रात्रि विश्राम भी करें और लोगों से संवाद करें। इस दौरान छात्रावास, स्कूल, आंगनबाड़ी, राशन दुकान, निर्माण कार्यों, हॉस्पिटल आदि का औचक निरीक्षण भी करें। उन्होंने अफसरों को यह भी ताकीद किया गया है कि जनप्रतिनिधियों का सम्मान करें और उनके सुझावों को सुनकर आवश्यकता के अनुसार मानें। कॉन्फ्रेंस में मध्यप्रदेश के सभी 55 जिलों के कलेक्टर, एसपी समेत 250 से अधिक आईएएस, आईपीएस और राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी शामिल हो रहे हैं। यादव के कार्यकाल में यह पहली फिजिकल कॉन्फ्रेंस हो रही है।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि जनता का विश्वास हमारी सबसे बड़ी पूंजी है, हमें यह विश्वास बनाए रखना है। हमने प्रदेश में जवाबदेह शासन व्यवस्था स्थापित की है। प्रदेश में सुशासन और समावेशी विकास पर जोर देते हुए सीएम यादव ने कहा कि सभी लोक सेवक प्रदेश के समग्र और समावेशी विकास के लिए प्राण-प्रण से कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जनता के कल्याण के लिए शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को एकजुट होकर मिशन मोड में काम करना होगा। लोक सेवकों की जिम्मेदारी है कि वे अपनी प्रतिभा, लगन, क्षमता और समर्पण के साथ जनता तक योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सब देश और समाज के विकास का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासन का अंतिम उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याण की किरण पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सरकार सबके साथ, सबके लिए खड़ी है। जनता में यह विश्वास पैदा करना ही सुशासन का सबसे बड़ा उद्देश्य है। प्रदेश में जनता का विश्वास हमें मिल रहा है। यही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है और हमें यह जनविश्वास हर हाल में बनाए रखना है।

अपनी पहचान कायम करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में इसी बात पर मंथन किया जाएगा कि शासन व्यवस्था को और अधिक सहज, सरल, बेहतर, पारदर्शी और विकेंद्रीकृत कैसे बनाया जाए, ताकि योजनाओं का लाभ और अधिक शीघ्रता से जनता तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फील्ड में पदस्थ अधिकारी अपने काम और नवाचार से अपनी पहचान कायम करें। किसी भी ज्वलंत विषय पर पूरी दक्षता और तथ्यों के साथ अपनी बात रखें। स्थानीय जनता, मीडिया, जनप्रतिनिधियों और शासन, प्रशासन से निरंतर आत्मीय संवाद बनाए रखें।

कमिश्नर-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर भोपाल में दो दिवसीय कमिश्नर-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन बुधवार 8 अक्टूबर को कानून व्यवस्था सहित ग्रामीण जन-जीवन से जुड़े बिन्दुओं पर विमर्श होगा। कॉन्फ्रेंस में प्रत्येक क्षेत्र में राज्य सरकार की प्राथमिकताएं बतायी जायेंगी। कॉन्फ्रेंस में 8 अक्टूबर को 3 सत्र होंगे और प्रत्येक सेक्टर के लिए 75 मिनट का सत्र समय रखा गया है।

विनम्र विद्यार्थी की तरह जिम्मेदारी निभाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परमात्मा ने यदि हमें समाज के लिए काम करने का दायित्व दिया है तो हमें एक विनम्र विद्यार्थी की तरह इस दायित्व का निर्वहन करना ही चाहिए। हर दिन, हर तरीके से नई चीजें सीखें और अपनी दक्षता और अनुभव से उनका बेहतर क्रियान्वयन करें। लक्ष्य यह रखें कि नवाचार का समाज को अधिकतम लाभ मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता को गुड गवर्नेंस लाभ दिलाने के लिए व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता है, तो वह भी जरूर करें। सभी फील्ड अधिकारी जनप्रतिनिधियों एवं आम जनता से संवाद अनिवार्य रूप से बनाए रखें। आमजन से मिलने की व्यवस्था और जनसुनवाई को और भी बेहतर बनाएं। सीएम ने कहा कि जिलों में कई बार स्थानीय मीडिया, सोशल मीडिया में नकारात्मक खबरें छपती हैं, इनको वेरीफाई कर इनका तत्काल खंडन किया जाना चाहिए। आज सोशल मीडिया की पहुंच जन-जन तक है। शासन के द्वारा किए जा रहे लोक-कल्याणकारी कार्यों को सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया जाए।

सीएम ने की गुलाब की खेती पर गुना कलेक्टर की प्रशंसा

कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस-2025 के पहले सेशन कृषि एवं संबद्ध सेक्टर्स में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स अपने-अपने जिलों में साप्ताहिक मार्केट, हाट बाजारों में प्राकृतिक एवं जैविक खेती की उपज की बिक्री कराएं। जिलों में 100-100 किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित कर उसका रिकार्ड रखें। उन्होंने गुना जिले में गुलाब की खेती किए जाने की प्रशंसा करते हुए कहा कि वहां के किसानों ने बड़ा ही प्रगतिशील कदम उठाया है। प्रदेश के सभी धार्मिक शहरों में भी गुलाब की खेती को बढ़ावा दिया जाए, जिससे गुलाब उत्पादन की खपत स्थानीय स्तर पर किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कलेक्टर कृषि उपज मंडी में सोयाबीन फसल की नीलामी रेट की सघन निगरानी भी रखें।

116 आंगनबाड़ियों में बिना बिजली के लगा दी एलईडी टीवी और वाटर फिल्टर

उमरिया (एजेंसी। जिले की 786 आंगनबाड़ी केंद्रों में से 116 केंद्रों को बिना बिजली के ही आधुनिकीकरण अभियान के तहत सक्षम आंगनबाड़ी घोषित कर दिया गया। इन सक्षम आंगनबाड़ियों के लिए बिजली का होना आवश्यक है, लेकिन हैरत की बात यह है कि इनमें बिना बिजली के एलईटी टीवी और वाटर फिल्टर लगा दिया गया। ऐसे में सवाल यह है कि बगैर बिजली के ये एलईडी टीवी कैसे चलेंगी। वहीं जिले की 322 आंगनबाड़ियों में बिजली है, लेकिन उन्हें सक्षम घोषित नहीं किया गया है। इस मामले में जिला महिला बाल विकास अधिकारी दिव्य गुप्ता कहना है कि जहां बिजली नहीं है, वहां बिजली की फिटिंग का काम शुरू हो गया है और जल्द ही बिजली लग जाएगी।

जहां एलईडी और वाटर फिल्टर, वहां पहले फिटिंग

जिला महिला बाल विकास अधिकारी

दिव्या गुप्ता ने बताया कि शासन ने सभी केंद्रों में बिजली लगाने के आदेश दिए हैं। मध्य प्रदेश बिजली बोर्ड के साथ बातचीत कर जिले के सभी 786 आंगनबाड़ी केंद्रों में बिजली लगाई जा रही है। उन आंगनबाड़ियों में बिजली फिटिंग पहले कराई जा रही है, जहां एलईडी टीवी और वाटर फिल्टर लगाया गया है।

ये थे सारे मापदंड

'सक्षम आंगनवाड़ी' मिशन और पोषण 2.0 कार्यक्रम के तहत ग्रामीण बाल देखभाल केंद्रों का एक आधुनिक बनाया जाना है।

केंद्रों का उद्देश्य बच्चों, किशोरियों और गर्भवती या स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए एकीकृत पोषण, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षण सेवाएं प्रदान करना है।

सक्षम आंगनबाड़ियां उन्हें घोषित किया गया, जहां बाउंड्रीवाल, पोषण वाटिका और रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाया गया है।

ये है पूरी हकीकत

कई आंगनबाड़ियों में तो पानी का कनेक्शन भी नहीं है। कार्यकर्ता दूर से पानी लाती हैं।

पानी का कनेक्शन न होने जिससे वाटर फिल्टर मशीनें बेकार हो गई हैं तो एलईडी टीवी भी शोपीस बन गई हैं।

गुस्से में अन्नदाता, 350 से अधिक ट्रैक्टरों के साथ निकली विशाल रैली

भोपाल/सीहोर (एजेंसी। सीहोर जिले के भैरूंदा कस्बे में किसानों ने अपनी पीड़ा और गुस्से को सडक़ों पर उतार दिया। किसान स्वराज संगठन (संयुक्त किसान मोर्चा) के आह्वान पर आयोजित किसान आक्रोश ट्रैक्टर रैली में 350 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियां शामिल हुईं। हजारों किसानों ने खेतों से सीधे पहुंचकर भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों और प्रशासनिक अनदेखी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। रैली का शुभारंभ भैरूंदा मंडी प्रांगण से हुआ और शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर पर समाप्त हुई। शांतिपूर्वक रैली के बाद किसानों ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम एक ज्ञापन सौंपा।

किसानों ने ज्ञापन में बताया कि भैरूंदा, आष्टा और आसपास के गांवों में कीट प्रकोप और अतिवृष्टि से सोयाबीन की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है। इसके बावजूद प्रशासन ने अब तक न तो सर्वे कराया और न ही मुआवजा घोषित किया। किसानों ने तत्काल सर्वे कराकर राहत राशि और बीमा भुगतान की मांग की।

भावांतर योजना पर तीखा हमला

किसानों ने भावांतर योजना को किसान विरोधी बताते हुए कहा कि यह योजना व्यापारियों को लाभ पहुंचाने का माध्यम बन गई है। किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने सरकार से भावांतर योजना बंद करने और सभी फसलों की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सुनिश्चित करने की मांग की।

रैली में किसानों ने खाद की भारी कमी को लेकर सरकार पर निशाना साधा। किसानों ने कहा कि पिछले चार महीनों से डीएपी और यूरिया की कमी के कारण फसलें प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने अग्रिम खाद वितरण और पारदर्शी सप्लाई व्यवस्था की मांग की। साथ ही, किसानों ने बिजली विभाग की मनमानी पर भी गुस्सा जताया। आरोप लगाया कि विभाग झूठे बिल बनाकर परेशान कर रहा है। 5 एचपी को 7 एचपी और 7 एचपी को 10 एचपी बताकर फर्जी बिल थमाए जा रहे हैं।

अब सीएम हेल्पलाइन में दर्ज होंगे जनसुनवाई के आवेदन

भोपाल (एजेंसी। मध्य प्रदेश सरकार ने सुशासन को मजबूत बनाने के लिए एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब जनसुनवाई में आने वाली जनता की शिकायतें सीएम हेल्पलाइन में भी दर्ज होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अगुवाई में यह कदम जनता की समस्याओं के तेजी से समाधान का रास्ता और साफ हो जाएगा। मुख्यमंत्री हर महीने इन शिकायतों की समीक्षा करेंगे, ताकि कोई समस्या लंबित न रहे। सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि सभी समस्याओं का निर्धारित समय सीमा के अंदर निराकरण अनिवार्य होगा। इसके लिए सभी जिला कलेक्टरों को सख्त हिदायतें जारी की गई हैं।

8 साल बाद 472 सब इंस्पेक्टरों की भर्ती

भोपाल (एजेंसी। कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी)ने गृह विभाग के अंतर्गत 500 पदों के लिए भर्ती निकाली है। इसमें 472 पद सब इंस्पेक्टर के लिए हैं। 28 पदों पर सूबेदारों की नियुक्ति होगी।

8 साल के बाद सब इंस्पेक्टर की भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है। इस परीक्षा में सूबेदार, उप निरीक्षक, विशेष सशस्त्र बल तथा सामान्य पुलिस बल के लिए यह परीक्षा आयोजित की गई है।

आवेदन प्रक्रिया 27 अक्टूबर से शुरू होकर 10 नवंबर तक चलेगी। परीक्षा 9 जनवरी 2026 को लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिन अभ्यार्थियों के पास मध्य प्रदेश का डोमिसाइल नहीं होगा। वह जनरल पदों पर ही आवेदन कर सकते हैं। प्रारंभिक परीक्षा सभी के लिए अनिवार्य होगी। इसमें बहुविकल्पीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षा 100 अंकों की आयोजित की गई है। इसका समय 2 घंटे निर्धारित किया गया है।

इस परीक्षा में कोई नेगेटिव मार्किंग नहीं होगी। इसके अंक अंतिम चयन में नहीं जोड़े जाएंगे। इसमें भाषा तर्कशक्ति, सामान्य ज्ञान,कंप्यूटर आदि विषय होंगे। मुख्य परीक्षा दो चरणों में आयोजित होगी। प्रत्येक परीक्षा 300 अंकों की होगी। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए जिनके दो से अधिक बच्चे हैं। वह परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगे।

ग्राम पंचायतों में सोमवार से शुक्रवार तक रोज होगी जनसुनवाई

मुरैना (एजेंसी। मुरैना जिले की समस्त ग्राम पंचायत के कार्यालय में सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक जनसुनवाई की जाएगी। यह आदेश नवागत कलेक्टर लोकेश जांगिड़ ने जारी किए हैं।

कलेक्टर की ओर से आदेश जारी

नवागत कलेक्टर की ओर से जारी किए गए आदेश में कहा गया है, कि पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक द्वारा अनिवार्य रूप से जनसुनवाई में रहें, ग्रामीणजनों की समस्याओं को सुनें। यदि किसी पंचायत सचिव या ग्राम रोजगार सहायक पर दो पंचायतों का प्रभार है, तो उसे प्रथम तीन दिन पहली पंचायत में तथा दूसरी पंचायत में तीन दिन उपस्थित रहकर सुनवाई करनी होगी।

बिना अनुमति नहीं मिलेगा अवकाश

इस प्रकार की लिखित सूचना पंचायत भवन में लिखाना होगी। पंचायत में सचिव, ग्राम रोजगार सहायक को यदि कोई फील्ड का कार्य हो तो उक्त समय में नहीं किया जाए। जिला पंचायत सीईओ कमलेश कुमार भार्गव ने बताया कि जनपद पंचायतों को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं। साथ ही कहा गया है, कि बिना अनुमति के कोई भी अधिकारी, कर्मचारी अवकाश एवं मुख्यालय से बाहर न जाए।

मप्र के 18 हजार गांवों के 1.11 करोड़ घरों में पानी सप्लाई दो विभागों की लड़ाई में रुकी

सीएम मोहन यादव के सामने भी नहीं हो सका फैसला

भोपाल । मप्र के 18 हजार गांवों के 1.11 करोड़ घरों में पानी सप्लाई की योजना दो विभागों की 'पंचायत' में उलझकर रह गई है। ये विभाग हैं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी(पीएचई) और पंचायत एवं ग्रामीण विकास है। जहां पीएचई विभाग का तर्क है कि उन्होंने 11 हजार गांवों की पेयजल योजनाएं पंचायतों को हैंडओवर कर दी हैं। अब जिम्मेदारी पंचायतों की हैं कि इस चलाएं। मेंटेनेंस देखने वाली एजेंसी को हम भुगतान करने वाले है। लेकिन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का कहना है कि पहले पीएचई तीन साल तक इस स्कीम को पूरी तरह चलाकर दिखाए। तब तक मासिक शुल्क की वसूली पंचायतें कर लेंगी। हाल में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन की मौजूदगी में एक बैठक हुई। इसमें भी दोनों विभागों के प्रशासनिक मुखिया स्थिति स्पष्ट नहीं कर पाए। अंततः मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि आप दोनों किसी एक बिंदु पर सहमत हो जाएं। उसी को लागू कर दिया जाएगा। हालांकि पीएचई ने इस मीटिंग के मिनट्स जारी किए, तब पंचायत विभाग ने ग्रामीण नल-जल योजना की नीति पर सवाल उठा दिए। जानकारी के मुताबिक, गांवों के 1.11 करोड़ घरों तक वाटर सप्लाई बन गई है। 79 लाख घरों में नल कनेक्शन हो गया है। हाल में हुई एक बैठक में मऊगंज की एक ग्राम पंचायत के सरपंच-सचिव ने कह दिया, पीएचई के लोगों ने नलजल स्कीम हैंडओवर नहीं की। स्कीम ट्रांसफर को लेकर जो हस्ताक्षर ?बताए गए हैं, वे फर्जी हैं। इसके बाद पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव दीपाली रस्तोगी ने पूरी 11 हजार स्कीमों को दोबारा चलाकर (परीक्षण करके) हैंडओवर करने की बात रख दी। पीएचई प्रमुख सचिव पी. नरहरि ने 18000 गांवों में पेयजल स्कीम पूरी होने के साथ 11 हजार स्कीमों के हैंडओवर करने की जानकारी बैठक में दी थी।

पीएम श्री स्कूलों में महिला सहायिकाएं होंगी नियुक्त

भोपाल (एजेंसी। अब सरकारी स्कूलों, खासतौर से स्कूल शिक्षा विभाग के पीएम श्री स्कूलों में प्राथमिक कक्षाओं के छोटे बच्चों की देखरेख के लिए महिला सहायिकाओं की नियुक्ति की जाएगी। हालांकि इन सहाययिकाओं की नियुक्ति आउट सोर्स एजेंसी से की जाएगी। लेकिन इन सहायिकाओं को अपनी उपस्थिति हमारे शिक्षक एप पर ही लगानी होगी। इस संबंध में लोक शिक्षण विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों ने पीएम श्री स्कूलों के प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि वे महिला सहायिकाओं की नियुक्ति कर एजुकेशन पोर्टल पर सूचना दें। यहां बता दें कि जिले में स्कूल शिक्षा विभाग के 10 पीएम श्री स्कूल हैं। अभी तक सरकारी स्कूलों में जाने वाले छोटे बच्चों को पढ़ाने के लिए तो शिक्षकों की व्यवस्था थी। लेकिन उनकी देखरेख के लिए महिला सहायिकाएं नहीं थी। अब लोक शिक्षण विभाग ने अभी पीएमश्री स्कूलों में महिला सहायिकाओं की नियुक्त करने के आदेश दिए हैं।

आउट सोर्स एजेंसी के माध्यम से होगी भर्ती

हालांकि, महिला सहायिकाओं की सीधी नियुक्ति विभाग नहीं देगा। बल्कि इन्हें किसी आउट सोर्स एजेंसी के माध्यम से ही लेगा। छोटे बच्चों की देखरेख करेंगी पीएमश्री स्कूलों में प्राथमिक कक्षाएं भी लगती है। इनमें छोटे बच्चे आते हैं। अक्सर इन बच्चों को संभालने में शिक्षकों को मुश्किल आती है। इस समस्या को देखते हुए डीपीआई ने सभी पीएमश्री स्कूलों में महिला सहायकाओं की नियुक्ति करने का निर्णय लिया है। इससे बच्चों की देखरेख हो सकेगी।

पुलिस अधीक्षकों को मिले रेडकार्नर नोटिस जारी करने के अधिकार

भोपाल (एजेंसी। मध्य प्रदेश पुलिस ने सभी पुलिस अधीक्षकों को इंटरनेशनल नोटिस जारी करने के अधिकार को हरी झंडी दिखा दी है। रेड,येलो और पर्पल नोटिस जारी करने का अधिकार पुलिस अधीक्षक को दिया गया है।

इंटरनेशनल नोटिस के मामले में भारत सरकार द्वारा तैयार किया गया डिजिटल प्लेटफॉर्म भारत पोलके जरिए यह नोटिस जारी होंगे। हर जिले के पुलिस अधीक्षक को लॉगिन आईडी दी गई है।

अभी तक पुलिस अधीक्षक इस तरह के नोटिस को जारी करने के लिए सीआईडी को भेजते थे। वहां से गृह मंत्रालय जाता था। जिसमें काफी विलंब होता था। अब यह नोटिस सीधे जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा भेजे जा सकेंगे।

स्पेशल डीजी सीआईडी पवन श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए कहा है (इंटरनेशनल नोटिस जारी करने में अभी काफी समय लगता था। नई व्यवस्था से अपराधियों पर तुरंत कार्रवाई संभव हो पाएगी।

रेड नोटिस

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपराधी का पता लगाकर अस्थाई गिरफ्तारी के लिए सूचना अलर्ट जारी किया जाता है।

येलो नोटिस

इसमें लापता खासकर नाबालिक बच्चों की तलाश के लिए यह नोटिस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलर्ट के लिए भेजा जाता है।

पर्पल नोटिस

यह नोटिस अपराधियों की कार्यप्रणाली उपकरण और छिपाने के तौर तरीके को साझा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा किया जाता है।

ग्वालियर-चंबल में चल रहा भाजपा नेताओं का अपना-अपना राज

तोमर-सिंधिया गुटबाजी चरम पर, विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में फिर नहीं पहुंचे सांसद कुशवाह

भोपाल (एजेंसी। भाजपा का सबका साथ-सबका विकास के संकल्प के बीच ग्वालियर में गणित कुछ अलग है। ग्वालियर में 17 दिन बाद फिर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह के बिना विकास कार्यों की समीक्षा तीन घंटे समीक्षा की। प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह भी रहे।

ग्वालियर-चंबल में अलग तेवरों के साथ पिछले माह से सक्रिय हुए सिंधिया अक्टूबर के पहले सप्ताह में फिर मैदान में दिखे। नेताओं की अलग-अलग बैठकों का सीधा कारण किसी से छिपा नहीं है कि ग्वालियर में तोमर-सिंधिया गुटबाजी। मंच साझा करने से लेकर बचने वाले दोनों नेता विकास कार्यों की बैठक में साथ नहीं दिखते। ग्वालियर में विकास कार्यों की बैठक के लिए प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट इंदौर से आकर यहां खुद की अध्यक्षता में बैठक लेते हैं, हकीकत में जिसे लीड केंद्रीय मंत्री ही करते हैं। प्रोटोकाल के कारण केंद्रीय मंत्री सीधे विकास कार्यों की बैठक नहीं ले सकते।

सिंधिया ने पांच बिंदुओं पर समीक्षा की

सिंधिया ने बैठक के बाद सांसद के उपस्थित न होने के सवाल पर कहा कि वे व्यस्त होंगे, वे कहां हैं यह तो उनसे ही पूछा जा सकता है कि वे कहां हैं। सिंधिया ने पांच बिंदु सडक़, सीवर, पेयजल, एलिवेटेड रोड सहित पांच बिंदुओं पर समीक्षा की। ग्वालियर चंबल अंचल में पिछले एक साल दूर सिंधिया ने पिछले माह से अपनी सक्रियता दिखाई है।

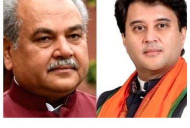

पिछले माह 15 सितंबर को सिंधिया ने ग्वालियर कलेक्ट्रेट में ही विकास कार्यों की लंबी चौड़ी बैठक ली थी। बैठक में ग्वालियर में संचालित सभी बड़े प्रोजेक्टों पर चर्चा की और बुनियादी सुविधाओं सीवर, सडक़, पेयजल, पार्किंग आदि पर चर्चा की।

सिंधिया ने अफसरों को निर्देश

बैठक के बाद सिंधिया ने यह भी स्वीकारा था कि ग्वालियर की सडक़ें बदहाल हैं, जिन्हें सिंधिया ने अफसरों को अलग-अलग श्रेणी में बांटने के निर्देश दिए। शुक्रवार की बैठक में अधिकारी यह होमवर्क करके भी लाए और विधानसभावार सिंधिया को सडक़ों की हालत दिखाई। सिंधिया बोले-जो दवाब बनवाए उसकी पर्ची खुलवाओ बैठक में सिंधिया ने विकास कार्यों को लेकर कहा कि जो भी ठोस कार्य योजना नेताओं के साथ बैठक बनाई जा रही है उसमें अमल के दौरान जो भी बाधा या दवाब बना रहा है उसके नाम की पर्ची खुलवाई जाए। सिंधिया का इशारा नेताओं को लेकर था। सांसद शिवपुरी में थे, मंत्री नारायण सिंह बोले-वे व्यस्त होंगे पिछली बैठक में भी सांसद भारत सिंह कुशवाह नहीं थे और शुक्रवार को भी वे नहीं दिखे। सांसद शिवुपरी में थे। मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने भी सांसद के बैठक में न होने पर कहा कि हो सकता है वे व्यस्त हों, इसलिए बैठक में नहीं आ सके हों।

आज ऑस्ट्रेलिया से हारी तो बाहर होगी पाकिस्तान

कोलंबो।एजेंसी। महिला विश्वकप क्रिकेट में बुधवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। पाक टीम अब तक अपने दोनो ही मैच हारी है। ऐसे में अगर वह इस मैच में भी हारी तो विश्वकप से बाहर हो जाएगी। पहले मैच में उसे बांग्लादेश और दूसरे मैच में भारतीय टीम ने हराया था। ऐसे में उसका अब तक एक भी अंक नहीं है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम अब तक अपने दोनो मैच जीती है और इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को भी बड़ें अंतर से जीतकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा। पाक टीम के अब तक के खराब प्रदर्शन को देखते हुए भी ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत तय दिख रही है। इस वैश्विक प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया का शानदार प्रदर्शन अन्य टीमों के प्रदर्शन से काफी बेहतर रहा है। कप्तान एलिसा हीली की टीम ने अब तक टूर्नामेंट में 300 से अधिक रन बनाये हैं। ऐसे में वह पाक के खिलाफ वह और भी बड़ा स्कोर बना सकती है।

पाक टीम अगर ये मैच हारती है तो उसका बाहर होना तय है जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत को पीछे कर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच जाएगी। ऑस्ट्रेलिया ने पिछले मैच मे 300 से अधिक का स्कोर खड़ा करने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन की आसान जीत दर्ज की थी। टीम की नजरें अब अपने इस रिकॉर्ड में सुधार करने के साथ ही आठवें विश्व कप खिताब को जीतने पर रहेंगी।

उसके पास सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली, बेथ मूनी और एनाबेल सदरलैंड के अलावा एश्ले गार्डनर जैसी बल्लेबाज हैं। एनाबेल सदरलैंड की तेज गेंदबाजी और सोफी मोलिन्यु की स्पिन से पिछले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने कमाल का प्रदर्शन किया था। अब इंग्लैंड, भारत व दक्षिण अफ्रीका जैसी कड़ी टीमों से मुकाबला करने से पहले टीम पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अपनी रणनीति को और पक्का करने उतरेगी।

भारत के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज से भी उसे उपमहाद्वीप के मैदानों पर खेलने का तरीका समझ में आ गया है। वहीं बांग्लादेश और भारत के खिलाफ हार के बाद पाकिस्तान की टीम अभी तक अंकतालिका में सबसे नीचे बनी हुई है। कप्तान फातिमा सना की अब तक सभी क्षेत्रों में कमजोर नजर आयी है।

टीम की बल्लेबाजी में गहराई की कमी और मध्यक्रम में अच्छे बल्लेबाजों के नहीं होने से पाक टीम टूर्नामेंट में अब तक दो मैच में 200 रन भी नहीं बना पायी है। इन दो मैच में सिदरा अमीन, फातिमा सना और मुनीबा अली भी रनों के लिए संघर्ष करती दिखीं। वहीं बांग्लादेश के खिलाफ भी उसकी गेंदबाजी दिशाहीन रही और उसने करीब 18 अतिरिक्त रन दिये। भारत के खिलाफ भी उसे 88 रनों से बड़ी हार झेलनी पड़ी। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम के जबरदस्त प्रदर्शन को को देखते हुए पाक टीम उसके सामने टिक पायेगी। ऐसी संभावनाएं नहीं हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

ऑस्ट्रेलिया- एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, एलेना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिन्यु, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगान शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल और जॉर्जिया वेयरहैम।

पाकिस्तान- फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एयमान फातिमा, मुनीबा अली, नशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमैमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमस, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज और सैयदा अरूब शाह।

विशाखापत्तनम में 9 और 12 अक्टूबर को होंगे मुकाबले

मुम्बई।एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अब 9 और 12 अक्टूबर को विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। भारतीय टीम ने अब तक अपने दोनो ही मैच जीते हैं और उसका लक्ष्य इस सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। विशाखापत्तनम की पिच से बल्लेबाजों को मिलने वाली सहायता को देखते हुए ये भारतीय टीम के लिए फायदेमंद रहेगा। इसका कारण है कि अभी तक भारतीय बल्लेबाज उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी हैं। भारतीय टीम को अपने दोनो मैच

विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए स्टेडियम में खेलने हैं। इस मैच पर 11 साल के बाद कोई महिला एकदिवसीय मैच खेला जाएगा। आंध्र क्रिकेट संघ (एसीए) के एक अधिकारी ने कहा, "अगर आप आईपीएल सहित पिछले कुछ मैचों पर नजर डालें तो यहां की पिच बल्लेबाजों के लिए सहायक रही है। इसमें अगर ओस नहीं होगी तो गेंदबाजों, विशेषकर स्पिनरों को मैच आगे बढ़ने पर कुछ सहायता जरुर मिलेगी।"

यहां टी20 पुरुष क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों और आईपीएल में आम तौर पर बड़े स्कोर देखने को मिलते हैं। इससे अब तक रनों के लिए संघर्ष कर रही भारतीय महिला टीम का उत्साह और बढ़ने की संभावना है। अब तक श्रीलंका ओर पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच में भारतीय टीम को 250 के करीब रन बनाने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ा था। इस दौरा उसकी कई प्रमुख बल्लेबाज रनों के लिए जूझती दिखीं थीं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 12 अक्टूबर को होने वाले मैच से पहले एसीए-वीडीसीए स्टेडियम के स्टैंड को पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज और विकेटकीपर रवि कल्पना का नाम दिया जाएगा। आंध्र क्रिकेट संघ ने एक बयान में कहा, "मिताली और कल्पना को एसीए की सराहना उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिन्होंने भारत में महिला क्रिकेट को नया रूप दिया है और साथ ही अगली पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया है।"

पाटीदार सभी में मध्य प्रदेश की कप्तानी करेंगे

मुम्बई।एजेंसी। बल्लेबाज रजत पाटीदार को 2025-26 के घरेलू सत्र से पहले सभी प्रारुपो के लिए मध्य प्रदेश टीम का कप्तान बनाया गया है। इस घरेलू सत्र की शुरुआत 15 अक्टूबर से रणजी ट्रॉफी के साथ शुरू हो रही है। पाटीदार को शुभम शर्मा की जगह पर कप्तान बनाया गया है। पाटीदार को कप्तानी की जिम्मेदारी मध्य प्रदेश के क्रिकेट निदेशक चंद्रकांत पंडित ने सौंपी है। पाटीदार ने पिछले सत्र में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान भी कप्तानी की थी। उनकी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पहली बार आईपीएल खिताब भी जीता था।

रजत आईपीएल खिताब जीतने के बाद से शानदार कप्तानी कर रहे हैं। उनकी कप्तानी में हाल ही में 2014-15 के बाद पहली बार मध्य क्षेत्र दलीप ट्रॉफी में विजेता बना है।
।

हाल ही में पाटीदार ने ईरानी कप में शेष भारत टीम का नेतृत्व किया, जिसमें ईशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़ और अभिमन्यु ईश्वरन जैसे बड़े नाम शामिल थे। हालांकि, इस मुकाबले में उनकी टीम को विदर्भ के हाथों 93 रन से हार का सामना करना पड़ा।

2024-25 के रणजी ट्रॉफी सीजन की 11 पारियों में 48.09 की औसत से 529 रन बना चुके पाटीदार ने अब तक एक शतक और दो अर्धशतक लगाये हैं। पाटीदार ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल में भी शतक लगाया है।

मध्य प्रदेश 15 अक्टूबर को अपने रणजी ट्रॉफी अभियान की शुरुआत पंजाब के खिलाफ मुकाबले के साथ करेगा। इसके बाद टीम 25 अक्टूबर से सौराष्ट्र को चुनौती देगी।

भारत और पाकिस्तान के बीच अधिक मैच कराने के प्रयासों पर अथर्टन ने सवाल उठाये

आईसीसी से कार्यक्रम और ड्रॉ सिस्टम में पारदर्शिता लाने कहा

लंदन।एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल अथर्टन ने आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत-पाकिस्तान के अधिक मुकाबले रखने के प्रयासों पर सवाल उठाये हैं। इसी को देखते हुए अथर्टन ने आईसीसी से टूर्नामेंट के कार्यक्रम के साथ ही ड्रॉ सिस्टम में पारदर्शिता लाने को कहा है। एशिया कप का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इसमें भारत और पाक के बीच तीन मुकाबले हुए। उन्होंने कहा कि एशिया कप में जिस प्रकार उसे दोनो देशों के बीच तनाव वह हाथ नहीं मिलाने सहित कई अन्य बातें छायी रही। उससे साफ है कि खेल से कहीं ज्यादा अन्य बातों पर ध्यान रहा। उन्होंने ऐसे प्रयासों की आलोचना करते हुए कहा कि क्रिकेट अब प्रचार प्रसार का हिस्सा बन गया है

एशिया कप वैसे तो आईसीसी का टूर्नामेंट नहीं है पर इसमें उठी बातों को इस पूर्व कप्तान ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट कभी कूटनीति का भी उपकरण होता था पर अब ये और अधिक ज्यादा तनाव बढ़ाने का जरिया बन गय है। भारत और पाक लंबे समय से एक दूसरे से सिर्फ बहुपक्षीय टूर्नामेंट में ही खेलते हैं। उनके बीच द्विपक्षीय सीरीज नहीं होती। इसी कारण दोनों टीमों के बीच मैच को लेकर क्रिकेटप्रेमियों में हमेशा से जबरदस्त उत्साह रहता है। ये क्रेज ही दोनों टीमों के मुकाबलों को प्रसारकों के लिए भारी लाभ कमाने का जरिया बन गया है। यही वजह है कि दोनों की भागीदारी वाले बहुपक्षीय टूर्नामेंट में कार्यक्रम इस तरह से तैयार होता है कि दोनों टीमों के बीच ज्यादा से ज्यादा मुकाबले हों। इतना ही नहीं, ये भी कोशिश रहती है कि ये मुकाबले रविवार को या किसी अन्य छुट्टी के दिन हों जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग मैच देखें।

एशिया कप में भी यही देखने को मिला। भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया था, जिससे ग्रुप मैच तय थे। ग्रुप में टीमें भी ऐसी रखी जाती हैं कि अगले चरण में दोनों टीमों को एक और बार टकराने का अवसर मिल जाये। एशिया कप में सुपर 4 में भी दोनों टीमें भिड़ीं। संयोग से दोनों ही फाइनल में भी पहुंची। टूर्नामेंट में दोनों टीमों के बीच खेले गए सभी 3 मुकाबले रविवार को ही हुए। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) को क्षेत्र में क्रिकेट के विकास के लिए जिस राजस्व की जरूरत होती है, उसका भी अधिकतर ज्यादातर हिस्सा तो इन्हीं मैचों से आता है। प्रसारकों पर इससे पैसा बरसता है। यही वजह है कि बहुपक्षीय टूर्नामेंट में दोनों टीमों में ज्यादा से ज्यादा मुकाबले कराने की कोशिश होती है। इसी लिए आईसीसी के टूर्नामेंट्स में भी भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा जाता है जिससे कम से कम दो मुकाबले हो सकें। अथर्टन ने माना कि इसका सबसे बड़ा कारण अधिक से अधिक धन कमाना है। उन्होंने माना कि दोनों टीमों के मुकाबलों की वजह से ही आईसीसी टूर्नामेंट्स के प्रसारण करार की कीमत इतनी ज्यादा होती है।

धोनी भारत के सबसे सफल कप्तान पर जीत प्रतिशत में रोहित हैं उनसे आगे

नई दिल्ली।एजेंसी। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा भारत के दूसरे सबसे सफल कप्तान हैं। रोहित के नेतृत्व में भारतीय टीम ने दो आईसीसी खिताब (टी20 और चैम्पियंस ट्रॉफी) जीते हैं। वहीं भारत के सबसे सफल कप्तान की बात की जाये तो वह महेन्द्र सिंह धोनी हैं। धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और एकदिवसीय विश्वकप जीते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो धोनी ने रोहित से काफी अधिक मैचों में कप्तानी की है पर जीत प्रतिशत की बात करें तो उसमें रोहित तीनो ही प्रारुपों में आगे है।

एकदिवसीय क्रिकेट में 200 मैचों में कप्तानी करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने 110 मैच जीते जबकि उसे 74 मैचों में हार का सामना करना पड़ा और 5 मैच टाई रहे। धोनी का एकदिवसीय में जीत का प्रतिशत 55 का रहा है। वहीं रोहित ने धोनी की तुलना में कफी कम 56 मैचों में ही टीम की कप्तानी की है पर उनकी जीत का औसत धोनी से कहीं अधिक है। रोहित ने 56 एकदिवसीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की है, जिसमें से 42 मुकाबले में उसे जीत मिली जबकि 12 में वह हारी है और एक मुकाबला टाई टाई रहा है। रोहित का एकदिवसीय में जीत का औसत 75 का रहा है।

वहीं टी20 को देखें तो रोहित और धोनी ने तकरीबन बराबर मैच खेले पर जीत के औसत में अंतर है। धोनी की कप्तानी में 72 टी20 मैचों में भारतीय टीम 41 मैचों में जीती जबकि उसे 28 मैच में हार का सामना करना पड़ा।वहीं दो मुकाबले टाई रहे। इस प्रकार उनकी जीत का औसत 56.94 प्रतिशत रहा। दूसरी ओर रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने 62 मैच खेले जिसमें से उसे 49 में जीत जबकि 12 में हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मैच टाई रहा। इस प्रकार टी20 में रोहित की जीत का प्रतिशत 79.03 का रहा है।

साल 2008 से लेकर 2014 तक धोनी ने 60 टेस्ट मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की जिसमें टीम को 27 में जीत मिली, वहीं 18 मैच हारे। इन 60 में से 15 मैच ड्रॉ भी रहे। धोनी का टेस्ट में जीत का प्रतिशत 45 रहा। वहीं रोहित ने 2022 से 2024 के बीच 24 मैचों में टीम इंडिया की कप्तानी की। इसमें से भारतीय टीम ने 12 टेस्ट जीते, 9 हारे और 3 ड्रॉ रहे। इस प्रकार रोहित का टेस्ट में जीत का प्रतिशत 50 का रहा। ऐसे में तीनों ही प्रारुपों में रोहित की जीत का प्रतिशत धोनी से अधिक रहा।

एकदिवसीय और टी20 कप्तानी में रोहित, टेस्ट कप्तान में विराट आगे रहे

नई दिल्ली।एजेंसी। भारतीय टीम के दो दिग्गजों विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अपनी बल्लेबाज के साथ ही अपनी कप्तानी में भी भारतीय टीम को आगे बढ़ाया है। विरराट के कप्तानी छोड़ने के बाद ये जिम्मेदारी रोहित को मिली थी जो अब शुभमन गिल को मिल गयी है। ये दोनो ही अब एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। दोनो की कप्तानी के आंकड़े काफी अच्छे रहे हैं पर जीत प्रतिशत देखें तो एकदिवसीय और टी20 में रोहित जबकि टेस्ट में विराट आगे रहे।

विराट ने साल 2013 से 2021 के बीच 95 एकदिवसीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की जिसमें भारत ने 65 मुकाबले जीते जबकि 27 में वह हारा, वहीं 1 मैच टाई रहा। दो मुकाबलों में फैसला नहीं हो पाया। विराट कोहली का एकदिवसीय में जीत का प्रतिशत 68.42 का रहा।

वहीं रोहित ने विराट से काफी कम मैचों में कप्तानी की है पर उनका जीत का प्रतिशत विराट से कई ज्यादा रहा है। रोहित ने 56 एकदिवसीय मैचों में भारतीय टीम का नेतृत्व किया है। इसमे भारतीय टीम ने 42 मुकाबले जीते हैं जबकि 12 हारी है और 1 टाई रहा है। रोहित का एकदिवसीय में जीत का औसत 75 प्रतिशत का रहा है। विराट कोहली ने साल 2017 से 2021 के बीच 50 टी20द्ध मैचों में कप्तानी की जिसमें भारत 30 मैच जीता। विराट कोहली का टी20 में बतौर कप्तान जीत का प्रतिशत 60 का था। वहीं रोहित शर्मा की बात करें तो रोहित ने टी20 में विराट से ज्यादा मैचों में कप्तानी की थी। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 62 टी20 खेले हैं जिसमें उसे 49 में जीत मिली है जबकि 12 में हार। टी20 भी रोहित का जीत का प्रतिशत विराट से अधिक 79.03 का रहा है। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2024 टी20 विश्व कप का भी खिताब भी जीता।

विराट ने टेस्ट प्रारुप में सबसे अधिक 68 मैचों में कप्तानी की, भारतीय टीम 40 में जीती और 17 हारी। इस प्रकार विराट का टेस्ट में जीत का प्रतिशत 58.82 का रहा। वहीं रोहित ने केवल 24 टेस्ट में टीम की कप्तानी की है। इसमें भारत ने 12 टेस्ट जीते, 9 हारे और 3 ड्रॉ रहे। रोहित का टेस्ट में जीत का प्रतिशत 50 का रहा। इन आंकड़ों से यह साफ होता है कि रोहित सीमित ओवर में जबकि विराट टेस्ट में बेहतर कप्तान रहे थे।

दक्षिण अफ्रीका जीती, न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराया

इंदौर।एजेंसी। ताजमिन ब्रित्स और सुने लुस के बीच दूसरे विकेट के लिए हुई 159 रनों की रिकार्ड साझेदारी से दक्षिण अफ्रीका ने यहां खेले गये महिला विश्व कप क्रिकेट मुकाबले में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हरा दिया। इस मैच में कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.5 ओवरों में 231 रन बनाये थे। इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम ने ये लक्ष्य चार विकेट खोकर 232 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस मैच में ब्रित्स और सुने के बीच एकदिवसीय इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी हुई। वहीं पहली सबसे बड़ी साझेदारी का रिकार्ड भी दक्षिण अफ्रीकी टीम की ही लिजेल ली और कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट के बीच साल 2020 में 163 रनों का था। तब भी ये रिकार्ड कीवी टीम के खिलाफ ही बना था। इस बार वोल्वार्ड्ट का विकेट शुरुआत में ही गिर गया। इसके बाद ब्रित्स और सुने ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को मैच में वापसी करायी।

सबसे बड़ी साझेदारी के मामले में दक्षिण अफ्रीका की नादिन डी क्लार्क और क्लो ट्रायॉन की जोड़ी तीसरे स्थान पर है। इस जोड़ी ने साल 2023 में पोटचेफस्ट्रूम में 124 रन जुटाए थे।

वहीं, मैरिजेन कप्प और लौरा वोल्वार्ड्ट की जोड़ी ने साल 2023 में पीटरमैरिट्जबर्ग में 116 रन की अटूट साझेदारी की थी।

कीवी टीम की ओर से कप्तान सोफी डिवाइन ने सर्वाधिक 85 रन बनाए, जबकि ब्रुक हॉलिडे ने 45 रन बनाये। खेली। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से नॉनकुलुलेको म्लाबा ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए।

इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम ने जीत के लिए जरुरी लक्ष्य 40.5 ओवरों में ही हासिल कर लिया। ब्रित्स ने 89 गेंदों में 1 छक्के और 15 चौकों के साथ 101 रन बनाए, जबकि सुने लुस ने 114 गेंदों में नाबाद 83 रन की पारी खेली। वहीं कीवी टीम की ओर से अमेलिया केर ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए, जेस केर और ली ताहुहू को 1-1 विकेट मिला।

कमिंस और मैक्सवेल शामिल नहीं

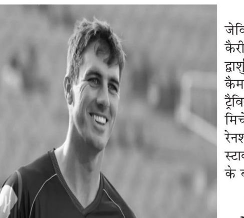

सिडनी।एजेंसी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने भारतीय टीम के खिलाफ 19 अक्टूबर से होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज के लिए कप्तान पैट कमिंस के साथ ही ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को शामिल नहीं किया गया है। सीए के अनुसार कमिंस और मैक्सवेल फिट नहीं हैं। कमिंस के बाहर होने से बल्लेबाज मिचेल मार्श को कप्तान बनाया गया है।

वहीं मध्य क्रम में बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को जगह नहीं दी गयी है। मैक्सवेल अभी तक अपनी कलाई की फ्रैक्चर से नहीं उबर पाये हैं। ऐसे में वह एकदिवसीय के अलावा टी20 सीरीज से भी बाहर रहेंगे। उनके बिग बैश लीग में वापसी करने की संभावना है। कैमरन ग्रीन की एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है।

एकदिवसीय टीम

मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कॉनॉली, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क, एडम ज़म्पा जो चोट के बाद वापसी कर रहे हैं।

टी20 टीम (पहले 2 मैच)

मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम ज़म्पा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रोहित और विराट के चयन पर वेंगसरकर ने उठाये सवाल

छह महीने से मैदान से बाहर होने पर भी कैसे मिली जगह

मुम्बई।एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पुर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली को शामिल किये जाने को लेकर चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर पर निशाना साधा है। वेंगसरकर ने कहा है कि जो खिलाड़ी पिछले छह महीने से नहीं खेल रहे उन्हें किस प्रकार टीम में जगह मिली है। उन्होंने चयन प्रकिया पर ही सवाल उठा दिये हैं। ये दोनो ही खिलाड़ी दोनों आईपीएल 2025 के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए दिखेंगे। वेंगसरकर ने कहा कि ये दोनों ही बल्लेबाज मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से खेल से दूर रहे हैं। ये दोनो अब केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं। दोनो ने ही टी20 और टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है।

वेंगसरकर ने कहा, रोहित और विराट स्टार खिलाड़ी रहे हैं पर अगर आप केवल एक ही प्रारुप खेल खेल रहे हैं, तो मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं को अपने फैसले पर फिर विचार करना चाहिये। ऐसे खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस का पता नहीं लगा लगाया जा सकता है क्योंकि इन्होंने अंतिम मैच के बाद से लंबा ब्रेक ले लिया था। इसलिए इनकी फॉर्म और फिटनेस का पता लगाना कठिन है। उन्होंने साथ ही कहा, रोहित और विराट को शायद उनके शानदार रिकॉर्ड के कारण चुना गया है। इसमें किसी को भी संदेह नहीं है कि वे महान खिलाड़ी रहे हैं और भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत सेवा की है। दोनो ने ही सारे प्रारुपों में कई मैच जीते हैं पर आजकल एकदिवसीय मैच काफी कम होते हैं। ऐसे में इनके फार्म का पता लगाना संभव नहीं है। ऐसे में चयन समिति को इनकी फिटनेस और फार्म का कैस पता चला ये मुझे समझ नहीं आया। वहीं अगरकर ने कहा था कि विराट और रोहित दोनों ने ही फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं पर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चयन से ये तय नहीं किया जा सकता है कि ये 2027 एकदिवसीय विश्व कप की योजना में भी शामिल हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज इनके लिए अहम होगी। इसमें प्रदर्शन से ही तय होगा कि ये भविष्य में रहेंगे या नहीं।

ओसाका ने में लेला को हराया

वुहान।एजेंसी। जापान की नओमी ओसाका ने यहां लेला फर्नांडिज को हराकर डब्ल्यूटीए 1000 लेवल वुहान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया है। ओसाका ने सेंटर कोर्ट पर दिन के पहले ही मैच में फर्नांडिज को खिलाफ 4-6, 7-5, 6-3 से हराया। वहीं एक अन्य मैच में ऐमा राडुकानु को आन ली के खिलाफ मैच में बीमार होन के कारण हटना पड़ा।वहीं सोफिया केनिन ने अनास्तासिया जखारोवा को 3-6, 7-6, 6-3 से पराजित किया। अब उनका सामना दूसरे दौर में 16वें नंबर की खिलाड़ी लुइडमिला सैमसोनोवा से होगा।

कराटे एवं फिटनेस एकेडमी की टीम ने जीते 14 मेडल

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। कराटे एवं फिटनेस एकेडमी की टीम ने इन्दौर में आयोजित राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 मेडल जीत कर जिले का नाम रोशन किया । यह प्रतियोगिता 26 से 28 सितम्बर तक इन्दौर पब्लिक स्कूल में मध्यप्रदेश स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन द्वारा आयोजित की गई । एकेडमी की टीम के मुख्य प्रशिक्षक सेसाई राकेश वरकड़े के नेतृत्व में प्रतियोगिता में उतरी । मुख्य प्रशिक्षक राकेश वरकडे ने कराटे इंडिया आगेनाइजेशन की जज बी परीक्षा सफलतापूर्वक पास की । सेसाई आकाश झा ने जब ए परीक्षा उत्तीर्ण कर जिले को गौरवान्वित किया। कुल 15 खिलाडियो ने इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर कड़े मुकाबले में शानदार पदक अपने नाम किये। इस शानदार

प्रदर्शन के बाद सभी पदक विजेता खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे जिससे जिले के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा एकेडमी के प्रशिक्षक - देविका घोरसारे सुदिप झा आखिल हरिन्द्रवार और राकेश एवं अभिभावक राजेश वर्मा पूजा वर्मा, मनोज बनवाले, रिन्की बनवाले, राजेन्द्र चौरागडे, संगीता चौरागडे, रंजीत गोडाने ने सभी विजेता खिलाडियों को शुभकामनाएं देते हुए कहाँ की यह उपलब्धी बालाघाट जिले के लिए गौरव की बात है। मुख्य प्रशिक्षक सेंसाई राकेश वरकडे ने भी खिलाडियों की मेहनत समर्पण और अनुशासन की सराहना की और उन्हें भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया। बालाघाट कराटे एवं फिटनेस एकेडमी की यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए प्रेरणा दायी है बल्कि उन सभी युवाओं के लिए भी उत्साहवर्धक है जो खेलो के माध्यम से अपना भविष्य संवारना चाहते है। गोल्ड मेडल विजेता खिलाड़ी हर्षिल वर्मा, गर्व बनवाले, अंजली गोंदुड़े (गोल्ड) शाहिल गोंदडे, लक्की दोमने, तमन्ना कुथे, श्रेया कुथे ने स्वर्ण पदक हासिल कर बालाघाट जिले की उपलब्धियों में नया अध्याय जोडा। सिल्वर मेडल विजेता खिलाड़ी भारती मानेश्वर, नियुक्ति सरकार, ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किए। ब्राउज मेडल विजेता खिला ?ी रिधिका चान्देवार, लक्की चौरागडे, अरहत गो ?ाने जीत कर टीम की उपलब्धियों में योगदान दिया। वहाँ रिचा चान्देवार पावनी ढोमने ने भी प्रतियोगिता में शानदार सहभागिता दर्ज की।

90-दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति के निर्देशन में एवं न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा, मुख्य न्यायाधीश मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं संरक्षक, मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रेरणा स्रोत तथा न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन, कार्यपालक अध्यक्ष मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कुशल मार्गदर्शन में, "राष्ट्र के लिए मध्यस्थता" 90-दिवसीय विशेष अभियान न्यायालयों में लंबित मामलों का निराकरण करने और प्रदेश भर में विवाद समाधान के लिए एक उपयुक्त अनुकूल माध्यम के रूप में मध्यस्थता को ब ?ावा देने के उद्देश्यों के साथ आयोजित किया गया।

"राष्ट्र के लिए मध्यस्थता" शीर्षक अंतर्गत 90 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान दिनांक 01 जुलाई 2025 से प्रारंभ कर 07 अक्टूबर 2025 तक चलाया गया । इस विशेष अभियान का उद्देश्य राज्य भर में तहसील न्यायालयों से लेकर उच्च न्यायालय, न्यायपालिका के सभी स्तरों पर लंबित मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से निपटाना था। इस 90 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान के संबंध में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष प्राणेश कुमार प्राण के नेतृत्व में बालाघाट जिले में कुल 38 मामलों का सौहार्दपूर्ण ढंग से सफल निराकरण किया गया। इस अभियान के दौरान प्रदेश भर में कुल 4,552 मामलों का सफलतापूर्वक मध्यस्थता के माध्यम से निपटारा किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लंबे समय से लंबित पुराने मामले शामिल थे। मध्यस्थता के माध्यम से निराकृत मामले विभिन्न श्रेणियों से संबंधित थे जैसे:- वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस मामले, आपराधिक समझौता योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, विभाजन, बेदखली, भूमि अधिग्रहण, और अन्य उपयुक्त दीवानी मामले।

यह उल्लेखनीय है कि "राष्ट्र के लिए मध्यस्थता" अभियान और सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति द्वारा 1 जुलाई 2025 से शुरू की गई एक राष्ट्रव्यापी 90-दिवसीय पहल है। जिसका उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों के समाधान में तेजी लाना और धन और समय की बचत वाली विवाद समाधान प्रक्रिया के रूप में इसकी प्रभावशीलता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है। यह अभियान विवादों को हल करने, न्यायालयों पर बोझ कम करने और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में मध्यस्थता, संवाद और सहयोग की शक्ति को दर्शाता है।

जमीन पर कब्जा लेने गई नगरपालिका टीम को खदेड़ा, पैमाइश रिपोर्ट पेश करने का आदेश

सोनीपत, । नगर पालिका की टीम सांपला मार्ग स्थित पूर्व वाटिका के पीछे 294 वर्ग गज जमीन पर कब्जा लेने पहुंची थी, लेकिन स्थानीय निवासी रवींद्र उर्फ बिट्टू और उनके परिजनों ने विरोध कर टीम को लौटा दिया। मामला जमीन के स्वामित्व को लेकर विवाद का है। प्रशासन ने अब दोनों पक्षों को एक सप्ताह में पैमाइश कराने के निर्देश दिया है। जानकारी के अनुसार, नगरपालिका की टीम ड्यूटी मजिस्ट्रेट बिजेंद्र चहल (एसडीओ, लोक निर्माण विभाग) और पुलिस बल के साथ सोमवार को मौके पर पहुंची थी। नगरपालिका ने दावा किया कि संबंधित जमीन उसकी संपत्ति है और इस पर कब्जा लेने की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, रवींद्र उर्फ बिट्टू ने इसका विरोध करते हुए कहा कि यह जमीन कई दशकों से उनके परिवार के पास है और वे इसके वास्तविक मालिक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका गलत किला नंबर दिखाकर उनकी जमीन में घुसने की कोशिश कर रही है। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच मौके पर काफी देर तक बहस चली। नगरपालिका के पटवारी फूलकुमार ने जमीन को नगरपालिका की संपत्ति बताया, जबकि दूसरा पक्ष अपने स्वामित्व के सबूत पेश करने की बात पर अड़ा रहा। नगरपालिका टीम ने पहले से जमीन की पैमाइश कराई थी, लेकिन दूसरे पक्ष ने उसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इस पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट बिजेंद्र चहल ने आदेश दिया कि दूसरा पक्ष एक सप्ताह के भीतर स्वतंत्र रूप से पैमाइश कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करे। इसके बाद नगर पालिका की टीम बिना कार्रवाई किए मौके से लौट गई। स्थानीय प्रशासन ने कहा है कि दोनों पक्षों के दस्तावेजों और पैमाइश रिपोर्ट की जांच के बाद ही जमीन के स्वामित्व पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

उत्कृष्ट साज सज्जा के लिए नव जागृति दुर्गा उत्सव समिति बूढ़ी को मिला प्रथम पुरस्कार

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। नगर पालिका द्वारा नव जागृति दुर्गा उत्सव समिति को उत्कृष्ट कार्य और आकर्षक साझ सज्जा के लिए प्रथम स्थान नगर में दिया गया है। जिसको लेकर समिति के अध्यक्ष संजीव धुवारे द्वारा बताया गया कि विगत 21 वर्षो से जोड़ा महुआ चौक, बूढ़ी बालाघाट में माँ की प्रतिमा स्थापित की जाती है, जिसमे नव दिनों तक माँ भवानी की विशेष आराधना उज्जैन से पधारे पंडितों द्वारा महाआरती व पूजन किया जाता है । प्रत्येक दिन माँ का महा प्रसाद (भंडारा) आयोजित कर समिति बहुत ही हर्षोउत्साहित होकर प्रत्येक कार्यक्रम करती हैं । जिसमे बच्चों , महिलाओं व बड़े लोगो का भी कार्यक्रम किया जाता है। पिछले 2 वर्ष से नैनपुर से मूर्तिकार द्वारा आकर्षक व सुंदर मूर्ति को आकार दिया जाता है , जो आज समिति में माँ

की प्रतिमा का सर्व श्रेष्ठ प्रथम स्थान नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा प्रदान किया गया। इसमे समिति अध्यक्ष संजीव धुवारे ,संरक्षक राधेलाल दवने , कार्यकारी अध्यक्ष डॉ विनोद सेलोकर , अशोक बिसेन, रामसिंह बैस गजेन्द्र शरणागत, प्रभुदयाल भलुवे ,चंद्रकिशोर कटरे , विपिन उके, डॉ शुभम , जितेंद्र कावरे ,पुरुषोत्तम खंडागले , युवा मंडल -नितिन घोटे ,महेश पटले, विजय रहांगडाले निखिल पटले शरद बनसपाल , वेदप्रकाश दवने गोलू मरकाम , भूपेन्द्र ठाकरे नन्दू तूरकर रमेश तुरकर , शिवम भगत विजेंद्र दवने अमित दवने एवं सभी महिला मंडल ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और सभी संरक्षक मंडल द्वारा भी विशेष सहयोग और उत्साह से भरपूर आनंद लिया ।

जैन समाज ने 600 गरीब बच्चों को बांटी गई स्वेटर और थालियां

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। इंटरनेशनल भक्तामर हीलिंग एंड रिसर्च फाउंडेशन नागपुर के सौजन्य से बैहर के स्थानीय जैन समाज द्वारा 06 अक्टूबर को पिपरिया संकुल अंतर्गत आने वाली 13 एवं अन्य शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के बच्चों को गर्म वस्त्र के अंतर्गत स्वेटर एवं मध्यान्ह भोजन के लिए भोजन करने की थाली का वितरण किया गया।

इस संबंध में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर की राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी नवजीत सिंह परिहार ने बताया कि इंटरनेशनल भक्तामर हीलिंग एंड रिसर्च फाउंडेशन के बालाघाट जिला प्रमुख एवं स्थानीय व्यवसायी विक्रम नितिन जैन द्वारा फाउंडेशन के सीएमडी डॉ अनीश जैन नागपुर एवं टीम द्वारा जनजातीय क्षेत्र के गरीब बच्चों को सामग्री वितरण करने की इच्छा जाहिर की गई थी। जिस पर जनपद शिक्षा केन्द्र बैहर

के बीआरसी दीपक तिवारी, शासकीय हाई स्कूल पिपरिया के प्राचार्य डी के बिसेन, जनशिक्षक विनय जायसवाल एवं 13 शालाओं के शिक्षकों के सहयोग से वृहद स्तर पर पिपरिया हाईस्कूल में 06 अक्टूबर को औपचारिक कार्यक्रम आयोजित कर भक ?तामर टीम का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में फाउंडेशन के पदाधिकारी नितिन जैन, श्रीमती सीता जैन, वर्षा जैन, संजय वर्मा, नूतन वर्मा, शीला जैन, निशा जैन, सुलोचना जैन, अनिल जैन, सुनहरी सुरेन्द्र जैन (दिल्ली), विनोद जैन, बीना जैन, ऋषभ जैन (मुंबई), सुभाष कोटेचा, महेश कोटेचा (नागपुर) आदि द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक छात्र छात्राओं के सहयोग से बच्चों को सामग्री वितरित की गई साथ ही बच्चों से नियमित अच्छी पढ़ाई करने, नशा ना करने एवं शाकाहार अपनाने का आश्वासन लिया। इस अवसर पर बैहर बीडीओ एन के वैध, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर के प्राचार्य आलोक चौरे, बीएसी गिधेश राहंगडाले उपस्थित थे।

निठारी कांड : सुरेंद्र कोली की क्यूरेटिव पिटीशन पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा के बहुचर्चित निठारी हत्याकांड से जुड़े एक मामले में दोषी सुरेंद्र कोली की क्यूरेटिव पिटीशन पर मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। यह याचिका कोली ने 2005-06 में निठारी में हुई हत्या और बलात्कार के एक मामले में अपनी दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ दायर की थी।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की बेंच ने खुली अदालत में संक्षिप्त सुनवाई के बाद यह निर्णय लिया।

सुप्रीम कोर्ट बैंच ने सुनवाई के दौरान कहा, कि दोषसिद्धि केवल एक बयान और रसोई के चाकू की बरामदगी के आधार पर हुई थी, जबकि याचिकाकर्ता बाकी मामलों में बरी हो चुका है। यह एक असामान्य स्थिति है। मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा, यह मामला एक मिनट में विचारार्थ स्वीकार किए जाने योग्य है।

गौरतलब है कि यदि सुप्रीम कोर्ट कोली की क्यूरेटिव पिटीशन स्वीकार कर लेता है, तो वह स्वतंत्र व्यक्ति बन सकता है, क्योंकि निठारी के अन्य सभी मामलों में वह पहले ही बरी हो चुका है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उसे 12 मामलों में बरी कर दिया था। इसके बाद कोली ने इस वर्ष फिर से सर्वोच्च न्यायालय में यह याचिका दायर की।

2006 में हुआ था हत्याकांड का खुलासा

29 दिसंबर 2006 को नोएडा के निठारी गांव में व्यापारी मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे नाले से आठ बच्चों के कंकाल मिलने के बाद इस सनसनीखेज हत्याकांड का पर्दाफाश हुआ था। जांच में सुरेंद्र कोली और पंढेर पर कई बच्चों और महिलाओं की हत्या, बलात्कार और नरभक्षण जैसे आरोप लगे थे।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई संत वाल्मीकि जयंती

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। पवित्र ग्रंथ रामायण के रचयिता आदि कवि संत हर्षि वाल्मीकि की जयंती मंगलवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जहां जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए इसी कड़ी में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी नगर के वार्ड नंबर 3 बैहर रोड स्थित अंबेडकर भवन में संत महर्षि वाल्मीकि जयंती का आयोजन किया गया जहां मध्य प्रदेश सुदर्शन डुमार समाज के पदाधिकारियों सदस्यों व अन्य सामाजिक बंधुओं ने संत वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विशेष पूजा-अर्चना की |वहीं प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर उद्बोधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां सुदर्शन समाज के पदाधिकारियों ने अपने उद्बोधन में समाज की एकता अखंडता व आपसी भाईचारे की प्रेरणा देते हुए सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने लेने की समझाइश दी। वहीं पदाधिकारियों ने संत महर्षि वाल्मीकि की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।इस दौरान मप्र सुदर्शन डुमार समाज समस्त पदाधिकारी सदस्य व सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ।

मधुमक्खियों के हमले से किसान घायल

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। खेत में घास काटने के लिए गए एक किसान पर मधुमक्खियो के झुंड ने हमला कर,उसे गम्भीर रूप से घायल कर दिया। घायल किसान का नाम थाना हट्टा ग्राम केशलेवाला निवासी 65 वर्षीय सुंदरलाल पिता जोशीराम राणा बताया गया है। जिसे मंगलवार की सुबह जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है।जहां उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार केशलेवाला निवासी सुंदरलाल राणा किसान है जो खेती

बाड़ी का काम करता है। बताया गया कि मंगलवार की सुबह वह अपने खेत में घास काटने के लिए गया था। जहां घास काटने के दौरान मधुमक्खियो के झुंड ने उसपर अचानक से हमला कर दिया।जिससे बचाव के लिए सुंदरलाल सीधा घर के तरफ भागा और परिजनों को यह बात बताई।परिजनों द्वारा देखने पर सुंदरलाल के शरीर पर जगह-जगह मधुमक्खियों की कांटे के निशान और सूजन आ गई थी, लगातार उसे शरीर पर जलन हो रही थी। जिसपर सुंदरलाल के पुत्र दिलीप राणा ने निजी वाहन की मदद से उसे उपचार के लिए, जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है। जहां उसका उपचार जारी है।

करूर रैली में भगदड़ का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, 10 को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। अभिनेता और राजनेता विजय की राजनीतिक रैली में मची भगदड़ का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट अब मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर 10 अक्टूबर को सुनवाई करेगी, जिसमें 27 सितंबर को करूर रैली में मची भगदड़ की सीबीआई से जांच कराने से इनकार कर दिया गया था। इस रैली में भगदड़ से 41 लोगों की मौत हो गई थी और 60 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विनोद चंद्रन की पीठ ने भगदड़ की सीबीआई से जांच कराने के अनुरोध वाली बीजेपी नेता उमा आनंदन की अपील पर संज्ञान लिया। एक वकील ने पीठ को बताया कि सीबीआई जांच के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी गई है, जबकि एकल न्यायाधीश ने कहा कि वह भगदड़ की जांच से संतुष्ट नहीं हैं। इस पर सीजेआई ने कहा कि इसे शुक्रवार को सूचीबद्ध कीजिए। मद्रास हाईकोर्ट ने विजय की राजनीतिक रैली में 27 सितंबर को हुई भगदड़ की जांच के लिए 3 अक्टूबर को एसआईटी का गठन किया था। हाईकोर्ट की मुख्य पीठ ने घटना की सीबीआई जांच कराने की अपील वाली याचिका भी खारिज कर दी और बीजेपी नेता को मदुरै पीठ का रुख करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने सीनियर अधिकारी और उत्तर क्षेत्र के महानिरीक्षक असरा गर्ग के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया।

12 हजार वोट और महज 12 सीट की टीस... नहीं भूल पाएंगे तेजस्वी जब रह गए सीएम इन वेटिंग!

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में तेजस्वी यादव ने अपने दम पर नीतीश कुमार की सत्ता को सबसे कड़ी चुनौती दी थी। इस चुनाव में महागठबंधन बहुमत से केवल 12 सीटें पीछे रहा था, जबकि वोटों के स्तर पर महज 12 हजार का था। यह चुनाव बिहार की राजनीति में एक ऐसा मोड़ था जिसने तेजस्वी को एक परिपक्व नेता के रूप में स्थापित किया और नीतीश को सत्ता बचाना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं रहा। दरअसल, 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए ने कुल 125 सीटें जीतीं, जबकि महागठबंधन को 110 सीटें मिलीं। कुल 243 सीटों वाली विधानसभा चुनाव में एनडीए को 37.26 प्रतिशत वोट शेयर मिला, जो महागठबंधन के 37.23 प्रतिशत से महज 0.03 प्रतिशत अधिक था।

बता दें कि 2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए ने 125 सीटें जीतकर सत्ता संभाली, जबकि महागठबंधन 110 सीटों सिमट गया। लेकिन, दिलचस्प बात यह थी कि कुल वोट शेयर में अंतर महज 0.03 प्रतिशत यानी करीब 12,000 वोटों का ही था। बता दें कि 2020 में बिहार में कुल 243 सीटों पर चुनाव हुआ जिसमें एनडीए को 125 सीटें और महागठबंधन को 110 सीटें मिलीं थीं। इसमें भाजपा ने 74 सीटें जीतीं, तब जदयू के खाते में 43 सीटें गईं। दूसरी ओर राजद ने 75 सीटों पर जीत दर्ज की और कांग्रेस के खाते में 19 और वाम दलों ने 16 सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके बाद अक्सर महागठबंधन (राजद) के नेताओं को इसकी टीस रहती है कि अगर कांग्रेस को 4-5 सीटें और जीत जाती, तब महागठबंधन की सरकार बन जाती।

शाहाबाद क्षेत्र की 19 सीटों में एनडीए का प्रदर्शन कमजोर रहा और महागठबंधन ने अधिकांश सीटें जीतीं। जबकि मगध क्षेत्र की 49 सीटों पर महागठबंधन ने मजबूत पकड़ दिखी। कुल मिलाकर इन दक्षिणी क्षेत्रों की करीब 68 सीटें में महागठबंधन ने 51 सीटें हासिल कीं, जबकि एनडीए को केवल 20 सीटें मिलीं।

दूसरी ओर किशनगंज, कटिहार और अररिया में महागठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया। यहां राजद और वाम दलों ने मुस्लिम-यादव समीकरण के साथ गरीब तबके का भरोसा जीता। सीमांचल की 24 सीटें में महागठबंधन की परंपरागत मजबूती रही, लेकिन एआईएमआईएम ने 5 सीटें जीतकर मुस्लिम वोट बांट दिया। वहीं, दरभंगा, मधुबनी, मुजफ्फरपुर और सीतामढ़ी में भाजपा ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। यहां मोदी फैक्टर ने नीतीश के पक्ष में हवा बनाकर एनडीए ने अधिकांश सीटें जीत लीं। मिथिलांचल की 37 सीटों पर एनडीए ने शानदार प्रदर्शन किया। इस चुनाव की बड़ी कहानी यही सामने आई कि तेजस्वी 2020 के चुनाव में अपने दम प्रचारक के तौर पर उभरे। जहां नीतीश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का सहारा था, वहीं तेजस्वी ने बेरोजगारी, शिक्षा और पलायन जैसे मुद्दों पर युवा मतदाताओं को जोड़ा। राजनीति के जानकारों का मानना है कि 2020 का परिणाम बदलते बिहार का संकेत था जहां 'नेतृत्व की उम्र' से ज्यादा 'नेतृत्व की दृष्टि' मायने रखती दिखी।

इस चुनाव में महागठबंधन के लिहाज से कांग्रेस कमजोर कड़ी साबित हुई। दरअसल, कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा लेकिन सिर्फ 19 सीटें जीत सकी, जिससे महागठबंधन का नुकसान हुआ। दूसरी ओर जदयू की सीटें 71 से घटकर 43 रह गईं। साफ-साफ दिखा कि नीतीश का व्यक्तिगत प्रभाव घटा और भाजपा ने पहली बार गठबंधन में बड़ी पार्टी बनकर एनडीए की नैया पार लगा दी।

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट जिले में अलग-अलग जगह पर आज जीएसटी चोरी पर एक साथ शिकंजा कसा गया। धरपकड़ भी शुरु हुई। इस कार्रवाई से व्यवसायियों और परिवहनकर्ताओं में हड़कंप मच गया। बैनगंगा नदी किनारे गर्रा हाईवे चौकी के पास की गई इस कार्यवाही में जीएसटी की टीम ने चार ट्रकों को जांच के दौरान अभिरक्षा में लिया है। इसमें एमपी ट्रक क्र. एमपी 08 जीए, 3947,एमपी 40 बीएल.8085, सीजी 07 बीएल 2997 और सीजी 08 बीडी 5024 वाहनों को जप्त किया गया है। बताया गया है कि इन वाहनों पर मध्य प्रदेश सेवा एवं माल अधिनियम 2017 की धारा 68 के तहत जीएसटी से संबंधित दस्तावेज खगांले जा रहे हैं।

जीएसटी चोरों पर कसा शिकंजा, धरपकड़ शुरु

कर चोरों के खिलाफ जिले भर में जगह-जगह टीम दे रही दबिश, मालवाहक वाहनों को रोककर की जा रही जीएसटी की जांच, गर्रा चौकी में जीएसटी टीम ने चार वाहनों को पकड़ा, वहीं तिरोड़ी क्षेत्र में भी चलती रही आकस्मिक चेकिंग

वस्तुओं की खरीदी बिक्री ,उनके परिवहन आदि कार्य मे जीएसटी की चोरी का खेल जिले में लंबे समय से चल रहा है। जहां कुछ संबंधित व्यापारी और माल वाहक वाहन मालिक मिलकर जीएसटी की चोरी कर सरकार को लाखो रु चपत लगा रहे है।जिसे देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से मिले दिशा निर्देश पर जिले में भी जीएसटी टीम द्वारा अलग-अलग ठिकानों पर जाकर जीएसटी की जांच शुरू कर दी गई है। जहां जीएसटी की टीम जगह-जगह दबिश देकर माल वाहक वाहनों की चेकिंग कर जीएसटी से संबंधित दस्तावेज खंगाल रही है। इसी कड़ी में जीएसटी की टीम ने मंगलवार को नगर के गर्रा हाइवे यातायात चौकी के पास माल वाहक वाहनों को रोककर चेकिंग अभियान चलाया। इसमें चार वाहनों को चौकी में खड़ा कर जीएसटी से संबंधित आवश्यक दस्तावे जांच द्द4द्धगए हैं। तो वही अब जीएसटी कार्यवाही के लिए टीम तिरोड़ी के लिए रवाना हो चुकी है। बताया जा रहा है कि जिले के अलग-अलग क्षेत्रो में माल वाहक वाहनों को रोककर चेकिंग प्रक्रिया अपनाई जा रही है। ताकि जीएसटी की चोरियों का खुलासा हो सके। हालांकि अब तक कितने वाहन रोककर चेकिंग की गई है और कितने की जीएसटी चोरी पकड़ी गई है फिलहाल इसका आधिकारिक खुलासा जीएसटी टीम द्वारा नहीं किया गया है।

दो-तीन दिनों तक कार्यवाही जारी रहेगी

जिले के भीतर या यहां से होकर, जाने वाले मालवाहक वाहनों में जो सामग्री परिवहन की जा रही है, उस, सामग्री में जीएसटी टेक्स की जांच, जीएसटी विभाग कर रहा है, कर आयुक्त के निर्देशानुसार, सहायक कर आयुक्त सरिता सिरसाम के नेतृत्व में जीएसटी डिपार्टमेंट, वाहनों की जांच में जुटा है। मंगलवार को जिले के अलग-अलग

स्थानो में जीएसटी विभाग ने वाहनों की जांच की। कोतवाली क्षेत्र के औद्योगिक नगरी गर्रा में कार्यवाही के बाद मालवाहक वाहनों को गर्रा, हाइवे चौकी में विभागीय अधिकारियों ने खड़ा करवा दिया है। बताया जा रहा है कि यहां जांच दो-तीन दिनों तक जिले के अलग अलग थाना क्षेत्रो में जारी रहेगी।

अचानक कार्यवाही से मचा हड़कंप

ज्ञात हो कि आगामी समय में साल का बड़ा त्यौहार दीपावली आ रहा है, ऐसे में सामानो की डिमांड है, जिसे देखते हुए व्यवसायी भी बड़ी मात्रा में माल मंगा रहे है लेकिन, आ रहे माल में जीएसटी पेड है या नहीं, इसकी विभाग जांच कर रहा है।उधर लंबे अंतराल के बाद जिले में गुपचुप तरीके से चल रही जीएसटी की जांच और कार्यवाही से मालवाहक, वाहनों के चालकों और उसके मालिको में हड़कंप मचा है। जहां वाहन मालिको द्वारा जीएसटी के दस्तावेज जुटाए जा रहे हैं।

मामले की जांच जारी है- पटले

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जीएसटी डिपार्टमेंट अधिकारी डी.एल. पटले ने बताया कि विभागीय अधिकारों के निर्देश पर कार्यवाही जारी है, टीम आकस्मिक, वाहनों की जांच कर उनके परिवहन सामग्री के बिल में जीएसटी टैक्स के लिए दस्तावेज की जांच कर रहा है। उन्होंने बताया कि अधिनियम के तहत कुछ खामियों के चलते जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में आधा दर्जन से ज्यादा वाहन अभिरक्षा में है, यह कार्यवाही जारी रहेगी और आगामी दिनो में बिना जीएसटी जमा किए, सामानों के परिवहन मामले में जुर्माना कार्यवाही भी की जाएगी। यह कार्रवाई दो-तीन दिनों तक चलेगी सभी चीजों की जांच पड़ताल करने के बाद ही खुलासा हो पाएगा कि जीएसटी चोरी हुई है या नहीं। या फिर कितने रुपए की जीएसटी चोरी की गई थी।

9 वर्षीय बालक विद्युत करेंट से झुलसा

खैरलांजी थाना के ग्राम किन्ही की घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम किन्ही में मकान की छत पर बंदरों को भगा रहा एक बालक विद्युत करंट से झुलस गया। विद्युत करंट से झुलसे बालक प्रज्वल पिता प्रमोद सुलाखे 9 वर्ष ग्राम सावरी थाना खैरलांजी निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सावरी निवासी प्रमोद

सुलाखे खेती किसानी के अलावा नागपुर में अपनी पत्नी के साथ मजदूरी करते हैं।जिनका बड़ा बेटा प्रज्वल ग्राम किन्ही अपने नाना नानी के पास रहकर पढ़ाई करता है। छोटा बेटा प्रांजल 7 वर्ष ग्राम रावनवाड़ी गोंदिया में अपनी मौसी के पास रहकर पढ़ाई करता है। बताया गया है कि 7 अक्टूबर को 3 बजे करीब बालक प्रज्वल के नाना नानी के पड़ोसी के मकान की छत पर बंदर आए थे और प्रज्वल बंदर को भगाने के लिए मकान की छत पर चढ़ा था। इसी दौरान बंदर उछल कूद करने पर मकान के ऊपर से गुजरी हाई वोल्टेज विद्युत लाइन के दोनों तार आपस में टकरा गए। दोनों तार आपस में टकराने से आग के गोले बालक प्रज्वल की पीठ पर गिरने से उसके पीठ और पीठ के पीछे के दोनों हाथ पैर झुलस गए। बालक प्रज्वल के चिल्लाने पर वहा के लोग दौड़े और उसे छत से नीचे लाये। प्रज्वल को खैरलांजी के शासकीय अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई-तीन युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वारासिवनी रोड पुलिस लाइन चौक के पास दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से दोनों मोटरसाइकिल में सवार तीन युवक घायल हो गए घायल तीनों युवक सुरेश पिता प्रशांत श्रीवास्त्री 17 वर्ष वार्ड नंबर 28 श्रीनगर बालाघाट नरेंद्र पिता सुनील दूधबरई 24 वर्ष भतेरा रोड बालाघाट, अभय पिता दिनेश धनेश्वर 23 वर्ष वार्ड नंबर 1 बूढ़ी बालाघाट निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुयश श्रीवास्त्री सी एस स्कूल बालाघाट में कक्षा ग्यारहवीं का छात्र है।6 अक्टूबर की रात्रि 10.30 बजे सुयश श्रीवास्त्री मोटरसाइकिल में काली पुती चौक से अपने दोस्त से मिलने के लिए उसके घर सिविल लाइन जा रहा था और नरेंद्र दूधबरई अपने दोस्त अभय धानेश्वर के साथ मोटरसाइकिल में रेंजर कॉलेज से अपने घर जा रहै थे। मोटरसाइकिल अभय धानेश्वर चला रहा था। तभी पुलिस लाइन चौक में दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई। इस दुर्घटना में सुयश श्रीवास्त्री, नरेंद्र दूधबरई अभय धानेश्वर तीनों घायल हो गए।जिन्हें 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया।

पुलिस टीम को देख पशु तस्कर वाहन और 6 मवेशी को छोड़कर हुए फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले गोवंश की तस्करी के चलते थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कुकर्रा के सर्कल मोहल्ला में पुलिस टीम को देखकर पशु तस्कर, मवेशियों और 407 आईसर वाहन को छोड़कर फरार हो गए। पुलिस टीम ने मौके से 407 आईसर वाहन और 6 मवेशी को जप्त कर लिए। गोवंश के तस्कर 6 मवेशियों को इस 407 आईसर वाहन में कत्ल खाने भिजवाने के उद्देश्य क्रूरता पूर्वक ठूंस ठूंस कर भर रहे थे। गौवंश के तस्कर बलवंत उर्फ गुड्डु साहू ग्राम गढ़ी निवासी और उसके दो साथी के विरुद्ध पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है। जप्त 6 मवेशी की कीमत 90हजार रुपए बताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 अक्टूबर को सहायक उप निरीक्षक चंदन लाल तेलासी प्रधान आरक्षक गणेश मेरावी के साथ देहात गैस पर निकले थे इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि कुकर्रा सर्कल मोहल्ला के बर्रा बलवंत उर्फ गुड्डु साहू अपने दो साथियों के साथ मवेशियों को कत्ल खाने भिजवाने के उद्देश्य से 407 आईसर में क्रूरता पूर्वक मारते पीटते ठूंस ठूंस कर भर रहे हैं। सहायक उप निरीक्षक श्री तेलासी, थाना प्रभारी भूपेंद्र सिंह पन्द्रों के मार्गदर्शन में प्रधान आरक्षक गणेश मेंरावी और अन्य पुलिस कर्मचारियों के साथ कुकर्रा सर्कल मोहल्ला के बर्रा पहुंचे। पुलिस टीम को देख सभी गोवंश के तस्कर 407 आईसर वाहन और मवेशी को छोड़कर फरार हो गए। इस दौरान सभी मवेशी इधर-उधर हो गए थे। जिन्हें पुलिस कर्मचारियों ने एकत्रित किए। पुलिस टीम ने मौके से 407 आईसर वाहन और 6 नग मवेशी भैसों को जप्त किये। गढ़ी पुलिस ने इस मामले में गौवंश के तस्कर बलवंत उर्फ गुड्डु साहू और उसके दो साथियों के विरुद्ध धारा 11(1)घ पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। जप्त 6 नग मवेशी भैस की कीमत 90 हजार रुपये बताई गई है।

पुराना ट्रेक्टर बाजार
(8/10/2025 से 20/10/2025) तक

Eoro504x4	2023	Eoro504x4	2024	Mdm Yoyo275	2017
PT435 plus	2019	PTU45	2013	Swaraj735xM	2012
Eoro41+	2017	New Hollond	2017	439 Pox	2022
Eoro60	2019	Ace 50HP	2019	Massy 7250	2016
Eoro50	2020	Ace 35 HP	2019	PT 434	2012
Eoro45	2016	435 Plus	2019	सभी मॉडल उपलब्ध है	

स्थान - नर्मदा नगर बालाघाट, सांई ट्रेक्टर के बाजु में
संपर्क सूत्र- 8959493056, 8770334649

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, प्रधान संपादक - उमेश बागरेचा, मो.नं. - 9425138710, स्थानीय संपादक - विपिन बिहारी शांडिल्य, रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट